2ND EDITION
MAY 2024

UPSC Mentorship
A Unit of Mentorship India

BI-WEEKLY EDITION

THE MIB | MENTORSHIP INDIA BI-WEEKLY

THE MIDDLE EAST INFERNO

SOURCES

THE HINDU · PIB · THE FINANCIAL EXPRESS · ET Economic Times.com · live mint · AIR · The Indian EXPRESS Journalism of Courage

THE
MIB | MENTORSHIP INDIA BI-WEEKLY

मेंटरशिप इंडिया की एक करंट अफेयर्स पत्रिका

प्रिय छात्रों

मेंटरशिप इंडिया द्वि-साप्ताहिक हमारा अर्धमासिक प्रकाशन है जो भारत और विश्व को आकार देने वाले नवीनतम घटनाक्रमों पर अपडेट रहने के लिए है। हमारे हमारे मेंटर्स द्वारा सटीकता के साथ तैयार किया गया, यह प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करने वाले छात्रों के लिए एक व्यापक संसाधन के रूप में कार्य करता है। परीक्षा पाठ्यक्रम के साथ संरेखित व्यावहारिक विश्लेषण, गहन कवरेज और रणनीतिक अंतर्दृष्टि प्रदान करते हुए, यह उम्मीदवारों को आत्मविश्वास के साथ समकालीन मुद्दों के माध्यम से नेविगेट करने का अधिकार देता है। ब्रेकिंग न्यूज से लेकर बारीक दृष्टिकोण तक, हमारी पत्रिका जटिल विषयों को आसानी से पचने योग्य नोट्स में बदल देती है, यह सुनिश्चित करती है कि प्रत्येक पाठक को वर्तमान मामलों की समग्र समझ प्राप्त हो। हमारे द्वि-साप्ताहिक करंट अफेयर्स के साथ ज्ञान संवर्धन और परीक्षा तैयारी उत्कृष्टता की यात्रा पर हमसे जुड़ें।

सुविधाऐं

- **MIB थीम बाई वीकली**
  - **सबसे महत्वपूर्ण द्वि-साप्ताहिक विषय का एक व्यापक कवरेज।**
- **मुख्य में विस्तार से बाई वीकली**
  - **समस्या का गहन कवरेज जो परीक्षा में पूछे जाने की सबसे अधिक संभावना रखता है।**
- **प्रीलिम्स इन-ब्रीफ द्वि-साप्ताहिक**
  - **प्रीलिम्स के दृष्टिकोण से सबसे अपेक्षित विषयों के विषयवार रीडिंग नोट्स।**
- **स्व मूल्यांकन द्वि-साप्ताहिक**
  - **आपके स्व-मूल्यांकन के लिए 25 प्रारंभिक प्रश्नों और 5 मुख्य प्रश्नों से युक्त एक असाइनमेंट**
- **हल किया गया केस स्टडी बाई वीकली**
  - **छात्र को दूसरों पर अतिरिक्त बढ़त देने के लिए पिछले वर्ष हल किया गया केस स्टडी**

संपादकों से

क्या विलंब आपका मित्र है?

इसे चित्रित करें: आपके पास जीतने के लिए पाठ्यक्रम का एक पहाड़ है, मिलने की समय सीमा है, और पीछा करने की महत्वाकांक्षाएं हैं। फिर भी, आप वहाँ हैं, शिथिलता के भंवर में फंस गए हैं, यह मानते हुए कि यह हथियारों में आपका साथी है। लेकिन सावधान रहें, क्योंकि शिथिलता आसानी से एक दोस्ताना साथी से एक चालाक दुश्मन में बदल सकती है।

हर पल जो आप विलंब करते हुए बिताते हैं, वह आपके सपनों की खोज में खोया हुआ क्षण है। आप जितनी देर करेंगे, आगे का काम उतना ही कठिन होता जाएगा। पाठ्यक्रम अपने आप सिकुड़ता नहीं है, और परीक्षा की तारीख हर गुजरते दिन के साथ करीब आती है।

लेकिन डरो मत, क्योंकि सभी आशा नहीं खोई है। शिथिलता के खतरों को स्वीकार करें, लेकिन उन्हें आपको अपंग न बनाने दें। अपने अध्ययन कार्यक्रम को प्रबंधनीय हिस्सों में तोड़ दें, यथार्थवादी लक्ष्य निर्धारित करें और अपने आप को जवाबदेह ठहराएं। याद रखें, यह पूर्णता के बारे में नहीं बल्कि प्रगति के बारे में है।

इसलिए, प्रिय छात्रों, जबकि शिथिलता एक आकर्षक सहयोगी की तरह लग सकती है, इसे आपको धोखा न देने दें। अनुशासन को अपनाएं, शिथिलता पर विजय प्राप्त करें और अपनी आकांक्षाओं के प्रति आत्मविश्वास से आगे बढ़ें। सफलता का मार्ग चुनौतीपूर्ण हो सकता है, लेकिन दृढ़ संकल्प और लचीलेपन के साथ, आप विजयी होंगे।

आपके गुरु, मार्गदर्शक और सहकर्मी यहां हर कदम पर आपका समर्थन करने के लिए हैं। जरूरत पड़ने पर मदद के लिए पहुंचें, मार्गदर्शन लें और अपने अंतिम लक्ष्य पर केंद्रित रहें।

टीम
यूपीएससी मेंटरशिप

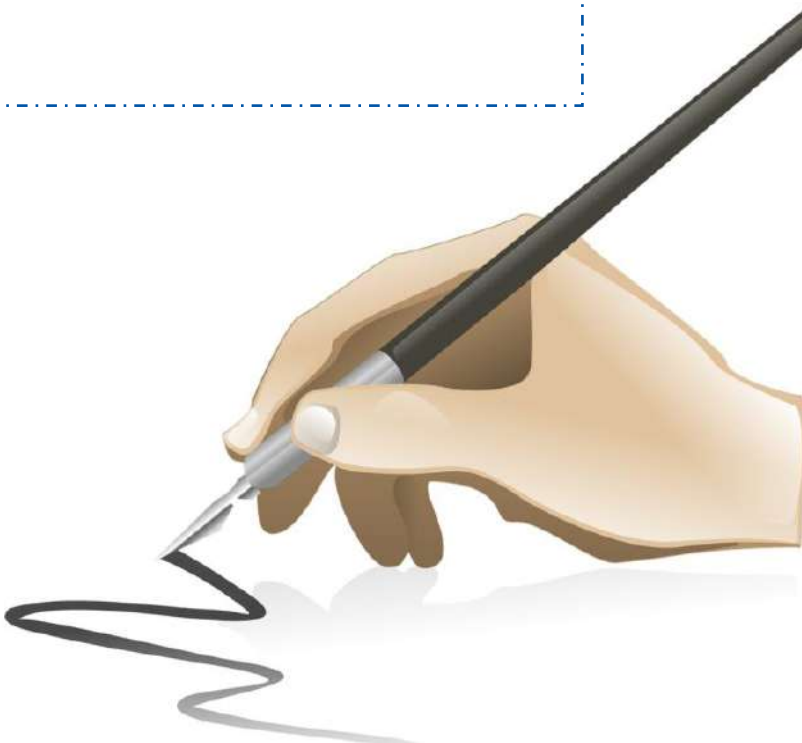

विषय-सूची

एमआईबी बाई वीकली थीम..... 3

मध्य पूर्वी जूलिा..... 3
मध्य पूर्व क्या है?..... 3
आधुनिक मध्य पूर्व का गठन..... 4
2024 में प्रमुख खिलाड़ी..... 5
इज़राइल..... 5
फ़िलिस्तीन..... 5
ईरान..... 6
सऊदी अरब..... 6
सीरिया..... 6
यमन..... 6
अफ़गानिस्तान..... 6
संयुक्त राज्य अमेरिका..... 6
चीन..... 7
रूस..... 7
अरब इजरायल संघर्ष..... 7
संघर्ष का इतिहास..... 7
संघर्ष के निहितार्थ..... 9
अब तक किए गए प्रयास..... 10
आगे की राह..... 10
ईरानी कसौटी..... 11
ईरान और उसके मुद्दे..... 11
ईरान मध्य पूर्व में अधिक प्रभाव क्यों चाहता है?..... 12
प्रमुख राष्ट्रों के साथ संबंध..... 12
तेल और अर्थशास्त्र..... 12
प्रासंगिकता और तेल निर्यात क्षमता..... 12
आज की चुनौतियां..... 13
अवसर..... 13
आगे की राह..... 13
भारत और मध्य पूर्व..... 13
भारत के लिये मध्य पूर्व का महत्त्व..... 13
भारत और मध्य पूर्व के बीच चुनौतियां..... 14
आगे की राह..... 15

बाई वीकली मुख्य परीक्षा विस्तार..... 16

भारत में साइबर अपराध..... 16
भारत की भेद्यता..... 16
साइबर अपराध..... 16
साइबर अपराधों का प्रभाव..... 16
भारत में वर्तमान साइबर सुरक्षा ढांचा..... 17
साइबर खतरों के खिलाफ भारत की तैयारी में चुनौतियाँ..... 17
आगे की राह..... 17
बिम्सटेक..... 18
बिम्सटेक..... 18
बिम्सटेक चार्टर - मुख्य विशेषताएं..... 18
भारत के लिये बिम्सटेक का महत्त्व..... 19
बिम्सटेक के समक्ष चुनौतियां..... 19
आगे की राह..... 19
अंतरिक्ष पर्यटन..... 20
अंतरिक्ष पर्यटन..... 20
अंतरिक्ष पर्यटन का विकास..... 20
अंतरिक्ष पर्यटन की वर्तमान स्थिति..... 20
अंतरिक्ष पर्यटन के लाभ..... 20
भारत द्वारा उठाए गए कदम..... 21
अंतरिक्ष पर्यटन के साथ चुनौतियां..... 21
आगे की राह..... 21
संपत्ति का अधिकार..... 22
पृष्ठभूमि..... 22
संवैधानिक ढांचा..... 22
संपत्ति के अधिकार का विकास..... 22
संपत्ति के अधिकार से संबंधित ऐतिहासिक मामले..... 22
कानूनी अधिकार के रूप में संपत्ति के अधिकार के निहितार्थ..... 23
संपत्ति के अधिकार की आलोचना..... 23
हालिया फैसले की मुख्य विशेषताएं..... 23
प्रक्रियात्मक अधिकार परिभाषित..... 23
निहितार्थ और निष्कर्ष..... 23
भारत में मानसून..... 24
भारत में मानसून..... 24
भारत में मानसून के चरण..... 24
मानसून की सामान्य स्थिति..... 25
एल नीनो..... 25
ला नीना..... 25
मानसून का महत्व..... 26

बाई वीकली प्रीलिम्स संछिप्त खबरें..... 27

इतिहास..... 27
गंगा जतारा..... 27
कामाख्या कॉरिडोर..... 27
विरुपक्ष मंदिर..... 27
भूगोल..... 27
मेट्टूर बांध..... 27
न्यू कैलेडोनिया..... 28
कोर्टालम झरना..... 28
उजानी बांध..... 28
बाल्टिक सागर..... 28
राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति (NCMC)..... 29
सीलंधी नदी..... 29
माउंट कांग यात्से..... 29
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी..... 29
नियामक सैंडबॉक्स..... 29
निसार सैटेलाइट..... 29
जीपीटी-4o..... 30
Igla-S VSHORAD प्रणाली..... 30
कोलोरेक्टल कैंसर..... 30
कैनाबिस सैटाइवा (गांजा)..... 30
एके-203 राइफल..... 31
कैल्शियम कार्बाइड..... 31

कोपरनिकस कार्यक्रम....31
साइबर सुरक्षा अभ्यास....31
प्राथमिक अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस (PAM)....32
कार्बन फाइबर....32
नासा का प्रीफायर मिशन....32
माइक्रोसेफली....33
रुद्र – II....33
राज्यव्यवस्था....33
MPLAD योजना....33
सामाजिक न्याय....34
राष्ट्रीय दूर-मानसिक (Tele-mental) स्वास्थ्य कार्यक्रम....34
अंतर्राष्ट्रीय संबंध....34
नैरोबी घोषणा....34
साहेल राज्यों का गठबंधन (AES)....34
अंटार्कटिक संधि....34
अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय....35
फिलिस्तीन राज्य मान्यता....35
संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (UNWFP)....35
केरेम शालोम....35
यूरोप का AI कन्वेंशन....35
यूरोप में पारंपरिक सशस्त्र बलों पर संधि (CFE)....36
विश्व स्वास्थ्य सभा....36
एशियाई विकास बैंक (ADB)....36
बचत....36
थोक मूल्य सूचकांक....36
भारत का अस्थिरता सूचकांक....37
संपत्ति पुनर्निर्माण कंपनिया (ARC)....37
बीमा ज़मानत बांड....37
सूपाइस बोर्ड ऑफ इंडिया....37
सीमेंट और निर्माण सामग्री के लिए राष्ट्रीय परिषद (NCB)....38
भारतीय मानक ब्यूरो (BIS)....38
इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (InvIT)....38
वैकल्पिक निवेश कोष (AIF)....38
इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (EEPC)....39
गेलेफू स्मार्ट सिटी परियोजना....39
पारिस्थितिकी और पर्यावरण....39
लाल पांडा....39
इबेरियन लिंक्स....39
ओर्कास....39
लायन-टेल्ड मकाक....39
सरिस्का टाइगर रिजर्व....40
विशालकाय क्लैम....40
हम्बोल्ट ग्लेशियर....40
राजहंस....40
बाई वीकली स्व मूल्यांकन....42
प्रीलिम्स असाइनमेंट....42
मुख्य परीक्षा असाइनमेंट....47
बाई वीकली साल्व्ड केस स्टडी....48

एमआईबी बाई वीकली थीम

मध्य पूर्वी ज्वाला

मध्य पूर्व एक बार फिर उथल-पुथल के कगार पर है। पूर्ण विकसित संघर्ष में वंश का एक स्पष्ट डर है, फिर भी इसे कम करने के प्रयास कमजोर लगते नज़र आ रहे हैं। राष्ट्र अपने प्रतिद्वंद्वियों के गहरे बैठे संदेह से प्रेरित अपने कार्यों को सही ठहरा रहे हैं। इस क्षेत्र की राजनीति हमेशा तीव्र रही है, लेकिन आज की वैश्विक अस्थिरता की दुनिया में, इस क्षेत्र के तनाव पहले कभी नहीं देखे गए तरीकों से फूटने के लिए तैयार हैं।

मध्य पूर्व क्या है?

- "मध्य पूर्व" शब्द अफ्रीका, एशिया और यूरोप के चौराहे पर स्थित एक क्षेत्र को संदर्भित करता है, जिसमें दक्षिण पश्चिम एशिया और उत्तरी अफ्रीका के कुछ हिस्से शामिल हैं।
- मुख्य रूप से यूरोप और पूर्वी एशिया के बीच के क्षेत्र का वर्णन करने के लिए एक यूरोसेंट्रिक भू-राजनीतिक अवधारणा के रूप में पदनाम "मध्य पूर्व" 19 वीं शताब्दी में उभरा ।
- इसमें ईरान, इराक, इजरायल, जॉर्डन, कुवैत, लेबनान, ओमान, कतर, सऊदी अरब, सीरिया, तुर्की, संयुक्त अरब अमीरात, यमन और उत्तरी अफ्रीका के कुछ हिस्से जैसे देश शामिल हैं।
- **मध्य पूर्व का महत्त्व:**
  - मध्य पूर्व में दुनिया के सिद्ध तेल भंडार का 60% से अधिक हिस्सा है।
  - वैश्विक व्यापार मार्गों के लिए मध्य पूर्व की स्थिरता महत्वपूर्ण है।
  - यहूदी धर्म, ईसाई धर्म और इस्लाम के जन्मस्थान के रूप में, इस क्षेत्र का धार्मिक महत्व है।
  - कई मध्य पूर्वी अर्थव्यवस्थाएं महत्वपूर्ण GDP का दावा करती हैं, जिससे अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के लिए आकर्षक बाजार बनते हैं।
  - इतिहास और विविध संस्कृतियों में समृद्ध, मध्य पूर्व वैश्विक टेपेस्ट्री में महत्वपूर्ण योगदान देता है।
- मध्य पूर्व में ये 17 संयुक्त राष्ट्र मान्यता प्राप्त देश शामिल हैं।

भूक्षेत्र	भौगोलिक स्थान
बहरीन	फारस की खाड़ी, सऊदी अरब के पास
साइप्रस	पूर्वी भूमध्यसागरीय, तुर्की के दक्षिण में
मिस्र	पूर्वोत्तर अफ्रीका, सिनाई प्रायद्वीप
ईरान	दक्षिण पश्चिम एशिया, इराक और पाकिस्तान के बीच
इराक	मध्य पूर्व, ईरान और तुर्की द्वारा सीमाबद्ध
इज़राइल	अरब प्रायद्वीप, भूमध्यसागरीय तट पर
जॉर्डन	मध्य पूर्व, सऊदी अरब की सीमा
कुवैत	फारस की खाड़ी, सऊदी अरब और इराक के बीच
लेबनान	पूर्वी भूमध्यसागरीय, इज़राइल के उत्तर में
ओमान	अरब प्रायद्वीप, दक्षिण-पूर्वी तट
फ़िलिस्तीन	अरब प्रायद्वीप, इजरायल और जॉर्डन के बीच
कतर	फारस की खाड़ी, सऊदी अरब से पश्चिम तक
सऊदी अरब	अरब प्रायद्वीप, सबसे बड़ा देश
सीरिया	मध्य पूर्व, जॉर्डन के उत्तर में
तुर्कस्तान	मुख्य बाजार: दक्षिण पूर्व एशिया,दक्षिण पूर्व एशिया
संयुक्त अरब अमीरात	अरब प्रायद्वीप, दक्षिण-पूर्व
यमन	अरब प्रायद्वीप, सऊदी अरब के दक्षिण में

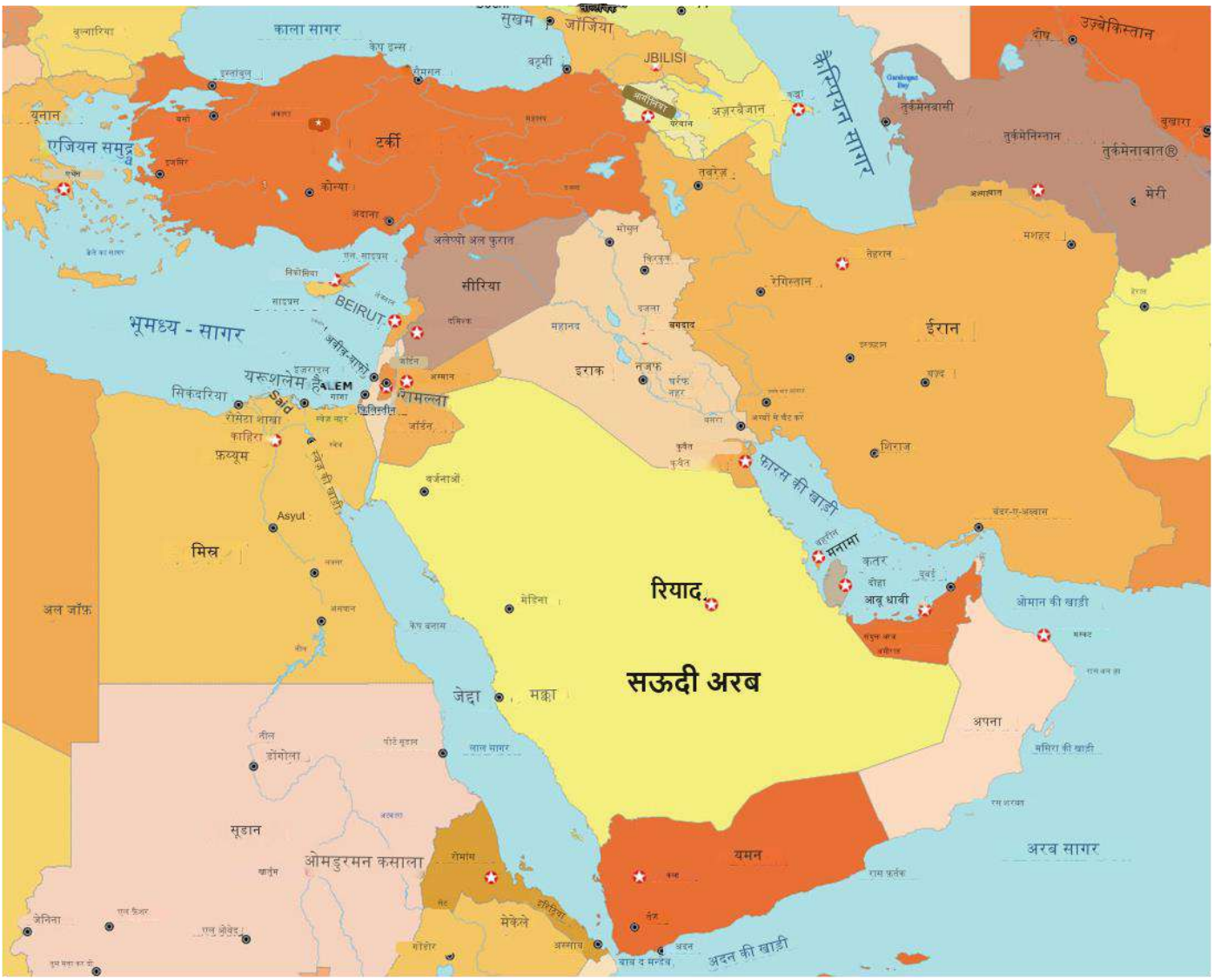

आधुनिक मध्य पूर्व का गठन

- पूर्व-औपनिवेशिक युग: इस क्षेत्र का सहस्राब्दियों पुराना एक समृद्ध इतिहास है, जिसमें अक्काडियन, बेबीलोनियन, फारसियों और रोमन जैसे साम्राज्यों का उदय और पतन हुआ है।।
- तुर्क साम्राज्य (15वीं-20वीं शताब्दी): सदियों तक एक प्रमुख शक्ति, ओटोमन साम्राज्य ने इस क्षेत्र के विशाल क्षेत्रों पर शासन किया, जिससे इसके राजनीतिक और सांस्कृतिक परिदृश्य को आकार मिला।
- औपनिवेशिक युग (19वीं-20वीं शताब्दी): ब्रिटेन और फ्रांस जैसी यूरोपीय शक्तियों ने अक्सर जातीय और धार्मिक सीमाओं की अनदेखी करते हुए इस क्षेत्र को उपनिवेशों और प्रभाव क्षेत्रों में विभाजित किया, जिसने भविष्य के संघर्षों के बीज बोए।
- ओटोमन साम्राज्य का पतन (WWI): प्रथम विश्व युद्ध में ओटोमन साम्राज्य की हार के कारण औपनिवेशिक हितों के आधार पर इसके विघटन और नए राष्ट्र-राज्यों का निर्माण हुआ, जिसने क्षेत्रीय अस्थिरता में और योगदान दिया।
- **मध्य पूर्व में महत्त्वपूर्ण घटनाएँ (वर्ष 2023 तक):**
  - 1917 – बालफोर घोषणा: ब्रिटेन ने फिलिस्तीन में एक यहूदी राष्ट्रीय घर की स्थापना का समर्थन करने का वादा किया, जिससे अरबों और यहूदियों के बीच तनाव बढ़ गया।
  - 1948 इज़राइल की स्थापना: इज़राइल राज्य के निर्माण से प्रथम अरब-इजरायल युद्ध और फ़िलिस्तीनियों का विस्थापन हुआ।
  - 1951-1953 तेल का ईरानी राष्ट्रीयकरण: क्षेत्र के तेल संसाधनों पर पश्चिमी प्रभुत्व को चुनौती देते हुए, ईरान ने अपने तेल उद्योग का राष्ट्रीयकरण किया।

- 1956 स्वेज संकट: मिस्र ने स्वेज़ नहर का राष्ट्रीयकरण कर दिया, जिससे एंग्लो-फ्रेंच-इज़राइली आक्रमण हुआ जो अंततः असफल रहा।
- 1967 छह दिवसीय युद्ध: इज़राइल ने मिस्र, जॉर्डन और सीरिया को एक त्वरित युद्ध में हराकर महत्वपूर्ण अरब क्षेत्रों पर कब्ज़ा कर लिया।
- 1973 योम किप्पुर युद्ध: योम किप्पुर के दिन अरब राज्यों ने इज़राइल पर एक आश्चर्यजनक हमला किया, लेकिन अंततः उन्हें खदेड़ दिया गया।
- 1979 ईरानी क्रांति: ईरान के शाह को उखाड़ फेंकने से एक इस्लामी गणतंत्र की स्थापना हुई, जिससे अमेरिका-ईरान के बीच लंबे समय तक तनाव बना रहा।
- 1980-1988 ईरान-इराक युद्ध: ईरान और इराक के बीच क्रूर युद्ध ने दोनों देशों को तबाह कर दिया।
- 1990-1991 – खाड़ी युद्ध: इराक ने कुवैत पर आक्रमण किया, जिसके परिणामस्वरूप अमेरिका के नेतृत्व वाले गठबंधन ने इराकी बलों को खदेड़ दिया।
- 2001 9/11 हमले: अल-कायदा ने अमेरिका पर हमला किया, जिससे "आतंकवाद के खिलाफ युद्ध" और अफगानिस्तान पर अमेरिकी आक्रमण शुरू हो गया।
- 2003 इराक पर अमेरिकी आक्रमण: अमेरिका ने सामूहिक विनाश के हथियारों के तहत इराक पर हमला किया, जिससे एक लंबी और अस्थिर संघर्ष हुआ.
- 2010-2011: अरब स्प्रिंग: ट्यूनीशिया, मिस्र और लीबिया में तानाशाहों को गिराते हुए, अरब दुनिया भर में विद्रोह हुआ, लेकिन सीरिया में गृह युद्ध और अन्य जगहों पर अस्थिरता पैदा हुई।
- 2011-वर्तमान: सीरियाई गृहयुद्ध: सीरिया में एक क्रूर संघर्ष छिड़ गया, जिसके विनाशकारी मानवीय परिणाम हुए और आईएसआईएस (इस्लामिक स्टेट ऑफ इराक एंड सीरिया) का उदय हुआ।.
- 2015 ईरान परमाणु समझौता: ईरान और विश्व शक्तियों के बीच एक समझौता प्रतिबंधों से राहत के बदले में ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर अंकुश लगाता है।
- वर्ष 2019-वर्तमान: अमेरिका-ईरान तनाव: अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते तनाव से व्यापक संघर्ष की आशंका बढ़ गई है।
- 2020: अब्राहम समझौता: इज़राइल ने कई अरब देशों के साथ संबंधों को सामान्य बनाया है, जो क्षेत्रीय गतिशीलता में बदलाव का प्रतीक है।
- 2024 (वर्तमान): यमन, सीरिया और लीबिया में चल रहे संघर्ष मानवीय चुनौतियों को जन्म दे रहे हैं। पश्चिम और ईरान के बीच संबंधों का भविष्य अनिश्चित बना हुआ है। इजरायल-फिलिस्तीन युद्ध ने चल रहे संकट को और बढ़ा दिया है। कई देशों में राजनीतिक और आर्थिक अस्थिरता बनी हुई है।

2024 में प्रमुख खिलाड़ी

इज़राइल

मध्य पूर्व में इजरायल एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी है, जिसकी भूमिका जटिल और बहुआयामी है। अपने नागरिकों की सुरक्षा और संप्रभुता सुनिश्चित करना इजरायल की सर्वोच्च प्राथमिकता है। यह संघर्षों के प्रभावों को रोकने के लिए क्षेत्रीय स्थिरता भी चाहता है। इजरायल का अमेरिका के साथ एक मजबूत रणनीतिक गठबंधन है। सैन्य सहायता, खुफिया सहयोग और कूटनीतिक समर्थन। हालांकि यह खुलकर सार्वजनिक नहीं है, लेकिन ईरान के प्रभाव का मुकाबला करने से संबंधित साझा हित हैं। ऐतिहासिक तनावों के बावजूद, मिस्र और इजरायल एक शांति संधि बनाए रखते हैं और सुरक्षा मामलों पर सहयोग करते हैं। इजरायल ईरान को उसके परमाणु कार्यक्रम, क्षेत्रीय प्रॉक्सी और इजरायल विरोधी बयानबाजी के कारण एक महत्वपूर्ण खतरे के रूप में देखता है। ईरान द्वारा समर्थित एक उग्रवादी समूह; हिजबुल्लाह इजरायल की सुरक्षा के लिए एक सीधी चुनौती है। इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष अभी भी अनसुलझा है। बस्तियों, सीमाओं और यरुशलम के संबंध में इजरायल की नीतियां विवादास्पद हैं। इजरायल हमास के साथ कई संघर्षों में शामिल रहा है, जो इजरायल के अस्तित्व को कमजोर करना चाहता है। इजरायल ने हाल ही में कई अरब देशों (जैसे, यूएई, बहरीन, मोरक्को) के साथ सामान्यीकरण समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं।

फ़िलिस्तीन

मध्य पूर्व में फिलिस्तीन एक केंद्रीय मुद्दा बना हुआ है। फिलिस्तीन को कई देशों से समर्थन प्राप्त है जो इसके राज्य के दर्जे को मान्यता देते हैं, 193 संयुक्त राष्ट्र सदस्य देशों में से 145 ने फिलिस्तीन को मान्यता दी है। इजरायल मुख्य विरोधी देश बना हुआ है, इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष तनाव और हिंसा का स्रोत बना हुआ है। पूर्वी यरुशलम सहित अपने क्षेत्रों पर नियंत्रण सुनिश्चित करना इसका मुख्य हित है। गाजा युद्ध और अन्य संघर्ष स्थिति की अस्थिरता और कूटनीतिक समाधान की तत्काल आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

ईरान

ईरान व्यापार, ऊर्जा निर्यात और क्षेत्रीय संपर्क के माध्यम से अपने आर्थिक प्रभाव का विस्तार करना चाहता है। हालाँकि, अंतर्राष्ट्रीय प्रतिबंध और क्षेत्रीय तनाव इसकी आर्थिक महत्वाकांक्षाओं के लिए चुनौतियाँ पेश करते हैं। इस क्षेत्र में ईरान के मुख्य विरोधियों में इज़राइल, सऊदी अरब और संयुक्त राज्य अमेरिका शामिल हैं। ईरान उन देशों और समूहों के साथ घनिष्ठ संबंध रखता है जो इसके वैचारिक और रणनीतिक उद्देश्यों को साझा करते हैं, जिनमें सीरिया भी शामिल है, जहाँ यह असद शासन का समर्थन करता है, और इराक, जहाँ इसका कुछ राजनीतिक गुटों पर महत्वपूर्ण प्रभाव है। मध्य पूर्व में ईरान का प्रभाव गैर-राज्य अभिनेताओं, जैसे लेबनान के हिज़्बुल्लाह, फिलिस्तीन के हमास, यमन के हौथिस और इराक में विभिन्न शिया मिलिशिया के लिए इसके समर्थन से आकार लेता है। सहयोगियों के इस नेटवर्क को 2024 में फिर से उभरने की उम्मीद है, जिससे ईरान की शक्ति को प्रोजेक्ट करने और क्षेत्रीय गतिशीलता को आकार देने की क्षमता बढ़ेगी।

सऊदी अरब

सऊदी अरब राष्ट्रीय सुरक्षा और क्षेत्रीय स्थिरता पर ध्यान केंद्रित करते हुए अरब दुनिया में घटनाओं को सक्रिय रूप से आकार दे रहा है। घरेलू स्तर पर, सऊदी अरब अपने समाज और अर्थव्यवस्था को आधुनिक बनाने के लिए सामाजिक और आर्थिक सुधारों को लागू कर रहा है, जिसका लक्ष्य अधिक खुला और विविधतापूर्ण आर्थिक परिदृश्य बनाना है। ईरान एक प्रमुख विरोधी बना हुआ है, जहां छद्म संघर्षों और भिन्न राजनीतिक विचारधाराओं के कारण तनाव बढ़ गया है। राज्य अमेरिका, मिस्र और अन्य खाड़ी सहयोग परिषद (GCC) देशों के साथ मजबूत संबंध बनाए रखता है, और अपने क्षेत्रीय उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए इन संबंधों का लाभ उठाता है।

सीरिया

सीरियाई अर्थव्यवस्था एक दशक से अधिक समय से संघर्ष, बाहरी झटकों और प्रतिबंधों के कारण महत्वपूर्ण चुनौतियों का सामना कर रही है। पुनर्निर्माण और निवेश आकर्षित करने के प्रयास, विशेष रूप से रूस से, सीरिया की रिकवरी के लिए महत्वपूर्ण हैं। यह ईरान के साथ अपने लंबे समय से चले आ रहे गठबंधन को जारी रखता है, ईरानी समर्थित मिलिशिया की मेजबानी करता है और इजरायल के कब्जे वाले गोलान हाइट्स के पास अपनी उपस्थिति बनाए रखता है। गाजा में युद्ध सीरिया पर छाया डालता है, जहाँ हमले और हमले संकट को बढ़ाते हैं। पूर्वी सीरिया में ISIS का फिर से उभरना सुरक्षा के लिए खतरा पैदा करता है, जिससे क्षेत्र को स्थिर करने के प्रयास जटिल हो जाते हैं।

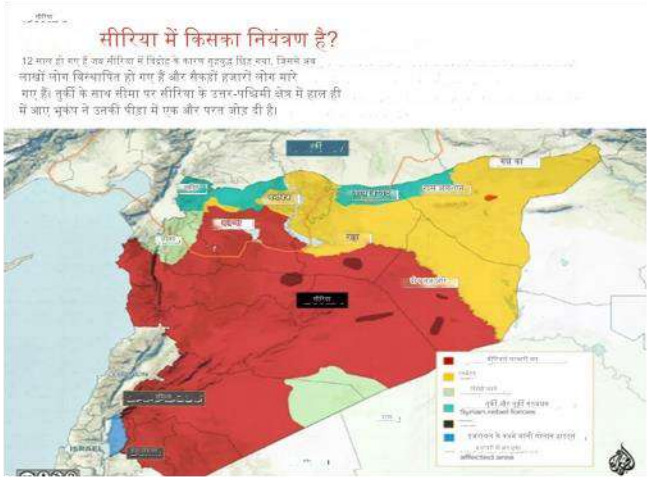

यमन

यमन एक गंभीर मानवीय संकट से जूझ रहा है, जो चल रहे संघर्ष और आर्थिक चुनौतियों से बढ़ गया है। यमन में संकट क्षेत्रीय शक्ति संघर्षों से प्रभावित है, खासकर ईरान और सऊदी अरब के बीच। हौथिस के लिए ईरान का समर्थन और सऊदी के नेतृत्व वाले गठबंधन के सैन्य हस्तक्षेप संघर्ष की प्रॉक्सी प्रकृति को दर्शाते हैं।

अफ़गानिस्तान

2021 में अमेरिकी नेतृत्व वाली सेना की वापसी के बाद, व्यापक मध्य पूर्व में महत्वपूर्ण प्रभाव दिखाने की अफगानिस्तान की क्षमता काफी कम हो गई है। तालिबान की सत्ता में वापसी ने अफगानिस्तान के आतंकवादी समूहों के लिए एक सुरक्षित पनाहगाह बनने के बारे में चिंताएं बढ़ा दी हैं। पड़ोसी देश, विशेष रूप से ईरान और पाकिस्तान, अस्थिरता के संभावित फैलाव से सावधान हैं।

संयुक्त राज्य अमेरिका

ईरानी परमाणु समझौते के साथ उभरती स्थिति और यमन और सीरिया में चल रहे संघर्ष भी अप्रत्यक्ष रूप से इस क्षेत्र में अफगानिस्तान की भूमिका को प्रभावित कर सकते हैं। गाजा पट्टी में इजरायल और हमास के बीच चल रहा युद्ध एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय बना हुआ है। मध्य पूर्व में चीन के बढ़ते प्रभाव का भूत कई संयुक्त राज्य अमेरिका को परेशान करता है। संयुक्त राज्य अमेरिका सऊदी अरब और मिस्र जैसे देशों के साथ मजबूत गठबंधन रखता है, इन संबंधों का लाभ अपने क्षेत्रीय उद्देश्यों को आगे बढ़ाने के लिए उठाता है।

चीन

मध्य पूर्व में चीन का आर्थिक पदचिह्न लगातार बढ़ रहा है, जिसमें ऊर्जा संसाधनों, बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और व्यापार साझेदारी पर ध्यान केंद्रित किया गया है। यह आर्थिक जुड़ाव चीन के व्यापक बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव का हिस्सा है, जो वैश्विक संपर्क को बढ़ाने का प्रयास करता है। तेल आयात सहित आर्थिक सहायता के साथ तेहरान प्रदान करने का चीन का निर्णय, क्षेत्र में अपने रणनीतिक हितों और अमेरिकी प्रभाव को चुनौती देने की इच्छा को दर्शाता है।

रूस

हथियारों के व्यापार और ऊर्जा सहित आर्थिक हित, मध्य पूर्व में रूस की भागीदारी का एक महत्वपूर्ण पहलू बने हुए हैं। रूस अभी भी मध्य पूर्व को अपने हथियार उद्योग के लिए एक आकर्षक बाजार के रूप में देखता है। रूस का लक्ष्य खुद को शांति के दूत के रूप में पेश करना भी है। अपने सैन्य-औद्योगिक परिसर पर प्रतिबंधों सहित चुनौतियों के बावजूद, रूस मध्य पूर्व में एक सैन्य उपस्थिति बनाए रखता है। यह उपस्थिति सीरिया में विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जहां रूस असद शासन का समर्थन करता है। यूक्रेन में चल रहे युद्ध ने अमेरिका और यूरोप के साथ संबंधों को तनावपूर्ण बना दिया है। मध्य पूर्व पश्चिमी प्रभाव का मुकाबला करने के लिए रूस के लिए एक महत्वपूर्ण चरण बन जाता है।

अरब इजरायल संघर्ष

इजरायल फिलिस्तीन संघर्ष दुनिया में सबसे पुराने और लगातार संघर्षों में से एक है। समय-समय पर, स्थिति घातक ऊंचाइयों तक बढ़ जाती है जिससे क्षेत्र में मौतें और विनाश होता है।

संघर्ष का इतिहास

1. 1917 तक

इज़राइल के अधिकांश प्राचीन इतिहास हिब्रू बाइबिल से लिए गए हैं। इज़राइल का पता बाइबिल के व्यक्ति अब्राहम से लगाया जा सकता है, जिसे यहूदी धर्म का पिता माना जाता है। माना जाता है कि अब्राहम के वंशज मिस्र के लोगों द्वारा कनान (लगभग आधुनिक इस्राएल में) में सैकड़ों वर्षों तक गुलाम थे।

- लगभग 1000 ईसा पूर्व: किंग डेविड ने इस क्षेत्र पर शासन किया। उनके बेटे, सुलैमान ने 957 ईसा पूर्व के आसपास प्राचीन यरूशलेम में पहला मंदिर (सुलैमान का मंदिर) बनाया।
- 9 वीं शताब्दी ईसा पूर्व: प्राचीन इस्राएली इस क्षेत्र में राज्य स्थापित करते हैं जिसे इज़राइल और यहूदा के नाम से जाना जाता है।
- 6 वीं शताब्दी ईसा पूर्व: बेबीलोन की विजय यरूशलेम में पहले मंदिर के विनाश की ओर ले जाती है।
- 4 वीं शताब्दी ईसा पूर्व: सिकंदर महान ने इस क्षेत्र पर विजय प्राप्त की, जो हेलेनिस्टिक शासन की शुरुआत को चिह्नित करता है।
- पहली शताब्दी ईसा पूर्व: रोमन साम्राज्य ने यहूदिया पर कब्जा कर लिया, जिससे यहूदी-रोमन युद्ध हुए।
- पहली शताब्दी सीई: रोमनों द्वारा यरूशलेम में दूसरे मंदिर का विनाश।
- 7 वीं शताब्दी सीई: अरब-मुस्लिम विजय इस क्षेत्र में इस्लाम लाती है।
- 11 वीं शताब्दी सीई: यरूशलेम का नियंत्रण ईसाइयों और मुसलमानों के बीच हाथ बदल गया।

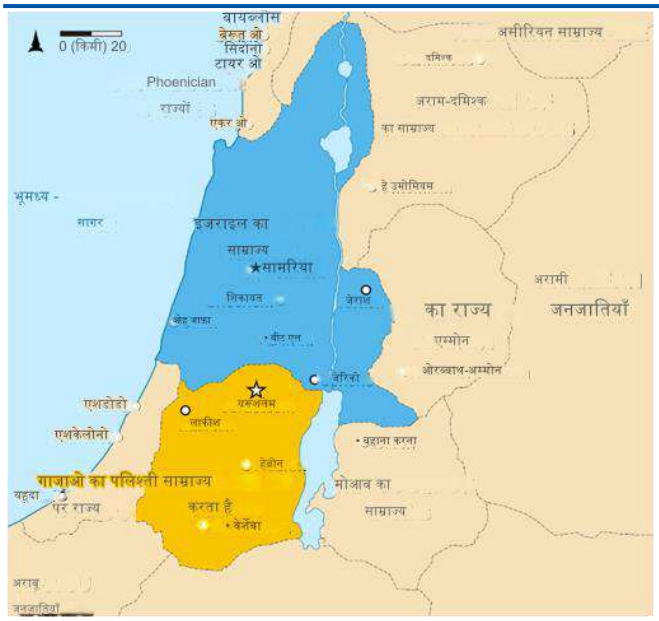

- 16 वीं शताब्दी ई: तुर्क साम्राज्य ने इस क्षेत्र पर नियंत्रण हासिल किया।
- 19 वीं शताब्दी के अंत में: ज़ायोनीवाद का उदय, फिलिस्तीन में एक यहूदी मातृभूमि की स्थापना की वकालत करने वाला एक आंदोलन।
- 1917: ब्रिटिश सरकार द्वारा जारी बालफोर घोषणा ने फिलिस्तीन में "यहूदी लोगों के लिए राष्ट्रीय घर" की स्थापना के लिए समर्थन व्यक्त किया था.

2. 1917 - 2023 (7 अक्टूबर)

3. 2023 (7 अक्टूबर) - वर्तमान

- इज़राइल-हमास युद्ध 7 अक्टूबर 2023 को शुरू हुआ जब हमास ने गाजा पट्टी से इज़राइल पर एक अभूतपूर्व बहुआयामी और निरंतर हमला किया।
- **इस 2023 इज़राइल-हमास युद्ध को 5 चरणों में विभाजित किया जा सकता है:**

1. प्रारंभिक हमले (7 अक्टूबर - 27 अक्टूबर 2023)

- हमास का आश्चर्यजनक आक्रमण: 7 अक्टूबर को हमास ने इज़राइल पर बड़े पैमाने पर समन्वित हमला किया, जिसमें रॉकेट बैराज, जमीनी घुसपैठ और सुरंगों एवं समुद्र के माध्यम से घुसपैठ शामिल थी। हमले के परिणामस्वरूप दक्षिणी इज़राइल में महत्वपूर्ण हताहत और क्षति हुई।
- इजरायल का प्रतिशोध: जवाब में, इजरायल ने गाजा पर व्यापक हवाई हमले किए, हमास के बुनियादी ढांचे, हथियार डिपो और कमांड सेंटरों को निशाना बनाया।

2. गाजा पट्टी पर आक्रमण (28 अक्टूबर - 23 नवंबर 2023)

- जमीनी आक्रामक: वर्ष 28 वर्ष को इज़राइल ने गाजा पट्टी पर ज़मीनी आक्रमण शुरू किया, पैदल सेना, टैंक और तोपखाने तैनात किए। ऑपरेशन का उद्देश्य हमास

की सैन्य क्षमताओं को खत्म करना और गाजा के भीतर प्रमुख क्षेत्रों को सुरक्षित करना था।

- शहरी युद्ध और हताहत: आक्रमण के कारण तीव्र शहरी युद्ध हुआ, जिसके परिणामस्वरूप दोनों पक्षों में उच्च हताहत हुए। गाजा में नागरिक बुनियादी ढांचा भारी प्रभावित हुआ, जिससे मानवीय संकट बढ़ गया।

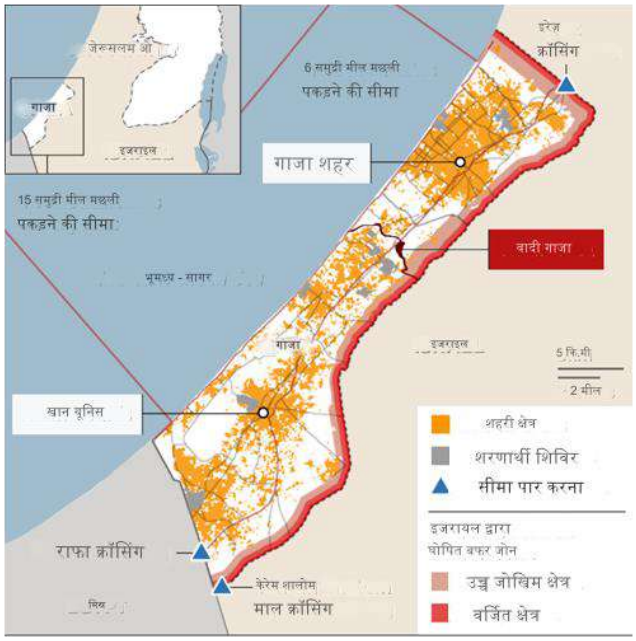

3. पहला युद्धविराम (24 नवंबर 2023 - 11 जनवरी 2024)

- मानवीय विराम: 24 नवंबर से शुरू होने वाला युद्धविराम गाजा तक मानवीय सहायता पहुंचाने के लिए किया गया था। इससे घायल नागरिकों को निकालने और आवश्यक आपूर्ति पहुंचाने में मदद मिली।
- राजनयिक प्रयास: युद्धविराम के दौरान, मिस्र और संयुक्त राष्ट्र सहित अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थों ने दीर्घकालिक संघर्ष विराम पर बातचीत करने और इज़राइल और हमास के बीच अंतर्निहित मुद्दों को संबोधित करने के प्रयास तेज कर दिए।

- हमास एक इस्लामी आतंकवादी समूह है जो 1980 के दशक के अंत में मुस्लिम ब्रदरहुड की फिलिस्तीनी शाखा से अलग हुआ था। 2006 में चुनावों में अपने प्रतिद्वंद्वी राजनीतिक दल फतह को हराने के बाद इसने गाजा पट्टी पर कब्ज़ा कर लिया।
- संयुक्त राज्य अमेरिका और यूरोपीय संघ सहित सरकारों ने इज़राइल के खिलाफ हमलों के लिए हमास को एक आतंकवादी संगठन नामित किया है, जिसमें आत्मघाती बम विस्फोट और रॉकेट हमले शामिल हैं।
- अक्टूबर 2023 में देश के दक्षिण में अप्रत्याशित हमले के बाद इज़राइल ने हमास पर युद्ध की घोषणा की है, जो इज़राइली इतिहास का सबसे घातक हमला है।

4. यमन हवाई हमले (12 जनवरी 2024 – 6 मई 2024)

- हौथी भागीदारी: 12 जनवरी को, इज़राइल ने हौथी विद्रोहियों को निशाना बनाते हुए यमन में हवाई हमले शुरू किए, जिन्होंने हमास के समर्थन में इज़राइल की ओर मिसाइलें और ड्रोन लॉन्च किए थे। इन हमलों का उद्देश्य हौथी मिसाइल क्षमताओं को बाधित करना था।
- क्षेत्रीय वृद्धि: हवाई हमलों ने गाजा से परे संघर्ष का विस्तार किया, विभिन्न क्षेत्रीय अभिनेताओं ने निंदा की और चिंता व्यक्त की, जिससे इज़राइल-हमास संघर्ष के व्यापक भू-राजनीतिक निहितार्थ उजागर हुए।

5. राफा आक्रामक (7 मई 2024 - वर्तमान)

- रणनीतिक अभियान: 7 मई को, इज़राइल ने गाजा की दक्षिणी सीमा को सुरक्षित करने और हथियारों और आपूर्ति के लिए हमास द्वारा इस्तेमाल किए जाने वाले तस्करी मार्गों को बंद करने के लिए राफा आक्रमण शुरू किया। हमले में सुरंगों और आपूर्ति लाइनों को निशाना बनाया गया।
- निरंतर संघर्ष: आक्रामक हमले के कारण रफ़ा क्षेत्र में महत्वपूर्ण सैन्य व्यस्तताओं और लगातार हवाई हमलों के साथ झड़पें जारी हैं। नए सिरे से युद्धविराम प्रयासों की मांग के साथ मानवीय स्थिति गंभीर बनी हुई है।

संघर्ष के निहितार्थ

- आर्थिक व्यवधान: युद्ध ने पहले से ही कमज़ोर वैश्विक अर्थव्यवस्था में नई अनिश्चितताएँ पैदा कर दी हैं।
- शक्ति गतिशीलता में बदलाव: संघर्ष का शक्ति संतुलन और वैश्विक शांति पर प्रभाव पड़ता है।
- तनावपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय संबंध: मध्यस्थता और संकट को हल करने के प्रयासों ने राजनयिक संबंधों पर दबाव डाला है।
- संकट गहनता: संघर्ष ने मानवीय सहायता और अंतर्राष्ट्रीय समर्थन की आवश्यकता को बढ़ा दिया है।
- क्षेत्रीय अस्थिरता: युद्ध ने पूरे क्षेत्र के लिये खतरों को बढ़ा दिया है, जिसके संभावित वैश्विक प्रभाव भी हैं।

अब तक किए गए प्रयास

- ओस्लो समझौता: 1993 में अमेरिका द्वारा समर्थित ओस्लो समझौता, इजरायल-फिलिस्तीनी शांति प्रयासों में एक महत्वपूर्ण उपलब्धि थी, हालांकि तब से शांति प्रक्रिया रुकी हुई है।
- दो-राज्य समाधान: संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद सहित अंतर्राष्ट्रीय समुदाय ने संघर्ष को चलाने वाले मुख्य मुद्दों को हल करने के लिये दो-राज्य समाधान को लागू करने की आवश्यकता पर बल दिया है।
- संयुक्त राष्ट्र: संयुक्त राष्ट्र, सुरक्षा परिषद और संयुक्त राष्ट्र महासभा सहित अपनी विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से इस्रायल-पॅलेस्टाईन संघर्ष को हल करने के प्रयासों में संयुक्त राष्ट्र सक्रिय रूप से शामिल रहा है।
- अरब शांति पहल: यह पहल, पहली बार 2002 में सऊदी अरब द्वारा प्रस्तावित और बाद में अरब लीग द्वारा समर्थित है, जो कब्जे वाले क्षेत्रों से पूर्ण वापसी और फिलिस्तीनी शरणार्थी मुद्दे के उचित समाधान के बदले में अरब राज्यों के साथ इजरायल के सामान्य संबंधों की पेशकश करती है।
- अब्राहम समझौता: अब्राहम समझौते पर वर्ष 2020 में इज़रायल, संयुक्त अरब अमीरात और बहरीन के बीच हस्ताक्षर किये गए थे और इसकी मध्यस्थता अमेरिका द्वारा की गई थी।

आगे की राह

- द्वि-राष्ट्र समाधान: क्षेत्र की दीर्घकालिक सुरक्षा, शांति और स्थिरता के लिये आगे बढ़ने का एकमात्र व्यावहारिक मार्ग द्वि-राष्ट्र समाधान है।
    - यह इजरायल के साथ एक स्वतंत्र फिलिस्तीनी राज्य की स्थापना से प्राप्त किया जाएगा।
    - सिद्धांत रूप में, यह इजरायल की सुरक्षा की गारंटी देगा, इसे अपनी बहुसंख्यक-यहूदी आबादी को बनाए रखने में सक्षम करेगा, और फिलिस्तीनियों को अपना राज्य प्रदान करेगा।
- मध्य पूर्व के लिये दीर्घकालिक विजन: क्षेत्रीय शक्तियाँ इस क्षेत्र के लिये एक संपूर्ण सुरक्षा ढाँचा बनाने में सहयोग कर सकती हैं जिसमें हथियार नियंत्रण पर समझौते, विश्वास को बढ़ावा देने के उपाय और विवादों को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने की प्रक्रियाएँ शामिल हैं।
- शांति के लिये रोड मैप: यूरोपीय संघ, संयुक्त राष्ट्र, अमेरिका और रूस ने वर्ष 2003 में एक रोड मैप जारी किया था, जिसमें एक फिलिस्तीनी राज्य की ओर एक स्पष्ट समय सारिणी की रूपरेखा तैयार की गई थी।
- फिलिस्तीनी समाज का लोकतंत्रीकरण जिसके माध्यम से नया विश्वसनीय नेतृत्व उभर सकता है, आवश्यक है।

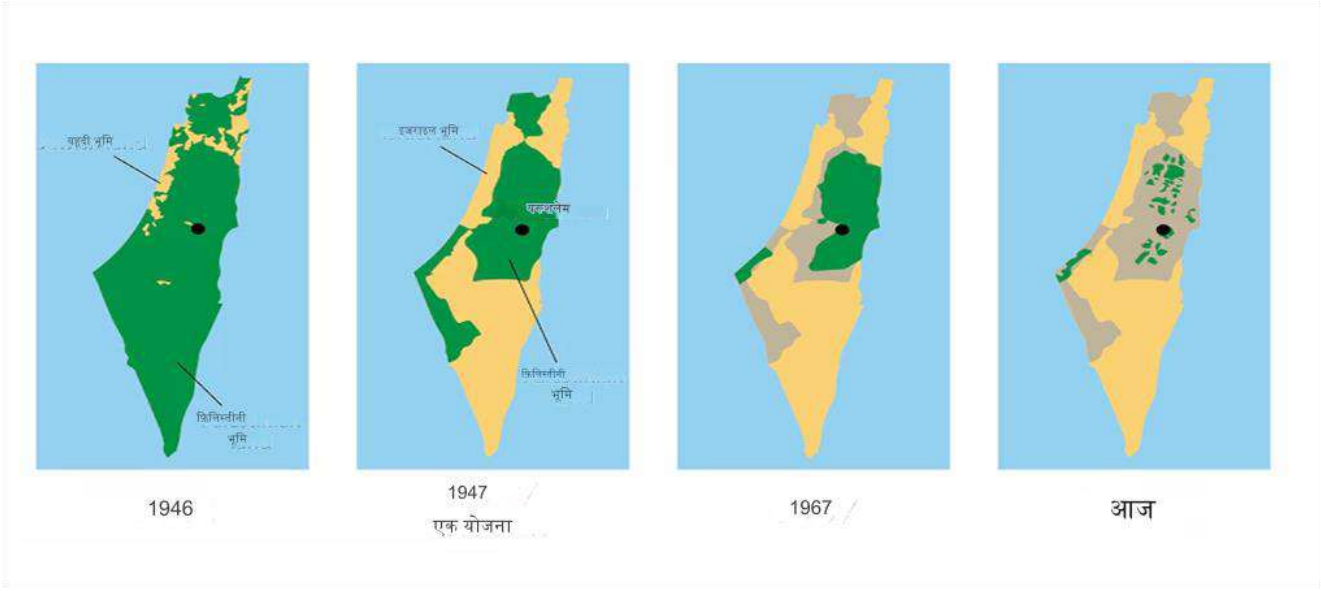

ईरानी कसौटी

हाल के वर्षों में, ईरान ने खुद को बहुमुखी चुनौतियों से भरे एक अनिश्चित रास्ते पर चलते हुए पाया है जो कई मोर्चों पर उसके लचीलेपन का परीक्षण करता है। राष्ट्र के संघर्ष को गंभीर आर्थिक प्रतिबंधों, एक लगातार वैश्विक महामारी, व्यापक सामाजिक अशांति और बढ़ते भू-राजनीतिक तनावों के संगम की विशेषता है।

ईरान और उसके मुद्दे

- अमेरिकी प्रतिबंध और आर्थिक प्रभाव: वर्ष 2018 में संयुक्त राज्य अमेरिका संयुक्त व्यापक कार्य योजना (JCPOA) से हट गया और ईरान पर कड़े आर्थिक प्रतिबंध लगा दिए, जिससे उसके तेल निर्यात और अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पड़ा।
- कोविड-19 महामारी: ईरान मध्य पूर्व में कोविड-19 महामारी से सबसे बुरी तरह प्रभावित देशों में से एक था, जिसमें संक्रमण और मौतों की संख्या अधिक थी, जिसने इसकी स्वास्थ्य सेवा प्रणाली पर अत्यधिक दबाव डाला।
- जनरल सुलेमानी की मृत्यु: वर्ष 2020 में ईरानी जनरल कासिम सुलेमानी को मारने वाले अमेरिकी ड्रोन हमले ने क्षेत्रीय तनाव को बढ़ा दिया और संभावित सैन्य संघर्ष के बारे में चिंता जताई।
- मानवाधिकार संबंधी चिंताएँ: ईरानी सरकार को राजनीतिक असंतोष के दमन, मनमानी गिरफ्तारी और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर प्रतिबंधों के लिये आलोचना का सामना करना पड़ा है। कार्यकर्ता लैंगिक असमानता, अनिवार्य हिजाब कानून और जातीय और धार्मिक अल्पसंख्यकों के उपचार जैसे मुद्दों को उजागर करना जारी रखते हैं।
- क्षेत्रीय गठबंधन और छद्म संघर्ष: संघर्ष ने इजरायल का विरोध करने वाले समूहों और देशों के साथ ईरान के गठजोड़ को मज़बूत कर दिया है, जैसे लेबनान में हिज़्बुल्लाह और सीरिया में असद शासन, क्षेत्रीय छद्म युद्धों में अपनी स्थिति को और मजबूत कर रहे हैं।

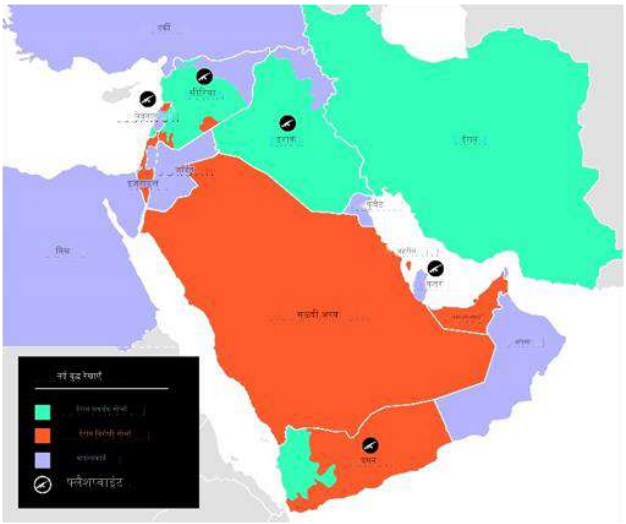

- परमाणु संवर्धन: JCPOA से अमेरिका की वापसी के बाद ईरान ने अपनी परमाणु संवर्धन गतिविधियों को फिर से शुरू और तेज़ कर दिया, जिससे अंतर्राष्ट्रीय समुदाय के साथ चिंताएँ और तनाव बढ़ गया।
- भू-राजनीतिक गतिशीलता: ईरान ने ऐतिहासिक रूप से हमास और अन्य फिलिस्तीनी समूहों का समर्थन किया है, वित्तीय और सैन्य सहायता प्रदान की है। हाल ही में इजरायल-हमास युद्ध ने क्षेत्रीय संघर्ष में ईरान की भूमिका को और उजागर किया है।

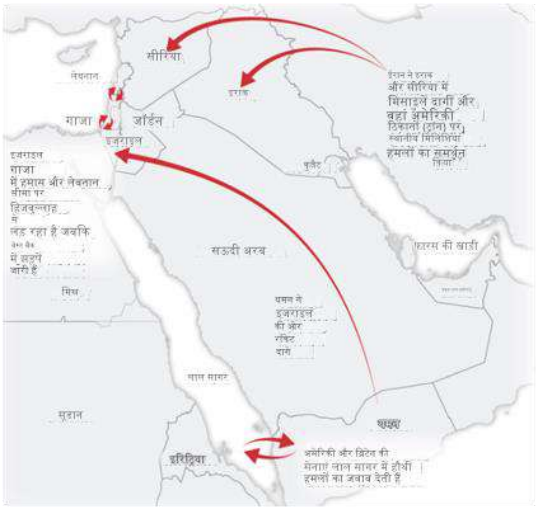

- नेतृत्व संकट: वर्ष 2024 में राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी की अप्रत्याशित मृत्यु ने ईरानी सरकार के भीतर राजनीतिक अनिश्चितता और संभावित अस्थिरता पैदा कर दी है। उत्तराधिकार प्रक्रिया और घरेलू और विदेश नीति पर इसका प्रभाव महत्वपूर्ण मुद्दे बने हुए हैं।

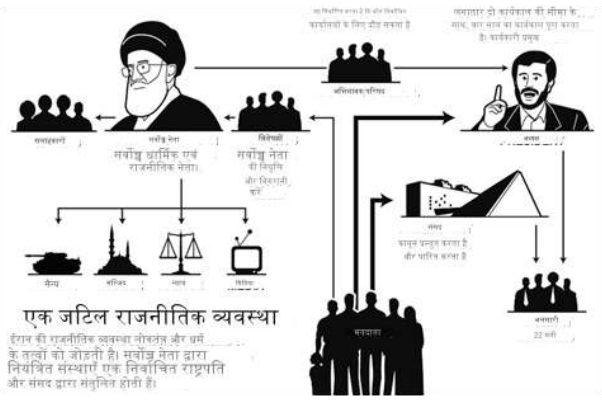

ईरान मध्य पूर्व में अधिक प्रभाव क्यों चाहता है?

- सामरिक स्थिति: ईरान की भौगोलिक स्थिति होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे प्रमुख जलमार्गों तक पहुँच प्रदान करती है, जिसके माध्यम से दुनिया की तेल आपूर्ति का एक महत्त्वपूर्ण हिस्सा गुजरता है।
- ऐतिहासिक और सांस्कृतिक प्रभाव: ईरान इस क्षेत्र में अपने ऐतिहासिक फ़ारसी प्रभाव और सांस्कृतिक संबंधों को पुनर्जीवित करना चाहता है।
- वैचारिक विस्तार: ईरान का उद्देश्य अपनी शिया इस्लामी विचारधारा का प्रसार करना और सुन्नी बहुल देशों में शिया समुदायों का समर्थन करना है।
- क्षेत्रीय सुरक्षा: ईरान का उद्देश्य पड़ोसी देशों और बाहरी शक्तियों, विशेष रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका और उसके सहयोगियों के प्रभाव से कथित खतरों का मुकाबला करना है।
- आर्थिक हित: क्षेत्र में प्रभाव हासिल करने से ईरान को रणनीतिक साझेदारी और संसाधनों तक पहुँच के माध्यम से अपनी अर्थव्यवस्था को मज़बूत करने में मदद मिल सकती है।
- राजनीतिक उत्तोलन: अधिक प्रभाव प्राप्त करने से क्षेत्रीय और अंतर्राष्ट्रीय वार्ताओं में ईरान का राजनीतिक लाभ बढ़ता है।

प्रमुख राष्ट्रों के साथ संबंध

इज़राइल: ईरान और इजराइल कट्टर विरोधी हैं, ईरान इजराइल के अस्तित्व का विरोध करता है और हिजबुल्लाह जैसे इजराइल विरोधी समूहों का समर्थन करता है। शत्रुता वैचारिक मतभेदों और भूराजनीतिक प्रतिद्वंद्विता में निहित है, ईरान इज़राइल को अपनी क्षेत्रीय महत्वाकांक्षाओं और सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा मानता है।

सऊदी अरब: ईरान और सऊदी अरब क्षेत्रीय प्रतिद्वंद्वी हैं, जो क्रमशः इस्लाम की शिया और सुन्नी शाखाओं का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनकी प्रतिद्वंद्विता यमन, सीरिया और इराक में छद्म संघर्षों में प्रकट होती है। क्षेत्रीय प्रभुत्व के लिए प्रतिस्पर्धा धार्मिक मतभेदों, राजनीतिक प्रभाव और आर्थिक हितों से प्रेरित है, विशेष रूप से ऊर्जा क्षेत्र में।

संयुक्त राज्य अमेरिका: 1979 की ईरानी क्रांति के बाद से ईरान और संयुक्त राज्य अमेरिका के बीच संबंध शत्रुतापूर्ण रहे हैं। अमेरिका ईरान की परमाणु महत्वाकांक्षाओं और आतंकवादी समूहों के समर्थन को महत्वपूर्ण खतरों के रूप में देखता है। प्रतिबंधों और राजनयिक तनावों ने समय-समय पर बातचीत के साथ उनकी बातचीत की विशेषता बताई है, जैसे कि 2015 परमाणु समझौता, तालमेल की संक्षिप्त अवधि की पेशकश करता है।

तेल और अर्थशास्त्र

मध्य पूर्व, विशेष रूप से फारस की खाड़ी क्षेत्र, वैश्विक तेल बाजार की आधारशिला बनी हुई है। तेल निर्भरता और भू-राजनीतिक अस्थिरता जैसी चुनौतियों का सामना करते हुए, उनके पास अपनी अर्थव्यवस्थाओं में विविधता लाने और सतत विकास को गले लगाने के अवसर भी हैं

प्रासंगिकता और तेल निर्यात क्षमता

- सऊदी अरब: दुनिया का सबसे बड़ा तेल निर्यातक, सऊदी अरब महत्वपूर्ण भंडार और उत्पादन क्षमता रखता है। विविधीकरण के प्रयासों के बावजूद, तेल उनकी अर्थव्यवस्था के लिए केंद्र बना हुआ है।
- ईरान: प्रतिबंधों ने ईरानी तेल निर्यात में बाधा उत्पन्न की है, लेकिन एक संभावित सौदा महत्वपूर्ण भंडार और निर्यात क्षमता को खोल सकता है।
- इराक: इराक में विशाल तेल भंडार हैं और उत्पादन में तेजी ला रहा है, जिसका लक्ष्य फिर से एक प्रमुख निर्यातक बनना है।
- संयुक्त अरब अमीरात (यूएई): संयुक्त अरब अमीरात, विशेष रूप से अबू धाबी, एक प्रमुख तेल उत्पादक और रिफाइनर है, जिसमें गैसोलीन जैसे डाउनस्ट्रीम तेल उत्पादों पर ध्यान केंद्रित किया गया है।
- कुवैत: एक छोटा उत्पादक लेकिन महत्वपूर्ण भंडार के साथ, कुवैत अपने तेल उत्पादन स्तर को बनाए रखना चाहता है।

आज की चुनौतियां

- जलवायु परिवर्तन: नवीकरणीय ऊर्जा की ओर वैश्विक दबाव तेल की दीर्घकालिक मांग को खतरा पैदा कर सकता है, जिससे क्षेत्र की अर्थव्यवस्थाएँ प्रभावित हो सकती हैं।
- भू-राजनीतिक अस्थिरता: क्षेत्र के भीतर राजनीतिक तनाव और संघर्ष तेल उत्पादन और परिवहन को बाधित कर सकते हैं।
- आर्थिक विविधीकरण: तेल पर अधिक निर्भरता इन अर्थव्यवस्थाओं को कीमतों में उतार-चढ़ाव के प्रति संवेदनशील बनाती है। अन्य क्षेत्रों में विविधीकरण महत्वपूर्ण है।
- तकनीकी प्रगति: इलेक्ट्रिक वाहनों जैसे क्षेत्रों में तकनीकी प्रगति तेल की मांग को और कम कर सकती है।

अवसर

- तेल की बढ़ती कीमतें: मौजूदा भू-राजनीतिक स्थिति ने तेल की कीमतों को अधिक बढ़ा दिया है, जो तेल उत्पादकों के लिये तत्काल आर्थिक अवसर पेश करता है।
- नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश: इस क्षेत्र में विशाल सौर और पवन क्षमता है। नवीकरणीय ऊर्जा में निवेश अर्थव्यवस्थाओं में विविधता ला सकता है और भविष्य के लिए तैयार हो सकता है।
- एलएनजी निर्यात: तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) एक बढ़ता हुआ ऊर्जा स्रोत है। मध्य पूर्वी राष्ट्र एलएनजी निर्यात सुविधाओं को विकसित करके अपने गैस भंडार पर पूंजीकरण कर सकते हैं।
- ज्ञान अर्थव्यवस्था: शिक्षा और प्रौद्योगिकी में निवेश से ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्थाओं को स्थापित करने में मदद मिल सकती है, जिससे तेल पर निर्भरता कम हो सकती है।

आगे की राह

- विविधीकरण में निवेश: मध्य पूर्वी देशों को पर्यटन, प्रौद्योगिकी और विनिर्माण जैसे गैर-तेल क्षेत्रों में निवेश को प्राथमिकता देने की आवश्यकता है।
- भू-राजनीतिक सहयोग: क्षेत्रीय सहयोग स्थिरता सुनिश्चित कर सकता है और पाइपलाइनों जैसी संयुक्त अवसंरचना परियोजनाओं को सुविधाजनक बना सकता है।
- सतत् विकास: तेल उत्पादन में सतत् प्रथाओं को अपनाना और कार्बन कैप्चर प्रौद्योगिकियों की खोज करना आवश्यक है।
- मानव पूंजी विकास: शिक्षा और प्रशिक्षण में निवेश एक विविध भविष्य के लिए एक कुशल कार्यबल तैयार करेगा।

भारत और मध्य पूर्व

भारत और मध्य पूर्व के बीच एक लंबा और जटिल संबंध है जो राजनीति, अर्थशास्त्र, संस्कृति और सुरक्षा जैसे विभिन्न डोमेन में फैला हुआ है। मध्य पूर्व के साथ संबंध भारत के लिए महत्वपूर्ण हैं क्योंकि मध्य पूर्व एक रणनीतिक क्षेत्र है जिसका भू-राजनीतिक और भू-आर्थिक महत्व दोनों हैं।

भारत के लिये मध्य पूर्व का महत्त्व

- भू-राजनीतिक महत्त्व: मध्य पूर्व एक महत्त्वपूर्ण जंक्शन के रूप में कार्य करता है, जो एशिया, यूरोप और अफ्रीका को जोड़ता है, जिससे प्रमुख वैश्विक व्यापार मार्गों को नियंत्रित किया जाता है।
- सांस्कृतिक और धार्मिक महत्त्व: "मानव सभ्यताओं का पालना" के रूप में माना जाने वाला मध्य पूर्व इस्लाम, ईसाई और यहूदी धर्म जैसे प्रमुख धर्मों का जन्मस्थान है, जो इसे दुनिया भर में सांस्कृतिक और धार्मिक महत्व देता है।
- संवेदनशील क्षेत्र: इस क्षेत्र का विविध धार्मिक परिदृश्य इसे अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में एक संवेदनशील क्षेत्र बनाता है, जिसमें धार्मिक तनाव भू-राजनीतिक गतिशीलता को प्रभावित करते हैं।
- आर्थिक महत्त्व: मध्य पूर्व भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिये महत्त्वपूर्ण है, जो तेल और प्राकृतिक गैस आयात का एक प्रमुख स्रोत है। आईएमईसी कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने में नवीनतम विकास है।

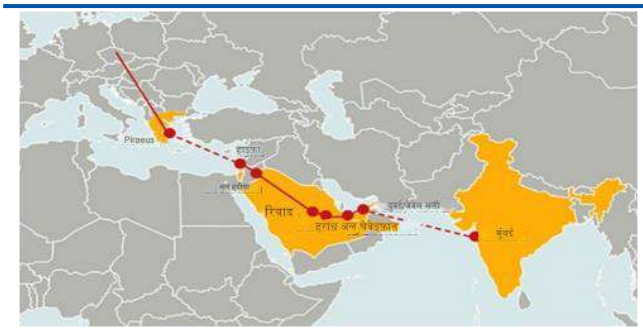

- पाकिस्तान के प्रभाव का प्रतिकार: भारत क्षेत्रीय देशों के साथ रणनीतिक गठजोड़ और साझेदारी को बढ़ावा देकर मध्य पूर्व में पाकिस्तान के प्रभाव का मुकाबला करने का प्रयास करता है।
- डायस्पोरा और प्रेषण: एक बड़ा भारतीय डायस्पोरा मध्य पूर्वी देशों में रहता है और काम करता है, जो भारत में प्रेषण में महत्वपूर्ण योगदान देता है।
- प्राकृतिक गैस और तेल: भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए आवश्यक प्राकृतिक गैस और कच्चे तेल के आयात के लिए मध्य पूर्व, विशेष रूप से फारस की खाड़ी पर बहुत अधिक निर्भर करता है।
- रक्षा सहयोग: भारत ने ओमान और संयुक्त अरब अमीरात जैसे देशों के साथ रक्षा सहयोग समझौते स्थापित किए हैं, जो ओमान में पोर्ट डुकम तक पहुँच जैसी पहल के माध्यम से हिंद महासागर क्षेत्र (IOR) में अपनी समुद्री सुरक्षा को बढ़ाते हैं।

भारत और मध्य पूर्व के बीच चुनौतियां

भू-राजनीतिक तनाव

- क्षेत्रीय संघर्ष: मध्य पूर्व में लगातार संघर्ष, जैसे कि इज़रायल-फिलिस्तीन संघर्ष और यमनी गृहयुद्ध, शामिल पक्षों के साथ संतुलित राजनयिक संबंध बनाए रखने के भारत के प्रयासों के लिये चुनौतियाँ पेश करते हैं।
- छद्म युद्ध: क्षेत्रीय संघर्षों में बाहरी शक्तियों की भागीदारी, जिसके परिणामस्वरूप छद्म युद्ध होता है, इस क्षेत्र में भारत की विदेश नीति के लिये जटिलताएँ पैदा करता है, जिसके लिये अपने हितों की रक्षा के लिये सावधानीपूर्वक नेविगेशन की आवश्यकता होती है।
- भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता: सऊदी अरब और ईरान जैसी क्षेत्रीय शक्तियों के बीच बढ़ता तनाव, भू-राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता को बढ़ाता है, दोनों देशों के साथ भारत के संबंधों को प्रभावित करता है और वृद्धि को रोकने के लिये नाजुक कूटनीति की आवश्यकता होती है।

ऊर्जा सुरक्षा

- तेल आयात पर निर्भरता: अपनी ऊर्जा ज़रूरतों के लिये मध्य पूर्वी तेल आयात पर भारत की भारी निर्भरता वैश्विक तेल की कीमतों में उतार-चढ़ाव और क्षेत्रीय संघर्षों या भू-राजनीतिक तनावों के कारण आपूर्ति में व्यवधान से उत्पन्न कमजोरियों को उजागर करती है।
- विविधीकरण चुनौतियाँ: मध्य पूर्व में जीवाश्म ईंधन के प्रभुत्व और क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा अपनाने में सीमित प्रगति के कारण ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने और तेल पर निर्भरता को कम करने के प्रयासों को चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।

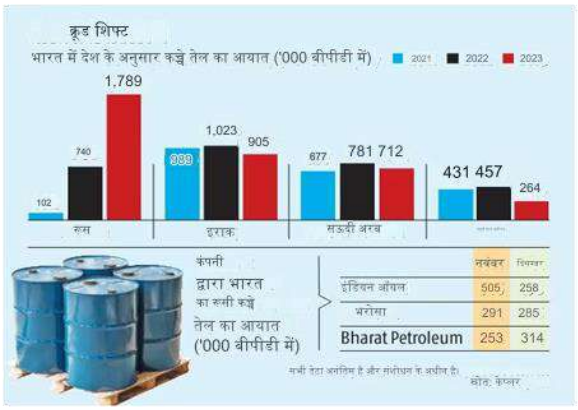

सुरक्षा चिंताएं

- आतंकवाद और उग्रवाद: कुछ मध्य पूर्वी देशों में आतंकवादी संगठनों और चरमपंथी विचारधाराओं की उपस्थिति भारत और व्यापक क्षेत्र के लिये सुरक्षा खतरा है, जिससे आतंकवाद विरोधी प्रयासों में सहयोग बढ़ाने की आवश्यकता है।
- समुद्री सुरक्षा: अरब सागर और फारस की खाड़ी क्षेत्र में समुद्री डकैती और तस्करी सहित बढ़ते समुद्री सुरक्षा खतरों के लिये महत्त्वपूर्ण समुद्री मार्गों और समुद्री हितों की रक्षा के लिये भारत और मध्य पूर्वी देशों के बीच समन्वित प्रयासों की आवश्यकता है।

कूटनीतिक दुविधाएं

- संतुलन अधिनियम: भारत को मध्य पूर्वी देशों के साथ संतुलित राजनयिक संबंध बनाए रखने में चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, इस क्षेत्र की जटिल भू-राजनीतिक गतिशीलता, विविध धार्मिक संबद्धता और प्रतिस्पर्धी हितों को देखते हुए।
- रणनीतिक गठबंधन: मध्य पूर्वी देशों के बीच रणनीतिक गठजोड़ और साझेदारी के लिये भारत को आकर्षित

करने की प्रतिस्पर्द्धा भारतीय कूटनीति के लिये दुविधाएँ पैदा करती है, जिसमें राष्ट्रीय हितों के लिये लाभों और जोखिमों के सावधानीपूर्वक मूल्यांकन की आवश्यकता होती है।

आर्थिक अनिश्चितताएं

- व्यापार में व्यवधान: मध्य पूर्व में राजनीतिक अस्थिरता और संघर्ष भारत और क्षेत्र के बीच व्यापार और आर्थिक संबंधों को बाधित कर सकते हैं, जिससे द्विपक्षीय व्यापार की मात्रा, निवेश प्रवाह और आर्थिक सहयोग की पहल प्रभावित हो सकती है।
- प्रेषण में उतार-चढ़ाव: मध्य पूर्वी देशों में कोई भी प्रतिकूल आर्थिक घटनाक्रम, जैसे आर्थिक मंदी या श्रम बाजार सुधार, इस क्षेत्र में काम कर रहे भारतीय प्रवासियों से प्रेषण के प्रवाह को प्रभावित कर सकते हैं, जिससे भारत में घरेलू आय और उपभोग पैटर्न प्रभावित हो सकते हैं।

आगे की राह

राजनयिक जुड़ाव

- मध्य पूर्व में संघर्षों के शांतिपूर्ण समाधान को प्रोत्साहित करने के लिए बहुपक्षीय कूटनीति प्रयासों को मजबूत करना, तनाव को कम करने के लिए बातचीत और वार्ता की वकालत करना।
- भारत के तटस्थ और गुटनिरपेक्ष रुख का लाभ उठाते हुए परस्पर विरोधी दलों के बीच संचार को सुविधाजनक बनाने और मतभेदों को पाटने के लिए शटल कूटनीति और ट्रैक-टू कूटनीति में संलग्न होना।

सुरक्षा सहयोग

- आतंकवाद और उग्रवाद का मुकाबला करने के लिए मध्य पूर्वी देशों के साथ खुफिया-साझाकरण और समन्वय बढ़ाना, क्षेत्रीय स्थिरता और सुरक्षा में योगदान देना।
- अरब सागर और फारस की खाड़ी क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा सहयोग को मजबूत करना, महत्वपूर्ण समुद्री मार्गों और समुद्री हितों की रक्षा के लिए क्षेत्रीय नौसेनाओं के साथ सहयोग करना।

ऊर्जा विविधीकरण

- भारत के ऊर्जा स्रोतों में विविधता लाने के प्रयासों में तेजी लाना और नवीकरणीय ऊर्जा बुनियादी ढांचे और घरेलू उत्पादन क्षमताओं में निवेश करके मध्य पूर्व के तेल आयात पर निर्भरता को कम करना।
- वैकल्पिक ऊर्जा आपूर्तिकर्ताओं के साथ रणनीतिक साझेदारी करना और पारंपरिक तेल और गैस स्रोतों से परे ऊर्जा सहयोग के लिए नए रास्ते तलाशना।

आर्थिक लचीलापन

- मध्य पूर्व संघर्षों से उत्पन्न जोखिमों के जोखिम को कम करने के लिए व्यापार और निवेश पोर्टफोलियो में विविधता लाएं, विभिन्न क्षेत्रों और क्षेत्रों के साथ आर्थिक संबंधों के विस्तार पर ध्यान केंद्रित करें।
- मध्य पूर्वी देशों के साथ द्विपक्षीय आर्थिक सहयोग तंत्र को मजबूत करना, भू-राजनीतिक अनिश्चितताओं के बीच व्यापार संबंधों में लचीलापन और अनुकूलनशीलता को बढ़ावा देना।

मानवीय सहायता

- मध्य पूर्व के संघर्ष प्रभावित क्षेत्रों में प्रभावित आबादी को मानवीय सहायता और समर्थन प्रदान करना, वैश्विक शांति, स्थिरता और मानवीय मूल्यों के लिए भारत की प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करना।
- संघर्ष क्षेत्रों में सहायता, राहत और पुनर्वास के प्रयास प्रदान करने, मानवीय संकटों को दूर करने और पीड़ा को कम करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय संगठनों और मानवीय एजेंसियों के साथ सहयोग करें।

मुख्य परीक्षा बाई वीकली विस्तार

भारत में साइबर अपराध

भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C) के अनुसार, मई 2024 में प्रति दिन औसतन 7,000 साइबर अपराध की शिकायतें दर्ज की गईं, जो वर्ष 2021-2023 के बीच 113.7% और वर्ष 2022-2023 के बीच 60.9% अधिक है। जनवरी और अप्रैल 2024 के बीच, साइबर आपराधिक गतिविधियों के कारण भारतीयों को 1,750 करोड़ रुपये से अधिक का वित्तीय नुकसान उठाना पड़ा। इस अवधि के दौरान, राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर 740,000 से अधिक साइबर अपराध की शिकायतें दर्ज की गईं।

भारत की भेद्यता

- साइबर सुरक्षा खतरा भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए एक उभरती हुई चिंता है। भारत हाल के दिनों में कई बार साइबर हमलों का शिकार हुआ है:
- 2017: WannaCry और Petya Ransomware
- 2018: आधार सॉफ्टवेयर हैक और लोगों की आधार डिटेल्स ऑनलाइन लीक
- 2021: पेगासस मुद्दा
- लक्षित हमलों (वैश्विक सूचना सुरक्षा रिपोर्ट) के मामले में भारत दूसरे स्थान पर है। इसके अलावा, भारत सिमेंटेक के अनुसार साइबर हमलों के लिए तीसरा सबसे कमजोर देश है।

साइबर अपराध

- व्यक्तियों या व्यक्तियों के समूहों के खिलाफ प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने या इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों से शारीरिक या मानसिक आघात पहुंचाने के लिए किए गए किसी भी अपराध को साइबर अपराध के रूप में परिभाषित किया जा सकता है।

निम्नलिखित प्रकार के साइबर अपराध आईटी अधिनियम 2000 के तहत कवर किए जाते हैं:

- पहचान की चोरी – पहचान की चोरी को वित्तीय सेवाओं का लाभ उठाने या वित्तीय संपत्ति को चोरी करने के लिए किसी व्यक्ति की व्यक्तिगत जानकारी की चोरी के रूप में परिभाषित किया गया है।
- साइबरआतंकवाद – साइबरआतंकवाद किसी व्यक्ति, व्यक्तियों के समूहों या सरकारों के प्रति किसी भी प्रकार का गंभीर नुकसान या जबरन वसूली करने के उद्देश्य से प्रतिबद्ध है।
- साइबरबुलिंग - साइबरबुलिंग इलेक्ट्रॉनिक माध्यमों या सोशल मीडिया जैसे मोड के उपयोग के माध्यम से धमकी, उत्पीड़न, बदनामी या मानसिक गिरावट के किसी अन्य रूप का कार्य है।
- हैकिंग - धोखाधड़ी या अनैतिक साधनों के माध्यम से जानकारी तक पहुंच को हैकिंग के रूप में जाना जाता है। यह साइबर अपराध का सबसे आम रूप है जिसे आम जनता के लिए जाना जाता है।

साइबर अपराधों का प्रभाव

- अखंडता हानि: डेटा या आईटी सिस्टम में अनधिकृत परिवर्तन से अशुद्धि, धोखाधड़ी या गलत निर्णय हो सकते हैं, जिससे सिस्टम की विश्वसनीयता पर संदेह हो सकता है।
- उपलब्धता हानि: एक महत्त्वपूर्ण आईटी प्रणाली पर हमला इसे उपयोगकर्त्ताओं के लिये दुर्गम बना सकता है।
- गोपनीयता की हानि: अनधिकृत सूचना प्रकटीकरण से सार्वजनिक विश्वास में गिरावट से लेकर राष्ट्रीय सुरक्षा के लिये खतरों तक कई परिणाम हो सकते हैं।

- भौतिक विनाश: आईटी सिस्टम का उपयोग वास्तविक शारीरिक क्षति या नुकसान पहुंचाने के लिए किया जा सकता है।
- डेटा पर प्रभाव: साइबर अपराध सूचना की गोपनीयता, अखंडता और उपलब्धता को प्रभावित करते हैं।
- महत्त्वपूर्ण सूचना अवसंरचना पर प्रभाव: ऐसे हमले पूरे देश को अस्त-व्यस्त कर सकते हैं। उदाहरण के लिए, हाल ही में मुंबई की बिजली व्यवस्था पर चीनी हैकरों द्वारा किए गए साइबर हमले ने पूरे शहर के कामकाज को बाधित कर दिया।
- वित्तीय घाटा: डेटा सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया की रिपोर्ट है कि 2016 और 2018 के बीच, भारत साइबर हमलों से दूसरा सबसे प्रभावित देश था।
- राष्ट्रीय सुरक्षा: साइबर अपराध राष्ट्रीय सुरक्षा, शांति और स्थिरता के लिए खतरा हैं।

भारत में वर्तमान साइबर सुरक्षा ढांचा

- राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा नीति, 2013: यह पहला व्यापक दस्तावेज था जिसका उद्देश्य नियामक ढाँचे को बढ़ाते हुए एक सुरक्षित और लचीला साइबरस्पेस पारिस्थितिकी तंत्र बनाना था।
- राष्ट्रीय साइबर सुरक्षा रणनीति 2020: राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय द्वारा विकसित, इस रणनीति का उद्देश्य राष्ट्र की समृद्धि का समर्थन करने के लिए एक सुरक्षित, विश्वसनीय, लचीला और जीवंत साइबर स्पेस सुनिश्चित करना है।
- सूचना प्रौद्योगिकी अधिनियम, 2000: यह अधिनियम इलेक्ट्रॉनिक अनुबंधों को वैधानिक मान्यता प्रदान करता है और अन्य बातों के अलावा इलेक्ट्रॉनिक प्रमाणीकरण, डिजिटल हस्ताक्षर, साइबर अपराध और नेटवर्क सेवा प्रदाताओं की देयता से संबंधित मुद्दों को संबोधित करता है।
- भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र (I4C): गृह मंत्रालय द्वारा 2018-2020 की अवधि के लिए शुरू किया गया, इस केंद्र का उद्देश्य समन्वित और प्रभावी तरीके से साइबर अपराध का मुकाबला करना है।
- इंडियन कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पांस टीम (CERT-In): साइबर सुरक्षा घटनाओं का जवाब देने के लिये राष्ट्रीय एजेंसी के रूप में CERT-In IT अधिनियम, 2000 के प्रावधानों के तहत काम करती है।

साइबर खतरों के खिलाफ भारत की तैयारी में चुनौतियाँ

- साइबर सुरक्षा पेशेवरों की कमी: भारत साइबर सुरक्षा के क्षेत्र में कुशल पेशेवरों की कमी का सामना कर रहा है, जो साइबर खतरों के खिलाफ प्रभावी प्रतिक्रिया को बाधित करता है।
- अप्रचलित प्रणालियाँ और अवसंरचनाएँ: स्वास्थ्य सेवा और सरकार जैसे कई क्षेत्र पुरानी तकनीक और अवसंरचना पर भरोसा करते हैं, जिससे वे साइबर हमलों के लिये प्रमुख लक्ष्य बन जाते हैं।
- अपर्याप्त साइबर सुरक्षा जागरूकता: भारत में बड़ी संख्या में व्यक्ति और संगठन साइबर खतरों से पर्याप्त रूप से अवगत नहीं हैं।
- बढ़ते साइबर अपराध: साइबर अपराधों की बढ़ती आवृत्ति और परिष्कार साइबर सुरक्षा खतरों के लिये तैयार करने और प्रतिक्रिया देने की भारत की क्षमता के लिये काफी चुनौतियाँ पेश करते हैं।
- अपर्याप्त नियामक नीतियाँ: भारत में साइबर सुरक्षा के लिये नियामक ढाँचा खंडित है और उभरते खतरों से प्रभावी ढंग से निपटने के लिये व्यापक नीतियों का अभाव है।
- अंतर्राष्ट्रीय अभिनेताओं से खतरा: भारत अंतर्राष्ट्रीय स्रोतों से साइबर खतरों का सामना कर रहा है, जिसमें राज्य-प्रायोजित हमले और साइबर जासूसी शामिल हैं।

आगे की राह

- प्रत्येक संगठन में मुख्य सूचना सुरक्षा अधिकारी (CISOs) नियुक्त करें।
- साइबर सुरक्षा उपायों को मजबूत करने के लिए विशिष्ट बजट आवंटित करें।
- व्यवसायों को उनकी सूचना अवसंरचना को अद्यतन करने के लिए कर विराम प्रदान करें।
- बिग डेटा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसी साइबर सुरक्षा प्रौद्योगिकियों को आगे बढ़ाने के लिए अनुसंधान और विकास में निवेश करें।

- साइबर सुरक्षा के बारे में शैक्षिक अभियानों के माध्यम से जन जागरूकता बढ़ाएं।
- सख्त नियामक मानकों को लागू करें और सुरक्षा घटनाओं और उल्लंघनों की अधिक लगातार स्व-रिपोर्टिंग को प्रोत्साहित करें।

बिम्सटेक

नेपाल के अनुसमर्थन के बाद बे ऑफ बंगाल इनीशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन (बिम्सटेक) का चार्टर लागू हुआ। नेपाल की संसद ने अप्रैल 2024 के शुरुआती हफ्तों में चार्टर का समर्थन किया, जिसने इस महीने दस्तावेज़ को लागू करने की अनुमति दी। चार्टर बंगाल की खाड़ी के आसपास के सात देशों के बीच सहयोग के लिए एक कानूनी और संस्थागत ढांचा स्थापित करता है।

बिम्सटेक

- बिम्सटेक का पूरा नाम बे ऑफ बंगाल इनिशिएटिव फॉर मल्टी-सेक्टोरल टेक्निकल एंड इकोनॉमिक कोऑपरेशन है।
- इसकी स्थापना 6 जून 1997 को बैंकॉक में हुई थी।
- बिम्सटेक का उद्देश्य दक्षिण और दक्षिण-पूर्व एशिया के देशों के बीच तकनीकी और आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देना है।
- प्रारंभ में BIST-EC (बांग्लादेश-भारत-श्रीलंका-थाईलैंड आर्थिक सहयोग) के रूप में जाना जाता था, संगठन में अब सात सदस्य देश (बांग्लादेश, भूटान, भारत, म्यांमार, नेपाल, श्रीलंका और थाईलैंड) शामिल हैं।

बिम्सटेक चार्टर - मुख्य विशेषताएं

- अंतर्राष्ट्रीय मान्यता: बिम्सटेक को एक कानूनी इकाई के रूप में आधिकारिक दर्जा प्राप्त है, जिससे यह कूटनीति और सहयोग के मामलों पर अन्य अंतरराष्ट्रीय संगठनों के साथ सीधे बातचीत कर सकता है।
- सदस्यता का विस्तार: चार्टर नए देशों को BIMSTEC में शामिल होने की अनुमति देकर और अन्य देशों को पर्यवेक्षक के रूप में भाग लेने की अनुमति देकर भविष्य के विकास का मार्ग प्रशस्त करता है।
- प्रत्येक सदस्य राज्य के साथ सहयोग के क्षेत्रों की संख्या को पुनर्गठित करना और घटाकर 7 करना। उदाहरण के लिए, 'विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार' में श्रीलंका और कनेक्टिविटी में थाईलैंड।

- साझा लक्ष्य: चार्टर बिम्सटेक के उद्देश्यों को रेखांकित करता है, जो सदस्य देशों के बीच विश्वास और मैत्रीपूर्ण संबंध बनाने और बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में आर्थिक विकास और सामाजिक प्रगति में तेजी लाने पर केंद्रित है।
- संरचित संगठन: बिम्सटेक के संचालन के लिए एक स्पष्ट ढांचा स्थापित किया गया है, जिसमें वरिष्ठ अधिकारियों के स्तर पर शिखर सम्मेलन, मंत्रिस्तरीय और नियमित बैठकों के लिए एक रूपरेखा है।

भारत के लिये बिम्सटेक का महत्त्व

- एक्ट ईस्ट पॉलिसी के अनुरूप: बिम्सटेक भारत की एक्ट ईस्ट पॉलिसी के साथ अधिक संरेखित है। यह भारत को हिंद महासागर क्षेत्र और इंडो-पैसिफिक में व्यापार और सुरक्षा प्रमुखता हासिल करने में मदद करता है।
- SAARC का विकल्प: उरी हमलों के जवाब में वर्ष 2016 में दक्षिण एशियाई क्षेत्रीय सहयोग संगठन (SAARC) शिखर सम्मेलन में पाकिस्तान को अलग-थलग करने के भारत के प्रयासों के बाद, BIMSTEC एक बेहतर क्षेत्रीय सहयोग मंच के रूप में उभरा है, जो दक्षिण एशिया का विकल्प प्रदान करता है। सार्क का विकल्प प्रदान करता है।
- चीन के समतुल्य कदम: चूंकि चीन दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में अपनी बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (BRI) का विस्तार कर रहा है, भारत इस बढ़ती उपस्थिति को अपने क्षेत्रीय प्रभुत्व के लिये एक चुनौती के रूप में देखता है। इसका मुकाबला करने के लिए, भारत बिम्सटेक में अग्रणी भूमिका निभा रहा है, इसे क्षेत्रीय सहयोग के वैकल्पिक मंच के रूप में बढ़ावा दे रहा है।
- अमूर्त संस्कृति को बढ़ावा देना: कला, संस्कृति और बंगाल की खाड़ी से संबंधित अन्य विषयों पर शोध के लिये बिहार के नालंदा विश्वविद्यालय में इंडिया सेंटर फॉर बे ऑफ बंगाल स्टडीज (CBS) जैसी पहलें इस क्षेत्र की अमूर्त विरासत में नई अंतर्दृष्टि और अनुसंधान ला सकती हैं।
- क्षेत्रीय सहयोग के लिये मंच: यह दक्षिण एशिया और दक्षिण पूर्व एशिया के देशों को एक साथ लाता है, जो क्षेत्रीय सहयोग बढ़ाने के लिये एक मंच प्रदान करता है। इससे सुरक्षा मामलों और मानवीय सहायता और आपदा राहत (एचएडीआर) के प्रबंधन में गहरा सहयोग हुआ है।

बिम्सटेक के समक्ष चुनौतियां

- रोहिंग्या संकट: रोहिंग्या शरणार्थी संकट बांग्लादेश और म्यांमार के बीच संबंधों को तनावपूर्ण बनाता है, जो बिम्सटेक के लिये मानवीय और कूटनीतिक चुनौती पेश करता है।
- म्यांमार का सैन्य तख्तापलट: सैन्य तख्तापलट के बाद म्यांमार की राजनीतिक अस्थिरता बिम्सटेक के प्रयासों में जटिलता जोड़ती है।
- सीमित अंतर-क्षेत्रीय व्यापार और कनेक्टिविटी: बांग्लादेश, भूटान, भारत और नेपाल की बीबीआईएन कनेक्टिविटी परियोजना को अंतिम रूप दिया जाना बाकी है।
- समुद्री व्यापार और मत्स्य पालन में चुनौतियाँ: बंगाल की खाड़ी मछली पकड़ने का एक समृद्ध क्षेत्र है, जहाँ वार्षिक रूप से 6 मिलियन टन (विश्व की कुल मछलियों का 7%) और व्यापक प्रवाल भित्तियाँ पकड़ी जाती हैं।
- दक्षता की कमी और धीमी प्रगति: बिम्सटेक को असंगत नीति-निर्माण, अनियमित संचालन बैठकों और अपने सचिवालय के लिये पर्याप्त वित्तीय एवं मानव संसाधनों की कमी के कारण चुनौतियों का सामना करना पड़ता है।
- एफएओ के अनुसार, बंगाल की खाड़ी एशिया-प्रशांत क्षेत्र में अवैध, गैर-रिपोर्टेड और अनियमित (आईयूयू) मछली पकड़ने के हॉटस्पॉट में से एक है।

आगे की राह

- परिवहन कनेक्टिविटी के लिये बिम्सटेक मास्टर प्लान: इसे अंतिम रूप देने से क्षेत्रीय बुनियादी ढाँचे (सड़क, रेलवे, बंदरगाह आदि) में सुधार के लिये 10 वर्षीय रणनीति की रूपरेखा तैयार की जाएगी।
- बिम्सटेक प्रौद्योगिकी हस्तांतरण सुविधा (TTF): सदस्य देशों के बीच प्रौद्योगिकी अंतर को पाटने के लिये। श्रीलंका में स्थित TTF क्षेत्रीय विकास को बढ़ावा देते हुए प्रमुख क्षेत्रों में ज्ञान और विशेषज्ञता साझा करने की सुविधा प्रदान करेगा।
- बिम्सटेक चार्टर को अंतिम रूप देना: यह बिम्सटेक के उद्देश्य, संरचना और कार्यप्रणाली को परिभाषित करने वाला एक बहुत ही आवश्यक कानूनी ढाँचा प्रदान करता है। यह सहयोग प्रयासों में स्थिरता और पूर्वानुमान को बढ़ावा देता है।
- राजनयिक अकादमियों/प्रशिक्षण संस्थानों के बीच सहयोग: यह सहयोग राजनयिक संबंधों को बढ़ाएगा और भविष्य के नेताओं के बीच क्षेत्रीय चुनौतियों और अवसरों की साझा समझ को बढ़ावा देगा।

अंतरिक्ष पर्यटन

हाल ही में, गोपी थोटाकुरा, मूल रूप से भारत के एक यूएस-आधारित वाणिज्यिक पायलट, पहले भारतीय अंतरिक्ष पर्यटक बने। उन्होंने पांच अन्य अंतरिक्ष पर्यटकों के साथ, अंतरिक्ष में एक संक्षिप्त मनोरंजक यात्रा शुरू की।

अंतरिक्ष पर्यटन

अंतरिक्ष पर्यटन में व्यावसायिक गतिविधियाँ शामिल हैं जहाँ निजी व्यक्ति मनोरंजक उद्देश्यों के लिए अंतरिक्ष में यात्रा करने के लिए भुगतान करते हैं। इस बढ़ते उद्योग का उद्देश्य गैर-पेशेवर अंतरिक्ष यात्रियों के लिए अंतरिक्ष को सुलभ बनाना है। अंतरिक्ष को आमतौर पर कार्मन रेखा द्वारा परिभाषित किया जाता है, जो समुद्र तल से 100 किलोमीटर (62 मील) की ऊंचाई पर स्थित एक काल्पनिक सीमा है। यह रेखा पृथ्वी के वायुमंडल और बाहरी अंतरिक्ष के बीच संक्रमण को चिह्नित करती है।

अंतरिक्ष पर्यटन के दो मुख्य प्रकार हैं:

- उपकक्षीय अंतरिक्ष पर्यटन: यात्रियों को अंतरिक्ष के किनारे से थोड़ा आगे एक संक्षिप्त यात्रा का अनुभव मिलता है, जहां वे वापस लौटने से पहले कुछ मिनटों तक भारहीनता और पृथ्वी के दृश्य का आनंद लेते हैं।
- कक्षीय अंतरिक्ष पर्यटन: इसमें एक अधिक विस्तारित यात्रा शामिल है, जहाँ पर्यटक पृथ्वी की परिक्रमा करते हैं, आमतौर पर कई दिनों तक अंतरिक्ष स्टेशनों पर रहते हैं।

अंतरिक्ष पर्यटन का विकास

- मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, 2023 में स्पेस टूरिज्म मार्केट का मूल्य 848.28 मिलियन डॉलर था। 2032 तक इसके बढ़कर 27,861.99 मिलियन डॉलर होने की उम्मीद है।
- अनुमानों के अनुसार, वैश्विक अंतरिक्ष पर्यटन बाजार का आकार 2024 से 2030 तक 44.8% की चक्रवृद्धि वार्षिक वृद्धि दर (CAGR) से बढ़ने की उम्मीद है।

अंतरिक्ष पर्यटन की वर्तमान स्थिति

हाल के वर्षों में अंतरिक्ष पर्यटन में उल्लेखनीय प्रगति देखी गई है, जो बड़े पैमाने पर स्पेसएक्स, ब्लू ओरिजिन और वर्जिन गैलेक्टिक जैसी कंपनियों द्वारा संचालित है।

एलोन मस्क के नेतृत्व में स्पेसएक्स, मानवता को बहु-ग्रह बनाने की अपनी महत्वाकांक्षा के लिए खड़ा है। स्पेसएक्स के पुन: प्रयोज्य रॉकेट, विशेष रूप से फाल्कन और स्टारशिप ने अंतरिक्ष यात्रा लागत में भारी कटौती की है, जिससे व्यापक पहुंच सक्षम हो गई है। स्पेसएक्स के क्रू ड्रैगन मिशनों ने भविष्य को आकार देने वाले चंद्र और मंगल मिशनों की योजना के साथ निजी अंतरिक्ष यात्राओं का बीड़ा उठाया है।

अंतरिक्ष पर्यटन के लाभ

- उन्नत अंतरिक्ष यान का उत्पादन रोजगार पैदा करने, नवाचार को प्रोत्साहित करने और निवेश को बढ़ावा देने में मदद करेगा।
- उदाहरण के लिए, नासा छोटे व्यवसायों को अंतरिक्ष अन्वेषण, जलवायु अनुसंधान, और अधिक को आगे बढ़ाने के लिए प्रौद्योगिकियों को विकसित करने में मदद कर रहा है।
- अंतरिक्ष विज्ञान के बारे में जन जागरूकता बढ़ाना।
- STEM शिक्षा को प्रोत्साहित करना: अंतरिक्ष पर्यटन के आसपास का उत्साह नई पीढ़ी को विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और गणित (STEM) में अध्ययन करने के लिये प्रेरित कर सकता है, जिससे अधिक शिक्षित और कुशल कार्यबल बन सकता है।

- अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना: जैसे-जैसे अंतरिक्ष पर्यटन बढ़ता है, इसके लिए देशों के बीच सहयोग की आवश्यकता होती है, अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी को बढ़ावा देना और संभावित रूप से अधिक सहयोगी वैज्ञानिक और तकनीकी प्रगति की ओर अग्रसर होता है।

भारत द्वारा उठाए गए कदम

- इसरो का गगनयान मिशन: भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) अपने पहले मानवयुक्त मिशन, गगनयान की तैयारी कर रहा है, जो भविष्य के अंतरिक्ष पर्यटन प्रयासों के लिए आधार तैयार करेगा।
- निजी क्षेत्र की भागीदारी: भारत सरकार ने अंतरिक्ष क्षेत्र को निजी कंपनियों के लिये खोल दिया है, जिससे उन्हें अंतरिक्ष पर्यटन क्षमताओं को विकसित करने के लिये प्रोत्साहित किया जा रहा है। भारतीय राष्ट्रीय अंतरिक्ष संवर्धन और प्राधिकरण केंद्र (IN-SPACe) निजी खिलाड़ियों की भागीदारी की सुविधा प्रदान करता है।
- अंतरिक्ष नीति सुधार: भारत ने एक सहायक नियामक ढाँचा प्रदान करके पर्यटन सहित वाणिज्यिक अंतरिक्ष गतिविधियों को सुविधाजनक बनाने के लिये नई अंतरिक्ष नीतियों की शुरुआत की है।
- बुनियादी ढाँचे का विकास: अंतरिक्ष पर्यटन की मांगों का समर्थन करने के लिये अंतरिक्ष बुनियादी ढाँचे जैसे प्रक्षेपण सुविधाओं और प्रशिक्षण केंद्रों में निवेश किया जा रहा है।

अंतरिक्ष पर्यटन के साथ चुनौतियां

- उच्च लागत: अंतरिक्ष पर्यटन वर्तमान में निषेधात्मक रूप से महंगा है, यात्रियों की यात्रा में कम से कम एक मिलियन डॉलर की लागत आती है, जिससे यह अधिकांश लोगों के लिए दुर्गम हो जाता है।
- पर्यावरण संबंधी चिंताएँ: रॉकेट प्रक्षेपण पर्यावरणीय क्षति में योगदान करते हैं, ऊपरी वायुमंडल में गैसीय और ठोस रसायनों का उत्सर्जन करते हैं।
- सुरक्षा संबंधी चिंताएँ: कठोर सुरक्षा मानकों के बावजूद अंतरिक्ष यात्रा जोखिम भरी बनी हुई है। नवंबर 2023 तक, 19 मौतों के साथ 676 लोग अंतरिक्ष में उड़ चुके हैं, जिसके परिणामस्वरूप 3% मृत्यु दर है।
- सीमित बुनियादी ढाँचे: नियमित अंतरिक्ष पर्यटन गतिविधियों का समर्थन करने के लिये आवश्यक स्पेसपोर्ट और संबंधित बुनियादी ढाँचे की कमी है, जो इसके विकास में बाधा बन रही है।
- स्वास्थ्य जोखिम: मानव शरीर पर माइक्रोग्रैविटी के लंबे समय तक संपर्क के प्रभावों को पूरी तरह से समझा नहीं गया है, जिससे अंतरिक्ष पर्यटकों के लिये संभावित स्वास्थ्य जोखिम उत्पन्न हो सकते हैं।

आगे की राह

- लागत में कमी की रणनीतियाँ: अधिक लागत प्रभावी प्रौद्योगिकियों और पुन: प्रयोज्य अंतरिक्ष यान बनाने के लिये अनुसंधान और विकास में निवेश करें, जिससे अंतरिक्ष पर्यटन अधिक किफायती हो सके
- उन्नत सुरक्षा प्रोटोकॉल: जोखिमों को कम करने के लिए उन्नत सुरक्षा उपायों और प्रोटोकॉल का विकास और कार्यान्वयन
- पर्यावरणीय स्थिरता: अंतरिक्ष यात्रा के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने के लिए पर्यावरण के अनुकूल रॉकेट ईंधन और लॉन्च प्रौद्योगिकियों को नया करें।
- बुनियादी ढांचे का विकास: अंतरिक्ष पर्यटन गतिविधियों की बढ़ती मांग का समर्थन करने के लिए स्पेसपोर्ट (स्पेशपोर्ट), प्रशिक्षण सुविधाओं और संबंधित बुनियादी ढांचे के विकास का विस्तार करना।
- अंतर्राष्ट्रीय सहयोग: ज्ञान, संसाधनों और सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करने के लिये अंतरिक्ष-फ़ेयरिंग राष्ट्रों और निजी संस्थाओं के बीच अंतर्राष्ट्रीय सहयोग को बढ़ावा देना।

संपत्ति का अधिकार

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने निजी संपत्ति की संवैधानिक सुरक्षा की पुष्टि की, यह रेखांकित करते हुए कि संपत्ति के किसी भी राज्य अधिग्रहण को कानूनी प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन करना चाहिए और समान मुआवजे की गारंटी देनी चाहिए। यह महत्वपूर्ण फैसला जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस अरविंद कुमार की अध्यक्षता वाली बेंच ने सुनाया था।

पृष्ठभूमि

- यह फैसला निजी संपत्ति के अधिकार को बनाए रखने के महत्व को रेखांकित करता है, जो एक संवैधानिक अधिकार है।
- यद्यपि 44 वें संवैधानिक संशोधन ने संपत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में नामित नहीं किया था, लेकिन अनुच्छेद 300 ए को व्यक्तियों को संपत्ति के अन्यायपूर्ण जब्ती से बचाने के लिए पेश किया गया था।

संवैधानिक ढांचा

अनुच्छेद 300A: 44वें संवैधानिक संशोधन द्वारा संपत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकार के रूप में समाप्त करने के बाद, अनुच्छेद 300A पेश किया गया था।

- यह लेख गारंटी देता है कि किसी भी व्यक्ति को कानून की उचित प्रक्रिया के बिना अपनी संपत्ति से वंचित नहीं किया जा सकता है, केवल ज़ब्त करने की अनुमति देने वाले कानून के अस्तित्व पर भरोसा करने के बजाय विशिष्ट प्रक्रियाओं का पालन करने की आवश्यकता पर बल देता है।

संपत्ति के अधिकार का विकास

प्रारंभ में अनुच्छेद 19 (1) (f) और अनुच्छेद 31 के तहत एक मौलिक अधिकार के रूप में स्वीकार किया गया, भारत में संपत्ति के अधिकारों के विकास में समय के साथ महत्वपूर्ण विधायी संशोधन हुए हैं:

पहला संशोधन (1951):

- जनहित में संपत्ति के अधिकारों पर प्रतिबंध की अनुमति देने के लिए अनुच्छेद 19 (1) (f) और अनुच्छेद 31 में संशोधन किया गया, विशेष रूप से कृषि सुधारों और सामाजिक असमानताओं को दूर करने के उद्देश्य से।

44वां संशोधन (1978):

- संपत्ति के मौलिक अधिकार को पूरी तरह से समाप्त कर दिया।
- अनुच्छेद 19 (1) (f) और अनुच्छेद 31 को हटा दिया गया, उनके स्थान पर अनुच्छेद 300-ए को पेश किया गया।
- संपत्ति के अधिकार को मौलिक अधिकार के बजाय कानूनी के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया गया।
- कानूनी शर्तों के अधीन संपत्ति के अधिकारों की नियामक प्रकृति पर जोर दिया।

वर्तमान स्थिति (अनुच्छेद 300-A):

- कानून के माध्यम से संपत्ति के अधिकारों के विनियमन को दोहराते हुए, कानूनी प्राधिकरण के अलावा संपत्ति को जब्त नहीं किया जा सकता है।

संपत्ति के अधिकार से संबंधित ऐतिहासिक मामले

- ए के गोपालन बनाम मद्रास राज्य (1950): इस मामले ने मद्रास मेंटेनेंस ऑफ पब्लिक ऑर्डर एक्ट, 1949 की संवैधानिकता को बरकरार रखा, जो संपत्ति के अधिकार और राज्य के नियामक प्राधिकरण के बीच संघर्ष को संबोधित करता है।
- केशवानंद भारती बनाम केरल राज्य (1973): इस ऐतिहासिक मामले ने "मूल संरचना सिद्धांत" पेश किया, जिसमें कहा गया कि संसद के पास संविधान में संशोधन करने का अधिकार है, लेकिन यह अपने मौलिक ढांचे को बदलने से रोक रही है। इस फैसले ने अप्रत्यक्ष रूप से बाद के संशोधन को प्रभावित किया जिसने संपत्ति के मौलिक अधिकार को समाप्त कर दिया।
- मिनर्वा मिल्स लिमिटेड बनाम भारत संघ (1980): इस मामले में 42वें संशोधन अधिनियम, 1976 के कुछ प्रावधान, जिसने संसद को संविधान में संशोधन करने के लिये व्यापक शक्तियाँ प्रदान की थीं, अमान्य कर दिए गए थे। संपत्ति के मौलिक अधिकार को हटाने की पुष्टि करते हुए, इसने संवैधानिक अधिकार के रूप में अपनी मान्यता की पुष्टि की।
- जीलूभाई नानभाई खाचर बनाम गुजरात राज्य (1995): इस मामले ने स्पष्ट किया कि संपत्ति का अधिकार संविधान के मूल संरचना सिद्धांत के अंतर्गत नहीं आता है। इसने संपत्ति के अधिकार की कानूनी स्थिति और कानून के माध्यम से विनियमन के लिए इसकी संवेदनशीलता की पुष्टि की।

कानूनी अधिकार के रूप में संपत्ति के अधिकार के निहितार्थ

- नियामक उपाय, जैसे कि सीमाएं, संक्षिप्ताक्षर या समायोजन, संवैधानिक संशोधन की आवश्यकता के बिना नियमित संसदीय कानून के माध्यम से लागू किए जा सकते हैं।
- निजी संपत्ति कार्यकारी हस्तक्षेप से सुरक्षित है लेकिन विधायी कार्यों के अधीन रहती है।
- यदि कोई उल्लंघन होता है, तो प्रभावित पक्ष अनुच्छेद 32 के तहत निवारण के लिए सीधे सुप्रीम कोर्ट नहीं जा सकता है, जो रिट के माध्यम से संवैधानिक उपचार की गारंटी देता है। इसके बजाय, अनुच्छेद 226 के तहत उच्च न्यायालय में याचिका दायर करने का सहारा है।
- जब राज्य निजी संपत्ति का अधिग्रहण या मांग करता है तो मुआवजे का कोई स्पष्ट अधिकार नहीं है।
- सिद्धांत का दावा है कि कानून द्वारा अधिकृत किए बिना किसी भी व्यक्ति की संपत्ति को जब्त नहीं किया जा सकता है।

संपत्ति के अधिकार की आलोचना

- संपत्ति का मौलिक अधिकार संविधान की स्थापना के बाद से एक विवादास्पद मुद्दा बना हुआ है, जो अक्सर सर्वोच्च न्यायालय और संसद के बीच संघर्ष को जन्म देता है।
- इस कलह के कारण कई संवैधानिक संशोधन हुए, विशेष रूप से 1, 4, 7, 25वें, 39वें, 40वें और 42वें संशोधन सहित।
- सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों को संतुलित करने और विशिष्ट कानूनों को मौलिक अधिकारों की चुनौतियों से बचाने के लिये अनुच्छेद 31A, 31B और 31C को समय के साथ पेश और संशोधित किया गया है।
- बहुत अधिक कानूनी विवाद की जड़ निजी संपत्ति के अधिग्रहण या अधिग्रहण के लिए मुआवजा प्रदान करने के लिए राज्य की जिम्मेदारी के इर्द-गिर्द घूमती है।

हालिया फैसले की मुख्य विशेषताएं

- संवैधानिक और मानवाधिकार: न्यायालय ने रेखांकित किया कि निजी संपत्ति का अधिकार केवल एक संवैधानिक अधिकार नहीं है, बल्कि एक मौलिक मानव अधिकार भी है। नतीजतन, किसी भी संपत्ति को सार्वजनिक उद्देश्यों के लिए विनियोजित करने से पहले कानूनी प्रक्रियाओं का सख्त पालन अपरिहार्य है।
- अनिवार्य प्रक्रियाएँ: पीठासीन न्यायाधीश न्यायमूर्ति नरसिम्हा ने इस बात पर जोर दिया कि प्रतिष्ठित डोमेन प्राधिकरण का कब्ज़ा स्वतः ही निजी संपत्ति के अधिग्रहण को वैध नहीं बनाता है। राज्य को प्रक्रिया की संवैधानिकता सुनिश्चित करने के लिए निर्धारित कानूनी प्रोटोकॉल का पालन करना अनिवार्य है।
- कलकत्ता उच्च न्यायालय के आदेश की पुष्टि: सुप्रीम कोर्ट ने कलकत्ता उच्च न्यायालय के एक पूर्व फैसले को बरकरार रखा, जिसमें निजी भूमि के अधिग्रहण के संबंध में कोलकाता नगर निगम द्वारा अपील को खारिज कर दिया गया था। निगम को अदालत के फैसले के अनुसार लागत के रूप में 5 लाख रुपये जमा करने का निर्देश दिया गया था।

प्रक्रियात्मक अधिकार परिभाषित

निर्णय में सात प्रक्रियात्मक अधिकारों का विवरण दिया गया है जो अनुच्छेद 300A के तहत निजी संपत्ति की रक्षा करते हैं:

1. नोटिस का अधिकार: राज्य को किसी व्यक्ति को सूचित करना चाहिये जब वह उनकी संपत्ति का अधिग्रहण करना चाहता है।
2. सुनवाई का अधिकार: राज्य को अधिग्रहण के संबंध में संपत्ति के मालिक की किसी भी आपत्ति को सुनना चाहिए।
3. तर्कसंगत निर्णय का अधिकार: निजी संपत्ति के अधिग्रहण का निर्णय लेते समय राज्य को एक स्पष्ट तर्क प्रदान करना चाहिये।
4. सार्वजनिक उद्देश्य का प्रदर्शन: अधिग्रहण को केवल सार्वजनिक उद्देश्य के लिए दिखाया जाना चाहिए।
5. उचित मुआवजे का अधिकार: संपत्ति का मालिक उचित और उचित मुआवजे का हकदार है।
6. कुशल प्रक्रिया: अधिग्रहण प्रक्रिया कुशलतापूर्वक और एक निर्धारित समय सीमा के भीतर आयोजित की जानी चाहिए।
7. कार्यवाही का निष्कर्ष: प्रक्रिया न केवल मुआवजे के साथ बल्कि संपत्ति के वास्तविक भौतिक कब्जे के साथ समाप्त होती है।

निहितार्थ और निष्कर्ष

- निर्णय अनिवार्य अधिग्रहण प्रक्रियाओं में प्रक्रियात्मक निष्पक्षता और पारदर्शिता को बनाए रखने के महत्व पर प्रकाश डालता है।
- यह मनमानी राज्य कार्रवाई के खिलाफ एक महत्वपूर्ण सुरक्षा के रूप में कार्य करता है और यह सुनिश्चित करता है कि व्यक्तियों के संपत्ति अधिकारों का सम्मान और संरक्षण किया जाए।
- अधिग्रहण प्रक्रिया में सरकार के कर्तव्यों को स्पष्ट करके, निर्णय कानून के शासन और संपत्ति अधिकार विवादों में न्याय और निष्पक्षता के सिद्धांतों को पुष्ट करता है।

सुप्रीम कोर्ट का फैसला निजी संपत्ति के अनिवार्य अधिग्रहण को नियंत्रित करने वाले कानूनी मानकों और प्रक्रियाओं पर आवश्यक मार्गदर्शन प्रदान करता है, जो भारतीय संविधान के ढांचे के भीतर संपत्ति के अधिकारों की रक्षा के महत्व की पुष्टि करता है।

भारत में मानसून

भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने भविष्यवाणी की है कि भारत में आगामी मानसून के मौसम में सामान्य से अधिक बारिश होगी, जिसमें अगस्त-सितंबर तक "अनुकूल" ला नीना की स्थिति विकसित होने की उम्मीद है।

भारत में मानसून

- मानसून मौसमी हवाएं (लयबद्ध हवा की गति या आवधिक हवाएं) हैं जो मौसम के परिवर्तन के साथ अपनी दिशा को उलट देती हैं।
- मानसून मौसमी हवाओं की एक दोहरी प्रणाली है - वे गर्मियों के दौरान समुद्र से जमीन पर और सर्दियों के दौरान जमीन से समुद्र की ओर बहती हैं।
- भारत में ग्रीष्म ऋतु में दक्षिण-पश्चिम मानसूनी पवनें तथा शीत ऋतु में उत्तर-पूर्वी मानसूनी पवनें आती हैं।
- दक्षिण-पश्चिम मानसून तिब्बती पठार पर बने तीव्र कम दबाव प्रणाली के कारण बनते हैं।
- उत्तर-पूर्वी मानसून तिब्बती और साइबेरियाई पठारों पर उच्च दबाव कोशिकाओं से जुड़ा हुआ है।

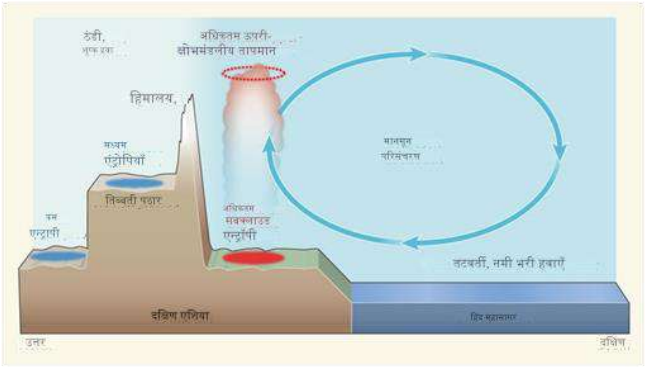

भारत में मानसून के चरण

शुरुआत चरण:

- मानसून पूर्व गतिविधि: मानसून के आगमन से पहले, मानसून पूर्व वर्षा होती है, जो मानसून के आसन्न आगमन का संकेत देती है।
- केरल में आगमन: मानसून सबसे पहले भारत के दक्षिण-पश्चिमी तट से टकराता है, आमतौर पर मई के अंत या जून की शुरुआत में।
- उन्नति: केरल से, यह उत्तर की ओर बढ़ती है, कुछ दिनों के भीतर पूरे राज्य को कवर करती है।

प्रगति चरण:

- प्रायद्वीपीय भारत: केरल के बाद, मानसून पश्चिमी तट पर तेजी से आगे बढ़ता है और फिर पूर्वी तट पर फैलता है।
- मध्य भारत: यह जून के मध्य तक महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और गुजरात के कुछ हिस्सों सहित मध्य भारत में पहुंच जाता है।
- उत्तरी मैदान: जून के अंत या जुलाई की शुरुआत में, मानसून दिल्ली और उत्तर प्रदेश सहित उत्तरी मैदानों को कवर करता है।

चरम अवस्था:

- तीव्र वर्षा: जुलाई और अगस्त के दौरान, मानसून अपनी चरम तीव्रता तक पहुँच जाता है, जिससे देश भर में भारी वर्षा होती है।
- बाढ़: बढ़ी हुई वर्षा अक्सर निचले इलाकों और नदी घाटियों में बाढ़ का कारण बनती है।

पीछे हटने का चरण:

- शुरुआत: सितंबर तक, मानसून उत्तर-पश्चिमी भारत से पीछे हटना शुरू कर देता है।
- पूर्वोत्तर मानसून: जबकि दक्षिण-पश्चिम मानसून पीछे हटता है, पूर्वोत्तर मानसून दक्षिण भारत में प्रवेश करता है, जिससे तमिलनाडु, कर्नाटक और आंध्र प्रदेश में वर्षा होती है।
- पूर्ण वापसी: अक्टूबर तक, मानसून भारत के अधिकांश हिस्सों से वापस ले लेता है, जो बारिश के मौसम के अंत का संकेत देता है।

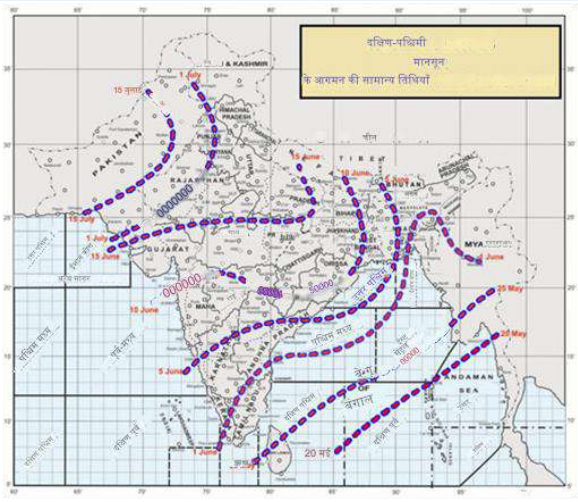

मानसून की सामान्य स्थिति

- पृथ्वी के घूर्णन के कारण भूमध्य रेखा के उत्तर और दक्षिण में 30 डिग्री के बीच हवाएं तिरछी हो जाती हैं, जिन्हें कोरिओलिस प्रभाव के रूप में जाना जाता है।
- कोरिओलिस प्रभाव उत्तरी गोलार्ध में दक्षिण-पश्चिम और दक्षिणी गोलार्ध में उत्तर-पश्चिम में हवाएँ चलती हैं, जिससे पश्चिम की ओर व्यापारिक हवाएँ बनती हैं।
- आम तौर पर, व्यापारिक हवाएं भूमध्य रेखा के साथ पश्चिम की ओर बहती हैं, गर्म पानी को दक्षिण अमेरिका से एशिया तक ले जाती हैं, और ठंडा पानी गहराई (ऊपर) से ऊपर उठता है।
- इंडोनेशिया के पास गर्म पानी कम दबाव का कारण बनता है, जिससे हवा, बादल और भारी वर्षा होती है, जो मानसून प्रणाली बनाने में मदद करती है जो भारत में बारिश लाती है।

एल नीनो

- स्पेनिश में इसका अर्थ है "छोटा लड़का"।
- पहली बार 1600 के दशक में दक्षिण अमेरिकी मछुआरों द्वारा प्रशांत महासागर में असामान्य रूप से गर्म पानी की अवधि के रूप में देखा गया था।
- यह एक जलवायु घटना है जो मध्य और पूर्वी भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर में समुद्र की सतह के तापमान के आवधिक वार्मिंग की विशेषता है।
- अल नीनो के दौरान, व्यापारिक हवाएं कमजोर हो जाती हैं, जो गर्म पानी को अमेरिका के पश्चिमी तट की ओर पूर्व की ओर और ठंडे पानी को एशिया की ओर धकेलती हैं।

अल नीनो का प्रभाव:

- अक्सर भारत में औसत से कम मानसूनी वर्षा होती है, जिससे सूखा पड़ता है जो कृषि, जल संसाधनों और अर्थव्यवस्था को प्रभावित करता है।
- भारत के विभिन्न हिस्सों में उच्च तापमान की ओर जाता है।
- सुखाने की स्थिति से जंगल की आग का खतरा बढ़ जाता है, विशेष रूप से घने वनस्पति वाले क्षेत्रों में, जिससे पर्यावरणीय क्षति, जैव विविधता का नुकसान और वायु प्रदूषण होता है।
- वर्षा में कमी के परिणामस्वरूप पानी की कमी होती है, जिससे पेयजल आपूर्ति, कृषि के लिए सिंचाई और जल विद्युत उत्पादन प्रभावित होता है।
- भारत के समुद्र तट के साथ समुद्री पारिस्थितिक तंत्र और मत्स्य पालन को बाधित करता है, क्योंकि समुद्र की सतह के तापमान और समुद्र की धाराओं में परिवर्तन मछली प्रवास पैटर्न और आबादी को प्रभावित करते हैं।

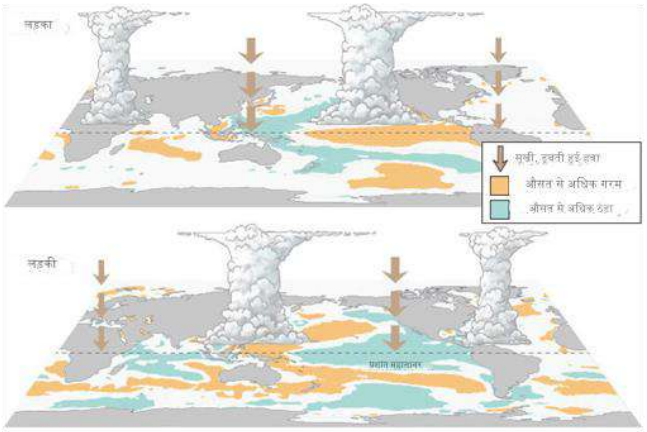

ला नीना

- स्पेनिश में इसका अर्थ है "छोटी लड़की" और कभी-कभी इसे एल वीजो, एंटी-एल नीनो या "एक ठंडी घटना" कहा जाता है।
- अल नीनो का विपरीत प्रभाव: मजबूत व्यापारिक हवाएं गर्म पानी को इंडोनेशिया की ओर धकेलती हैं, जिससे पूर्वी प्रशांत महासागर सामान्य से अधिक ठंडा हो जाता है।

ला नीना के प्रभाव:

- दक्षिण पूर्व एशिया, उत्तरी ऑस्ट्रेलिया और दक्षिण अमेरिका के कुछ हिस्सों जैसे क्षेत्रों में औसत से अधिक वर्षा होती है।
- पूर्व और उत्तर-पूर्व को छोड़कर भारत के अधिकांश क्षेत्रों में सामान्य या औसत से अधिक वर्षा होती है।
- इंडोनेशिया, फिलीपींस और मलेशिया जैसे देशों में भी अच्छी वर्षा होती है।

- दक्षिण-पश्चिमी संयुक्त राज्य अमेरिका और अफ्रीका के कुछ हिस्सों जैसे क्षेत्रों में औसत से कम वर्षा होती है, जिससे सूखा पड़ता है।
- ला नीना अटलांटिक में हवा की कतरनी को कम करता है, जिससे तूफान विकसित करना आसान हो जाता है।
- उदाहरण के लिए, अटलांटिक में 2021 में, जो कि ला नीना वर्ष है, रिकॉर्ड 30 तूफान आए।
- संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रशांत उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र और दक्षिण अमेरिका के कुछ भागों जैसे कुछ क्षेत्रों में तापमान सामान्य से अधिक ठंडा रहता है।

मानसून का महत्व

- कृषि: मानसून की बारिश सिंचाई और फसल की खेती के लिए महत्वपूर्ण है।
- आर्थिक: कृषि अर्थव्यवस्था की रीढ़ है, जो मानसून वर्षा पर बहुत अधिक निर्भर है।
- पारिस्थितिक: पारिस्थितिक तंत्र और जैव विविधता को बनाए रखता है, जो पर्यावरण संतुलन के लिए महत्वपूर्ण है।
- भारत के लिये जीवन रेखा: जलवायु, अर्थव्यवस्था और सामाजिक ताने-बाने को आकार देती है।
- सांस्कृतिक महत्व: परंपराओं, त्योहारों और दैनिक जीवन को प्रभावित करता है।

बाई वीकली प्रीलिम्स इन-ब्रीफ

इतिहास

गंगा जतारा

- सदियों पुराने इस मंदिर के इतिहास में पहली बार सात से 15 मई तक होने वाले लोक उत्सव को 13 मई को होने वाले चुनावों के मद्देनजर एक सप्ताह के लिए टाल दिया गया।
- गंगा जतारा कर्नाटक, रायलसीमा और आंध्र प्रदेश क्षेत्रों सहित दक्षिण भारत के विभिन्न हिस्सों में मनाया जाने वाला एक वार्षिक लोक त्योहार है।
- अवधि: त्योहार आमतौर पर आठ दिनों तक चलता है।
- देवता: जतारा देवी गंगम्मा को समर्पित है, जिन्हें गंगम्मा थल्ली भी कहा जाता है, जिन्हें क्षेत्र का रक्षक देवता माना जाता है।
- तिरुपति महत्व: आंध्र प्रदेश के तिरुपति में, गंगा जतारा मई के पहले और दूसरे सप्ताह के बीच आयोजित एक सप्ताह तक चलने वाला कार्यक्रम है। यहां, देवी गंगम्मा को प्रसिद्ध तिरुपति मंदिर के इष्टदेव भगवान वेंकटेश्वर बालाजी की बहन के रूप में पूजा जाता है।

कामाख्या कॉरिडोर

- गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने कामाख्या गलियारा परियोजना को चुनौती देने वाली याचिका पर केन्द्र, असम सरकार, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण और अन्य को नोटिस जारी किये हैं।
- गलियारे का उद्देश्य कामाख्या मंदिर आने वाले भक्तों के लिए तीर्थयात्रा के अनुभव को बढ़ाना और राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देना है।
- यह उत्तर पूर्वी क्षेत्र (PM-DevINE) योजना के लिए प्रधान मंत्री विकास पहल का हिस्सा है।

कामाख्या मंदिर के बारे में

- नीलाचल हिल्स, गुवाहाटी में स्थित है। यह 51 शक्तिपीठों में से एक है। कामाख्या मां को उर्वरता की देवी माना जाता है।
- मंदिर का स्थापत्य आकार पारंपरिक नागर और सरासेनिक शैलियों का एक संयोजन है। इस हाइब्रिड आर्किटेक्चर को कभी-कभी नीलाचल प्रकार कहा जाता है, जिसका नाम उस पहाड़ी के नाम पर रखा गया है जहां यह स्थित है।
- मंदिर में एक विशिष्ट मधुमक्खी का छत्ता जैसा शिखर (गुंबद) है। गुंबद मूर्तिकला पैनलों और विभिन्न हिंदू देवताओं की छवियों से सजाया गया है।
- कामाख्या मंदिर प्रसिद्ध अम्बुबाची मेले की मेजबानी करता है। यह देवी के मासिक धर्म का जश्न मनाने वाला एक वार्षिक उत्सव है।

विरुपक्ष टेम्पल

- भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) जल्द ही हम्पी में विरुपाक्ष मंदिर पर ढह गए मंडप या मंडप की बहाली का काम शुरू करेगा।
- स्थान: हम्पी, विजयनगर साम्राज्य (वर्तमान बल्लारी जिला, कर्नाटक, भारत)। यूनेस्को की विश्व धरोहर स्थल।
- समर्पण: भगवान शिव, विरुपाक्ष के रूप में पूजे जाते हैं (जिसका अर्थ है "ब्रह्मांड के रूप में विशाल रूप के साथ")।
- निर्माण: विजयनगर साम्राज्य (15 वीं शताब्दी) के राजा देव राय द्वितीय (प्रौदा देव राय) के अधीन एक नायक लक्कन दंडदेश।
- शैली: द्रविड़ वास्तुकला, जो अपनी जटिल नक्काशी, विशाल गोपुरम (प्रवेश द्वार टावर), और स्तंभित हॉल के लिए जानी जाती है।
- महत्व: हम्पी में सबसे बड़ा कार्यात्मक मंदिर परिसर। हिंदुओं, विशेष रूप से शैवों के लिए महत्वपूर्ण तीर्थ स्थल। विजयनगर साम्राज्य की भव्यता और स्थापत्य कौशल को प्रदर्शित करता है।
- अनूठी विशेषताएं: विट्ठल बाजार (रथ परिसर के साथ धार्मिक सड़क बाजार), विजयनगर शैली रथ हॉल, और बड़ा कल्याण मंडप (विवाह हॉल)।

भूगोल

मेट्टूर बांध

- मेत्तूर में जलाशय को 12 जून की प्रथागत तारीख को सिंचाई के लिए खोले जाने की संभावना नहीं है।
- तमिलनाडु के सलेम जिले में स्थित, भारत के सबसे बड़े बांधों में से एक है, जिसका निर्माण 1934 में किया गया था।
- उस बिंदु पर स्थित है जहां कावेरी नदी मैदानी इलाकों में परिवर्तित हो जाती है।
- यह विशाल कृषि क्षेत्रों को सिंचाई प्रदान करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

- इसमें 93.4 हजार मिलियन क्यूबिक फीट (TMC फीट) की भंडारण क्षमता है।
- बांध विशाल स्टेनली जलाशय बनाता है, जो कृषि और अन्य उद्देश्यों के लिए एक महत्वपूर्ण जल स्रोत के रूप में कार्य करता है।

न्यू कैलेडोनिया

- फ्रांस ने फ्रांसीसी प्रशांत क्षेत्र, न्यू कैलेडोनिया में आपातकाल की स्थिति लागू की - जिससे हिंसा हुई।
- स्थान: न्यू कैलेडोनिया एक फ्रांसीसी क्षेत्र है जो दक्षिण-पश्चिम प्रशांत महासागर, ऑस्ट्रेलिया के पूर्व और न्यूजीलैंड के उत्तर में स्थित है।

- राजनीतिक स्थिति: यह एक अद्वितीय स्थिति के साथ फ्राँस की एक विशेष सामूहिकता है, जिसमें महत्त्वपूर्ण स्वायत्तता है लेकिन यह फ्राँसीसी संप्रभुता के अधीन है।
- राजधानी: न्यू कैलेडोनिया की राजधानी नौमिया है।
- भूगोल: इस क्षेत्र में मुख्य द्वीप, ग्रांडे टेरे, लॉयल्टी आइलैंड्स, आइल ऑफ पाइंस और कई छोटे द्वीप शामिल हैं।
- अर्थव्यवस्था: न्यू कैलेडोनिया की अर्थव्यवस्था काफी हद तक निकल खनन द्वारा संचालित है, जो पर्यटन और कृषि के साथ-साथ दुनिया के सबसे बड़े भंडार में से एक है।
- जनसंख्या: जनसंख्या विविध है, जिसमें स्वदेशी कनक, यूरोपीय मूल के लोग (कैलडोचे), पॉलिनेशियन और अन्य समुदाय शामिल हैं।

कोर्टालम फॉल

- तमिलनाडु के ओल्ड कोर्टालम फॉल्स में अचानक आई बाढ़ में एक 17 वर्षीय लड़का बह गया।
- कोट्रालम जलप्रपात, जिसे कुट्रालम जलप्रपात के नाम से भी जाना जाता है, भारत के तमिलनाडु के तिरुनेलवेली जिले में पश्चिमी घाट में स्थित है। यह समुद्र तल से लगभग 160 मीटर की ऊंचाई पर स्थित है।
- कोर्टलम अपने नौ झरनों के लिए प्रसिद्ध है, जिसमें मेन फॉल्स (पेरारुवी) सबसे प्रमुख है।
- कुट्रालम का एक समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास है, आसपास के कई मंदिरों के साथ, जिसमें भगवान शिव को समर्पित कुत्रालनाथर मंदिर भी शामिल है।

उजानी बांध

- हाल ही में महाराष्ट्र के उजानी डैम में नाव पलटने से 6 लोगों की डूबने से मौत हो गई थी।
- उज्जनी बांध, जिसे भीमा बांध या भीमा सिंचाई परियोजना के रूप में भी जाना जाता है, भीमा नदी पर, कृष्णा नदी की एक सहायक नदी।
- यह भारत में महाराष्ट्र राज्य के सोलापुर जिले में स्थित एक मिट्टी का भरण सह चिनाई गुरुत्वाकर्षण बांध है।
- भीमा नदी जिस पर उज्जनी बांध बनाया गया है, पश्चिमी घाट में भीमाशंकर पहाड़ियों से निकलती है।
- भीमा नदी बेसिन की कई सहायक नदियाँ हैं जिनमें से प्रमुख हैं कुंडली नदी, कुमंडला नदी, घोड़ नदी, भामा नदी, इंद्रायणी नदी, मुला नदी, मुथा नदी, पावना नदी आदि।
- उजानी बांध और इसके बड़े जलाशय सिंचाई, पनबिजली उत्पादन, पीने और औद्योगिक जल आपूर्ति और मत्स्य पालन के बहुउद्देश्यीय लाभ प्रदान करते हैं।

बाल्टिक सागर

- पूर्वी बाल्टिक सागर में रूस की समुद्री सीमा को संशोधित करने के रूसी रक्षा मंत्रालय के प्रस्ताव को एक आधिकारिक पोर्टल से हटा दिया गया था।
- बाल्टिक सागर उत्तरी अटलांटिक महासागर का हिस्सा है, जो उत्तरी यूरोप में स्थित है। यह दक्षिणी डेनमार्क से लगभग आर्कटिक सर्कल तक उत्तर की ओर फैला है, जो स्कैंडिनेवियाई प्रायद्वीप को महाद्वीपीय यूरोप के बाकी हिस्सों से अलग करता है।

- अटलांटिक से कनेक्शन: बाल्टिक सागर डेनिश जलडमरूमध्य के माध्यम से अटलांटिक महासागर से जुड़ता है।
- आसपास के देश: बाल्टिक सागर की सीमा वाले देश डेनमार्क, जर्मनी, पोलैंड, लिथुआनिया, लातविया, एस्टोनिया, रूस, फिनलैंड और स्वीडन हैं।
- प्रमुख खाड़ी: समुद्र में तीन महत्वपूर्ण खाड़ियाँ शामिल हैं: उत्तर में बोथनिया की खाड़ी, पूर्व में फिनलैंड की खाड़ी और दक्षिण में रीगा की खाड़ी।
- द्वीप: बाल्टिक सागर 20 से अधिक द्वीपों और द्वीपसमूहों का घर है, स्वीडन के तट से दूर गोटलैंड सबसे बड़ा द्वीप है।

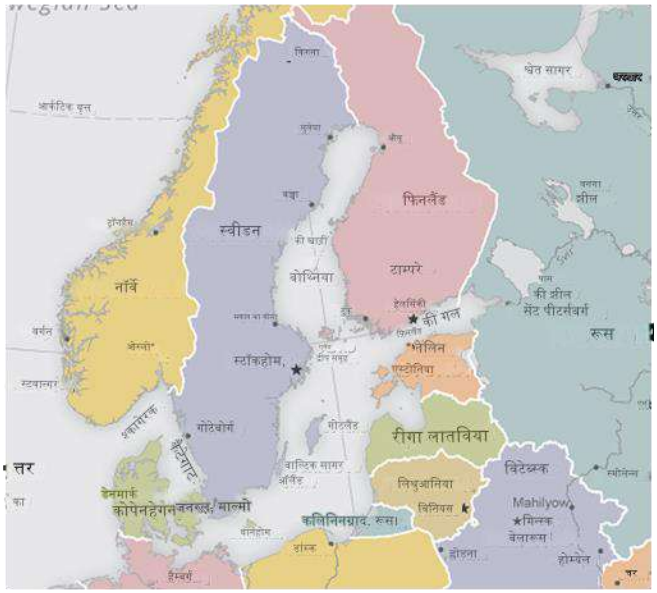

राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति (NCMC)

- बंगाल की खाड़ी में आने वाले रेमल चक्रवात से निपटने की तैयारियों की समीक्षा के लिए कैबिनेट सचिव श्री राजीव गौबा की अध्यक्षता में राष्ट्रीय संकट प्रबंधन समिति (NCMC) की बैठक हुई।
- यह राहत उपायों और कार्यों के प्रभावी समन्वय और कार्यान्वयन के लिए प्राकृतिक आपदा के मद्देनजर भारत सरकार द्वारा स्थापित एक समिति है।
- इसकी अध्यक्षता कैबिनेट सचिव करते हैं।
- NCMC ने बंगाल की खाड़ी के ऊपर संभावित चक्रवाती तूफान के लिए केंद्रीय मंत्रालयों, एजेंसियों और राज्य और केंद्र शासित प्रदेश की सरकारों की तैयारियों की समीक्षा की।

सीलंधी नदी

- केरल सरकार द्वारा सिलंधी नदी पर एक चेक डैम के निर्माण का विरोध करते हुए लगभग 300 किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया।
- मुद्दा यह है कि केरल सीलांथी नदी पर एक चेक डैम का निर्माण कर रहा है।
- सीलांधी नदी पर एक चेक-डैम बनाने से अमरावती बांध में पानी का प्रवाह अवरुद्ध हो जाएगा, और तमिलनाडु में किसानों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।
- यदि चेक डैम बन जाता है तो अमरावती को सीलांथी नदी से पानी नहीं मिल सकता है।

माउंट कांग यात्से

- हाल ही में, डीजी एनसीसी ने लद्दाख क्षेत्र में माउंट कांग यात्से-II के लिए पर्वतारोहण अभियान को हरी झंडी दिखाई।
- कांग यात्ज़े उत्तर-पश्चिम भारत के लद्दाख क्षेत्र में हिमालय में मरखा घाटी के अंत में स्थित एक पर्वत है।
- यह हेमिस नेशनल पार्क में स्थित है।
- पहाड़ के दो मुख्य शिखर हैं, निचली पश्चिमी चोटी (कांग यात्ज़े II) आसान है और अधिक बार चढ़ाई की जाती है, हालांकि लगभग 6200 मीटर कम है।
- उच्च पूर्वी शिखर सच्चा शिखर है (कांग यात्ज़े I), हालांकि कम बार चढ़ता है क्योंकि यह तकनीकी रूप से कठिन चाकू-धार के पार है।

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी

नियामक सैंडबॉक्स

- कई सरकारों और नियामक निकायों ने एआई नवाचार को बढ़ावा देने और जिम्मेदार विकास सुनिश्चित करने के बीच संतुलन बनाने के लिए "एआई नियामक सैंडबॉक्स" जैसे अभिनव दृष्टिकोणों की ओर रुख किया है।
- नियामक सैंडबॉक्स एक नियंत्रित नियामक वातावरण में नए उत्पादों या सेवाओं के लाइव परीक्षण को संदर्भित करता है।
- यह दृष्टिकोण नीति निर्माताओं के लिए एक मूल्यवान उपकरण के रूप में कार्य करता है, जो उन्हें उभरती प्रौद्योगिकियों से जुड़े फायदे और संभावित जोखिमों के बारे में अनुभवजन्य साक्ष्य प्रदान करता है।

निसार सैटेलाइट

- निसार सैटेलाइट के इस साल के अंत में लॉन्च होने की संभावना है, इसरो चीफ ने पुष्टि की।
- सहयोगात्मक मिशन: NISAR (NASA-ISRO सिंथेटिक एपर्चर रडार) नासा और ISRO के बीच एक सहयोगी मिशन है।

- रडार इमेजिंग: यह पृथ्वी की सतह के विस्तृत अवलोकन प्रदान करने के लिये दोहरी आवृत्ति सिंथेटिक एपर्चर रडार ले जाएगा, जिससे समय के साथ परिवर्तनों की निगरानी की जा सकेगी।
- वैज्ञानिक लक्ष्य: NISAR का उद्देश्य प्राकृतिक खतरों, पारिस्थितिकी तंत्र की गड़बड़ी और भूकंप, ज्वालामुखी और बर्फ की चादर के ढहने जैसी गतिशील प्रक्रियाओं का अध्ययन करना है।
- फ्रीक्वेंसी बैंड: NISAR L-बैंड (लगभग 24 सेंटीमीटर की तरंग दैर्ध्य) और S-बैंड (लगभग 4 सेंटीमीटर की तरंग दैर्ध्य) पर काम करेगा, जो पृथ्वी की सतह के बारे में पूरक जानकारी प्रदान करेगा।
- जलवायु परिवर्तन: मिशन ग्लेशियरों और बर्फ की चादरों में परिवर्तन को भी ट्रैक करेगा, जो जलवायु परिवर्तन अनुसंधान में योगदान देगा।

जीपीटी-4o

- ओपनएआई ने अपना नवीनतम वृहद भाषा मॉडल (एलएलएम) जीपीटी-40 पेश किया, जिसे अब तक का सबसे तेज और सबसे शक्तिशाली एआई मॉडल बताया गया है।
- GPT-40 ('o' का अर्थ है 'ओमनी') को मानव-कंप्यूटर इंटरैक्शन को बढ़ाने के लिए विकसित किया गया है।
- यह उपयोगकर्ताओं को टेक्स्ट, ऑडियो और छवि के किसी भी संयोजन को इनपुट करने और समान प्रारूपों में प्रतिक्रियाएं प्राप्त करने देता है।
- यह GPT-40 को एक मल्टीमॉडल अल मॉडल बनाता है - पिछले मॉडलों से एक महत्वपूर्ण छलांग। यह उपयोगकर्ताओं को रीयल-टाइम अनुवाद से लेकर रीयलटाइम बोली जाने वाली बातचीत तक कई तरह के कार्यों में सहायता कर सकता है।
- अपने पूर्ववर्तियों के विपरीत, जिन्हें विभिन्न कार्यों को संभालने के लिए कई मॉडलों की आवश्यकता होती है, GPT-40 विभिन्न तौर-तरीकों - पाठ, दृष्टि और ऑडियो में प्रशिक्षित एकल मॉडल का उपयोग करता है।

Igla-S VSHORAD प्रणाली

- सेना रूसी इग्ला-एस बहुत कम दूरी की वायु रक्षा प्रणालियों (VSHORAD) का एक और सेट प्राप्त करने के लिए तैयार है।
- SA-24 ग्रिंच के रूप में भी जाना जाता है, रूसी निर्मित सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइल प्रणाली
- 2000 के दशक की शुरुआत में विकसित पहले के इग्ला (SA -18) प्रणाली का उन्नत संस्करण। अपने पूर्ववर्ती की तुलना में, Igla-S एक लंबी दूरी और बढ़ी हुई घातकता प्रदान करता है।
- यह प्रणाली 6,000 मीटर तक की दूरी पर लक्ष्य को संलग्न कर सकती है, जिसमें 3,500 मीटर तक की प्रभावी लक्ष्यीकरण क्षमताएं हैं।
- Igla-S बेहतर लक्ष्य अधिग्रहण और वारहेड तकनीक से लैस है, जो इसे हवाई खतरों के खिलाफ अधिक प्रभावी बनाता है।

कोलोरेक्टल कैंसर

- एक अध्ययन में पाया गया है- कोलोरेक्टल कैंसर का खतरा उन लोगों में अधिक लगता है जो 'आम तौर पर मोटे होते हैं'
- कोलोरेक्टल कैंसर, जिसे कोलन या रेक्टल कैंसर भी कहा जाता है, एक प्रकार का कैंसर है जो कोलन या मलाशय में शुरू होता है, जो बड़ी आंत के हिस्से होते हैं।
- यह दुनिया भर में पाए जाने वाले सबसे आम कैंसर में से एक है।
- आमतौर पर, यह बृहदान्त्र या मलाशय के अंदर पॉलीप्स नामक छोटे, गैर-कैंसर वाले विकास के रूप में शुरू होता है। समय के साथ, इनमें से कुछ पॉलीप्स कैंसर में बदल सकते हैं।

गांजा

- अमेरिकी प्रशासन ने औपचारिक रूप से मारिजुआना को कम खतरनाक अनुसूची III दवा के रूप में पुनर्वर्गीकृत करने का प्रस्ताव दिया है।
- वानस्पतिक जानकारी: वानस्पतिक जानकारी: मारिजुआना, जिसे कैनाबिस के नाम से भी जाना जाता है, कैनाबेसी परिवार की एक वनस्पति प्रजाति है।

इसका प्राथमिक मनो-सक्रिय घटक टेट्राहाइड्रोकैनाबिनोल (THC) है।

- भारत में कानूनी स्थिति: नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस (NDPS) अधिनियम 1985 के तहत, कुछ पारंपरिक और औषधीय उपयोगों के अपवाद के साथ, मारिजुआना का उत्पादन, बिक्री और उपयोग भारत में काफी हद तक अवैध है।
- चिकित्सा उपयोग: कानूनी प्रतिबंधों के बावजूद, मारिजुआना को औषधीय गुणों के लिए मान्यता प्राप्त है और इसका उपयोग दुनिया के विभिन्न हिस्सों में क्रोनिक दर्द, मिर्गी और मल्टीपल स्क्लेरोसिस जैसी स्थितियों के इलाज के लिए किया जाता है।

AK-203 राइफल्स

- रूस के साथ सौदे के बाद भारतीय सेना को रूसी AK-203 असॉल्ट राइफलें मिलनी शुरू हो गई हैं।
- इंडियन स्मॉल आर्म्स सिस्टम (INSAS) 5.56x45 mm असॉल्ट राइफल को AK-203 असॉल्ट राइफल से बदलने की उम्मीद है, जिसे AK-47 राइफल का सबसे परिष्कृत संस्करण माना जाता है।
- रूस और भारत के बीच एक संयुक्त उद्यम - इंडो-रशियन राइफल्स प्राइवेट लिमिटेड (आईआरआरपीएल) एके -203 राइफल का उत्पादन करता है। इसकी स्थापना 2019 में भारत के पूर्ववर्ती OFB [अब एडवांस्ड वेपन्स एंड इक्विपमेंट इंडिया लिमिटेड (AWEIL) और मुनिशन्स इंडिया लिमिटेड (MIL)] और रूस के रोसोबोरोनेक्सपोर्ट और कलाश्निकोव के बीच संयुक्त रूप से की गई थी।
- यह मॉडल, जो उपलब्ध सर्वोत्तम असॉल्ट राइफलों में से एक है, उत्कृष्ट एर्गोनॉमिक्स, विभिन्न निशानेबाजों के लिए अनुकूलन क्षमता और उच्च-प्रदर्शन सुविधाओं को जोड़ती है।
- संयुक्त उद्यम का इरादा यह गारंटी देना है कि सभी AK-203 राइफल उत्पादन स्थानीय रूप से भारत को दिए जाते हैं।

कैल्शियम कार्बाइड

- भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (FSSAI) ने फलों के कृत्रिम रूप से पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड पर प्रतिबंध का सख्ती से अनुपालन सुनिश्चित करने के लिए खाद्य व्यापार ऑपरेटरों (FBO) को सतर्क किया है।
- यह एक पदार्थ है जिसका सूत्र CaC2 है।
- इसे "मसाला" भी कहा जाता है, और यह फल के लिए पकने वाला एजेंट है।
- एक विद्युत चाप भट्टी में, चूने और कार्बन के मिश्रण को बनाने के लिए 2000 से 2100°C (3632 से 3812°F) तक गर्म किया जाता है।
- खाद्य सुरक्षा और मानक (बिक्री पर निषेध और प्रतिबंध) विनियमन, 2011 उप-विनियमन में खंड के अनुसार, इसे मना किया गया है।
- यह एसिटिलीन गैस उत्पादन प्रक्रिया के साथ-साथ खनन और धातु उद्योगों में कार्यरत है।
- एसिटिलीन गैस का उत्पादन, इस अत्यधिक प्रतिक्रियाशील रसायन का उपयोग कृत्रिम रूप से फसलों को पकाने के लिए किया जाता है।

कोपरनिकस कार्यक्रम

- ईरानी राष्ट्रपति इब्राहिम रायसी के हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद, यूरोपीय संघ (EU) ने ईरान से सहायता के अनुरोध के बाद, खोज प्रयासों में मदद करने के लिए अपनी रैपिड उपग्रह मैपिंग सेवा को सक्रिय कर दिया।
- कोपरनिकस कार्यक्रम यूरोपीय संघ के अंतरिक्ष कार्यक्रम का हिस्सा है और इसका उद्देश्य सेंटिनल नामक उपग्रहों के एक सेट से डेटा एकत्र करके पृथ्वी और उसके पर्यावरण की निगरानी करना है।
- यह योगदान मिशन (मौजूदा वाणिज्यिक और सार्वजनिक उपग्रहों) और सीटू या गैर-अंतरिक्ष स्रोतों जैसे ग्राउंड स्टेशनों से डेटा भी प्राप्त करता है।
- 1998 में शुरू किए गए कोपरनिकस कार्यक्रम को पहले ग्लोबल मॉनिटरिंग फॉर एनवायरनमेंटल सिक्योरिटी (GMES) कहा जाता था। वर्तमान में, यह यूरोपीय आयोग (EC) द्वारा ईएसए और यूरोपीय पर्यावरण एजेंसी (EEA) के समर्थन से कार्यान्वित किया जाता है।

साइबर सुरक्षा का अभ्यास करें

- चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) जनरल अनिल चौहान ने 22 मई, 2024 को 'साइबर सुरक्षा अभ्यास – 2024' में भाग लिया और भारत की साइबर रक्षा क्षमताओं को मजबूत करने के महत्व को रेखांकित किया।

- यह रक्षा साइबर एजेंसी द्वारा आयोजित किया जा रहा है।
- इसका उद्देश्य सभी साइबर सुरक्षा संगठनों की साइबर रक्षा क्षमता को और विकसित करना और सभी हितधारकों के बीच तालमेल को बढ़ावा देना है।
- यह विभिन्न सैन्य और प्रमुख राष्ट्रीय संगठनों के प्रतिभागियों के बीच सहयोग और एकीकरण बढ़ाने पर केंद्रित है।
- इसका उद्देश्य प्रतिभागियों को उनके साइबर रक्षा कौशल, तकनीकों और क्षमताओं को बढ़ाकर सशक्त बनाना है; सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करें, और एक एकीकृत और मजबूत साइबर रक्षा मुद्रा की दिशा में काम करें। यह साइबर रक्षा ढांचे की योजना और तैयारी में संयुक्तता और तालमेल को बढ़ावा देगा।

प्राथमिक अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस (PAM)

- केरल के कोझिकोड में प्राइमरी अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस (पीएएम) से पांच साल की बच्ची की मौत हो गई।
- नेगलेरिया फाउलेरी एक एकल-कोशिका वाला जीव है जो प्राइमरी अमीबिक मेनिंगोएन्सेफलाइटिस (पीएएम) का कारण बनता है।
- यह एक स्वतंत्र रूप से रहने वाला अमीबा है जो दुनिया भर में गर्म मीठे पानी के निकायों - झीलों और नदियों, और दुर्लभ मामलों में, खराब रखरखाव वाले स्विमिंग पूल और मनोरंजक स्थानों में पाया जाता है। वे 46 डिग्री सेल्सियस तक के गर्म वातावरण में कम समय तक जीवित रहते हैं।
- एन फाउलेरी से संक्रमण ज़्यादातर तब होता है जब दूषित पानी नाक से अंदर जाता है और घ्राण तंत्रिका ऊतक में प्रवेश करता है। अमीबा फिर मस्तिष्क तक पहुँचता है, जहाँ यह मस्तिष्क के ऊतकों को सूजने का कारण बनता है, और अंततः उसे नष्ट कर देता है।

• PAM के लिए अभी तक कोई प्रभावी उपचार नहीं बनाया गया है। वर्तमान में, एंटीफंगल दवा एम्फो-टेरिसिन बी सबसे अधिक इस्तेमाल की जाने वाली दवा है। यह एन फाउलरी कोशिका से जुड़ती है और अंततः उसे मार देती है। हालाँकि, इस उपचार के साथ भी, PAM की मृत्यु दर 95-97% है।

कार्बन फाइबर

- हाल ही में उपराष्ट्रपति ने बेंगलुरु में कार्बन फाइबर एवं प्रीप्रेग्स केंद्र की आधारशिला रखी।
- यह कार्बन के पतले, मजबूत क्रिस्टलीय तंतुओं से बना पदार्थ है, जिसमें मूलतः कार्बन परमाणु लंबी श्रृंखलाओं में एक साथ बंधे होते हैं।

  गुण
  - इसमें कठोरता और कठोरता-भार अनुपात उच्च है।
  - इसमें उच्च तन्यता ताकत और ताकत-से-वजन अनुपात है।
  - इसमें विशेष रेजिन के साथ उच्च तापमान सहिष्णुता है।
  - इसमें कम तापीय विस्तार होता है।
  - इसमें उच्च रासायनिक प्रतिरोध भी है।
  - फाइबर बेहद कठोर, मजबूत और हल्के होते हैं, और उत्कृष्ट संरचनात्मक सामग्री बनाने के लिए कई प्रक्रियाओं में उपयोग किए जाते हैं।
  - वर्तमान में, भारत किसी भी कार्बन फाइबर का उत्पादन नहीं करता है, जो पूरी तरह से अमेरिका, फ्रांस, जापान और जर्मनी जैसे देशों से आयात पर निर्भर है।
- अनुप्रयोगों
  - यह लड़ाकू विमानों की नाक, नागरिक हवाई जहाज, ड्रोन फ्रेम, कार चेसिस और आग प्रतिरोधी निर्माण सामग्री जैसे विभिन्न अनुप्रयोगों के लिए आवश्यक है।
  - यह तकनीकी वस्त्रों में एक महत्वपूर्ण सामग्री है और इसकी उच्च शक्ति और हल्के गुणों के लिए जाना जाता है।

नासा का प्रीफायर मिशन

- 25 मई को, नासा ने PREFIRE मिशन के हिस्से के रूप में दो जलवायु उपग्रहों में से पहला लॉन्च किया।
- PREFIRE (पोलर रेडिएंट एनर्जी इन द फार-इन्फ्रारेड एक्सपेरिमेंट), नासा और विस्कॉन्सिन-मैडिसन विश्वविद्यालय के बीच एक सहयोगी प्रयास है। मिशन का उद्देश्य पृथ्वी के ध्रुवों पर गर्मी उत्सर्जन का अध्ययन करना है।
- यह क्यूबसैट का उपयोग करता है। क्यूबसैट 10 सेमी x 10 सेमी x 10 सेमी के मानक आकार वाले लघु उपग्रह हैं, जिन्हें "1U" के रूप में जाना जाता है।
- वे आमतौर पर 1.33 किलोग्राम से अधिक वजन नहीं करते हैं।
- मिशन की आवश्यकताओं के आधार पर, क्यूबैट्स को विभिन्न आकारों जैसे 1.5, 2, 3, 6, या 12 इकाइयों (यू) में बनाया जा सकता है।

माइक्रोसेफली

- यह पता चला है कि SASS 6 (स्पिंडल असेंबली असामान्य प्रोटीन 6) के रूप में जाना जाने वाला एक जीन और इसकी विविधताएं एक विकास प्रक्रिया के लिए आवश्यक हैं जिसके परिणामस्वरूप "माइक्रोसेफली" होता है।
- माइक्रोसेफली वाले शिशु का सिर सामान्य से बहुत छोटा होता है।
- यह बौद्धिक कठिनाइयों, एटिपिकल चेहरे के लक्षण, खराब मोटर कौशल, खराब भाषण और एक छोटे मस्तिष्क से जुड़ा हुआ है।
- विकासात्मक उत्पत्ति: यह माना जाता है कि मस्तिष्क के विकास के सबसे उन्नत चरण के दौरान भ्रूण में बीमारी शुरू होती है। न्यूरॉन-नियत कोशिकाएं नियमित रूप से विभाजित करने में असमर्थ हैं।
- निदान: प्रसव से पहले माइक्रोसेफली की पहचान करने के लिए एमआरआई और भ्रूण के अल्ट्रासाउंड का उपयोग किया जा सकता है।
- जब शोधकर्ताओं ने सी एलिगेंस भ्रूण में एसएएसएस 6 जीन को दबा दिया, तो उन्होंने पाया कि कोशिकाएं नए सेंट्रीओल्स को इकट्ठा करने में विफल रहीं, जिसके परिणामस्वरूप गिरफ्तार विकास हुआ।

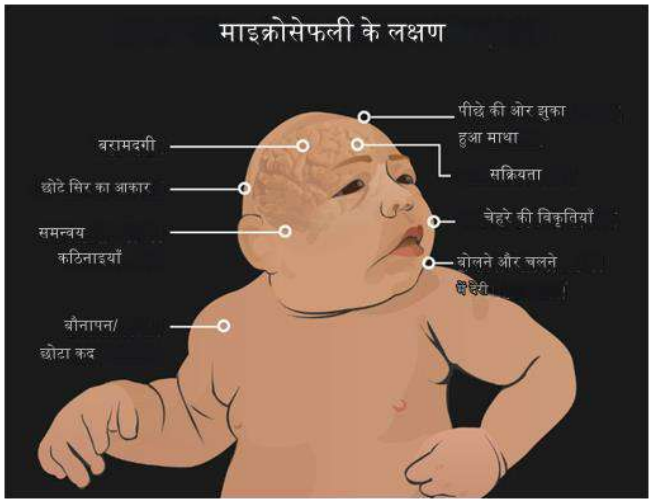

रुद्र – II

- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (DRDO) ने स्वदेशी रूप से विकसित रुद्र एम -2 हवा से सतह पर मार करने वाली मिसाइल का सफलतापूर्वक परीक्षण किया।
- रुद्र-2 स्वदेश में विकसित ठोस प्रणोदक हवा से प्रक्षेपित मिसाइल प्रणाली है जिसका उद्देश्य कई प्रकार की शत्रु संपत्तियों को बेअसर करने के लिए हवा से सतह पर काम करना है।
- रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन की विभिन्न प्रयोगशालाओं द्वारा विकसित अनेक अत्याधुनिक स्वदेशी प्रौद्योगिकियों को प्रक्षेपास्त्र प्रणाली में शामिल किया गया है।
- रुद्रम-इल को भारत के दो सबसे शक्तिशाली लड़ाकू विमानों, सुखोई -30 और मिराज -2000 से लॉन्च करने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जो भारतीय वायु सेना (IAF) की मारक क्षमता में रणनीतिक वृद्धि को चिह्नित करता है।
- मिसाइल 300 किलोमीटर की प्रभावशाली परिचालन सीमा का दावा करती है, जिससे यह बेजोड़ सटीकता और प्रभावशीलता के साथ दूर के लक्ष्य तक पहुंचने में सक्षम है।

राज्यव्यवस्था

एमपीलैड योजना

- पिछले 10 वर्षों में, दिल्ली के सात निर्वाचन क्षेत्रों से चुने गए लोकसभा सदस्यों ने संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास (MPLAD) योजना के तहत अपने 311.5 करोड़ रुपये के फंड से 100 करोड़ रुपये का उपयोग नहीं किया है।
- MPLAD योजना 1993 में शुरू की गई थी। इसका उद्देश्य सांसद को टिकाऊ परिसंपत्तियों के निर्माण पर जोर देने के साथ स्थानीय रूप से महसूस की गई जरूरतों के आधार पर पूंजीगत प्रकृति के विकासात्मक कार्यों का सुझाव देने और निष्पादित करने में सक्षम बनाना है।
- 2011-12 से प्रत्येक सांसद को प्रति वर्ष 5 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं। एमओएसपीआई जिला अधिकारियों को धन वितरित करता है, न कि सीधे सांसदों को।
- राज्य सभा के निर्वाचित सदस्य जो पूरे राज्य का प्रतिनिधित्व करते हैं, जैसा कि वे करते हैं, एक या अधिक जिलों में कार्यान्वयन के लिए कार्यों का चयन कर सकते हैं, जैसा वे चुन सकते हैं।
- लोक सभा और राज्य सभा के मनोनीत सदस्य भी देश में कहीं भी एक या अधिक जिलों में कार्यान्वयन के लिए कार्यों का चयन कर सकते हैं।
- सांसद राष्ट्रीय एकता, सद्भाव और भाईचारे को बढ़ावा देने के लिए अपने निर्वाचन क्षेत्र या चुनाव के राज्य के बाहर प्रति वर्ष 25 लाख रुपये तक के काम की सिफारिश कर सकते हैं।

- एक राज्य स्तरीय नोडल विभाग चुना जाता है, जो पर्यवेक्षण और निगरानी और लाइन विभागों के साथ समन्वय बनाए रखने के लिए जिम्मेदार होता है।

सामाजिक न्याय

राष्ट्रीय दूर-मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम

- भारत में राष्ट्रीय टेली-मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम एक महत्वपूर्ण अवस्था तक पहुंच गया है, जिसके टेली-मानस टोल-फ्री नंबर पर 10 लाख से अधिक कॉल प्राप्त हुए हैं, जो प्रति दिन औसतन 3,500 कॉल हैं।
  लॉन्च तिथि: अक्टूबर 2022
  उद्देश्य:
    - देश भर में 24/7 उपलब्ध निःशुल्क टेली-मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना।
    - दूरदराज और वंचित क्षेत्रों में लोगों तक पहुंचने पर ध्यान केंद्रित करना।
    - कवरेज: 31 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 42 सक्रिय टेली मानस सेल।
- सुलभता:
    - सेवाएं टोल-फ्री नंबरों के माध्यम से उपलब्ध हैं।
    - उपयोगकर्ता 20 भाषाओं में से चुन सकते हैं।
- सुव्यवस्थित करना:
    - टियर 1: प्रशिक्षित परामर्शदाताओं और मानसिक स्वास्थ्य विशेषज्ञों के साथ राज्य टेली-मानस सेल।
    - टियर 2: शारीरिक परामर्श के लिए जिला मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम (DMHP) या मेडिकल कॉलेजों के विशेषज्ञ या ऑडियो-विजुअल परामर्श के लिए ई-संजीवनी।

अंतर्राष्ट्रीय संबंध

नैरोबी घोषणा

- हाल ही में, अफ्रीकी राष्ट्रपतियों ने उर्वरक और मिट्टी के स्वास्थ्य पर नैरोबी घोषणा का समर्थन किया है।
  नैरोबी घोषणा
- नैरोबी घोषणा को COP 28 और उससे आगे की वैश्विक जलवायु परिवर्तन प्रक्रिया में अफ्रीका की सामान्य स्थिति के आधार के रूप में अपनाया गया था।
- "नैरोबी घोषणा" नैरोबी में पहले अफ्रीका जलवायु शिखर सम्मेलन (ACS23) का परिणाम था, जिसने महाद्वीप को महत्वपूर्ण अंतर्राष्ट्रीय व्यस्तताओं से पहले एक एकीकृत आवाज दी।
- नैरोबी शिखर सम्मेलन मुख्य रूप से स्वच्छ ऊर्जा में निवेश को अनलॉक करने के आह्वान पर केंद्रित था। शिखर सम्मेलन ने $ 23 बिलियन के अनुदान और निवेश प्रतिज्ञाओं को आकर्षित किया था।

साहेल राज्यों का गठबंधन (AES)

- बुर्किना फासो, माली और नाइजर ने रूस के साथ घनिष्ठ संबंध तलाशने के लिए पूर्व औपनिवेशिक शासक फ्रांस से मुंह मोड़ने के बाद एक परिसंघ बनाने की योजना को अंतिम रूप दिया है।
- जनवरी में, तीनों देशों ने इकोनॉमिक कम्युनिटी ऑफ वेस्ट अफ्रीकन स्टेट्स (ECOWAS) से अपने प्रस्थान की घोषणा की, फ्रांसीसी प्रभाव में होने के लिए इसकी आलोचना की और अपने स्वयं के क्षेत्रीय समूह स्थापित करने का निर्णय लिया।
- ये तीन राष्ट्र, सभी पूर्व फ्रांसीसी उपनिवेश, हाल ही में सैन्य शासन से आगे निकल गए थे।
- बुर्किना फासो, माली और नाइजर ने साहेल राज्यों के गठबंधन (एईएस) के परिसंघ का गठन किया है और रूस के साथ घनिष्ठ संबंधों की मांग कर रहे हैं। Liptako-Gourma चार्टर साहेल राज्यों के गठबंधन (AES) की स्थापना करता है।

अंटार्कटिक संधि

- भारत कोच्चि में 20-30 मई तक 46 वीं अंटार्कटिक संधि सलाहकार बैठक (एटीसीएम 46) की मेजबानी कर रहा है, जिसे अंटार्कटिक संसद के रूप में भी जाना जाता है।
- अंटार्कटिक संधि पर 1959 में 12 देशों द्वारा हस्ताक्षर किए गए थे और यह 1961 में लागू हुई थी।
- अब भारत सहित इसके 56 सदस्य देश हैं, जो 1983 में शामिल हुए थे।
- संधि अंटार्कटिका को वैज्ञानिक अनुसंधान के लिए स्वतंत्रता के साथ एक शांतिपूर्ण, गैर-सैन्यीकृत क्षेत्र के

रूप में नामित करती है और परमाणु परीक्षण और रेडियोधर्मी अपशिष्ट निपटान को प्रतिबंधित करती है।

अंतर्राष्ट्रीय अपराध न्यायालय

- अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय के मुख्य अभियोजक ने कहा कि वह इजरायल और हमास के नेताओं के लिए गिरफ्तारी वारंट की मांग कर रहे हैं।
- इसकी नींव और शासी पाठ, अंतर्राष्ट्रीय आपराधिक न्यायालय के 1998 रोम संविधि ने इसे स्थापित किया। क़ानून 1 जुलाई, 2002 को लागू हुआ और उस दिन इसका संचालन शुरू हुआ।
- यह देखता है और, जहां आवश्यक हो, उन सबसे गंभीर अपराधों के आरोपियों पर मुकदमा चलाता है जिनके बारे में विश्व समुदाय चिंतित है: मानवता के खिलाफ अपराध, युद्ध अपराध, नरसंहार और आक्रामकता।
- हेग, नीदरलैंड इसका मुख्यालय है।
- न्यायालय अठारह न्यायाधीशों से बना है, जिनमें से प्रत्येक को गैर-नवीकरणीय नौ साल के जनादेश के लिए चुना गया है और एक अलग सदस्य राष्ट्र से है।
- अभियोजक का कार्यालय (OTP) न्यायालय के अधिकार क्षेत्र के भीतर अपराधों पर रेफरल और किसी भी प्रमाणित जानकारी को प्राप्त करने के लिए जिम्मेदार है।

फिलिस्तीन राज्य मान्यता

- आयरलैंड, नॉर्वे और स्पेन ने घोषणा की कि वे औपचारिक रूप से फिलिस्तीन राज्य को मान्यता देंगे।
- आयरलैंड का मानना था कि एक फिलिस्तीनी राज्य को मान्यता देने से पश्चिम एशिया में शांति और सुलह होगी।
- यूरोपीय देशों की ओर से यह घोषणा संयुक्त राष्ट्र महासभा में 193 में से 143 देशों द्वारा फिलिस्तीन राज्य के लिए संयुक्त राष्ट्र की पूर्ण सदस्यता के लिए मतदान करने के हफ्तों बाद आई है।
- फिलिस्तीनी लोगों के एकमात्र वैध प्रतिनिधि के रूप में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देखे जाने वाले फिलिस्तीन लिबरेशन ऑर्गनाइजेशन ने यूरोपीय कदमों को "ऐतिहासिक" बताया।

संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (UNWFP)

- कनाडा, ब्राजील, ऑस्ट्रेलिया और ब्रिटेन ने भारत से विश्व व्यापार संगठन (WTO) में यह स्पष्ट करने के लिए कहा है कि क्या उसने अपने चावल निर्यातकों को संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) में भाग लेने से रोका है।
- विश्व खाद्य कार्यक्रम (WFP) एक संयुक्त राष्ट्र एजेंसी है जो भूख मिटाने और वैश्विक खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए समर्पित है।
- 1961 में स्थापित, WFP अपनी तरह का सबसे बड़ा मानवीय संगठन है। यह सतत विकास लक्ष्य 2 के मार्गदर्शन में संचालित होता है, जो 2030 तक भूख उन्मूलन, खाद्य सुरक्षा की उपलब्धि, बेहतर पोषण और स्थायी कृषि को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखता है।
- डब्ल्यूएफपी 120 से अधिक देशों में सक्रिय है, आपात स्थिति के दौरान महत्वपूर्ण खाद्य सहायता प्रदान करता है और पोषण में सुधार और लचीलापन बनाने के लिए समुदायों के साथ काम करता है।
- संगठन को सरकारों, निगमों और निजी दाताओं से स्वैच्छिक योगदान के माध्यम से वित्त पोषित किया जाता है।
- संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (यूएनडीपी) के एक सदस्य, डब्ल्यूएफपी का मुख्यालय रोम, इटली में स्थित है।
- WFP भारत में वर्ष 1963 से कार्यरत है और इसे वर्ष 2020 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।

केरेम शालोम

- हाल ही में, मिस्र ने संयुक्त राष्ट्र को केरेम शालोम क्रॉसिंग के माध्यम से अस्थायी आधार पर गाजा में मानवीय सहायता प्रदान करने की अनुमति दी।
- केरेम शालोम सीमा पार दो सीमा खंडों के जंक्शन पर एक सीमा पार है: एक गाजा पट्टी और इज़राइल के बीच, और एक गाजा पट्टी और मिस्र के बीच।
- इसका उपयोग इजरायल या मिस्र से गाजा पट्टी तक माल ले जाने वाले ट्रकों द्वारा किया जाता है।

यूरोप का एआई कन्वेंशन

- यूरोप की परिषद (सीओई) ने 17 मई को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मानवाधिकार, लोकतंत्र और कानून के शासन (एआई कन्वेंशन) पर फ्रेमवर्क कन्वेंशन को अपनाया।

- यह सम्मेलन एआई शासन को मानव अधिकारों और लोकतंत्र से जोड़ने वाला एक व्यापक समझौता है।
- यह 5 सितंबर को हस्ताक्षर के लिए खुला होगा।
- सीओई, 46 सदस्यों के साथ एक अंतर सरकारी संगठन, 1949 में गठित किया गया था।
- एआई सम्मेलन मानवाधिकारों, लोकतंत्र और कानून के शासन को प्रभावित करने वाली एआई जीवनचक्र गतिविधियों को कवर करता है।
- अनुच्छेद 3.2, 3.3, और 3.4 राष्ट्रीय सुरक्षा, अनुसंधान, विकास, परीक्षण और राष्ट्रीय रक्षा के लिए छूट प्रदान करते हैं।
- एआई के सैन्य अनुप्रयोगों को कवर नहीं किया गया है।
- पार्टियों से मानव अधिकारों, लोकतांत्रिक अखंडता और कानून के शासन की रक्षा करने की उम्मीद की जाती है (अनुच्छेद 4 और 5)।

यूरोप में पारंपरिक सशस्त्र बलों पर संधि (CFE)

- बेलारूस सरकार ने एक संधि में बेलारूस की भागीदारी को निलंबित करने वाले एक डिक्री पर हस्ताक्षर किए हैं जो यूरोप में पारंपरिक बलों की तैनाती को सीमित करता है।
- नाटो और वारसा संधि दोनों के 22 सदस्य राज्यों द्वारा 1990 में हस्ताक्षर किए गए। इसका उद्देश्य अटलांटिक से यूराल पर्वत तक पारंपरिक बलों (टैंक, तोपखाने, विमान, आदि) का संतुलन स्थापित करना था, जिससे यूरोप में बड़े पैमाने पर आश्चर्यजनक हमलों का खतरा कम हो सके।
- CFE में बल सीमाओं के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए साइट पर निरीक्षण के साथ एक मजबूत सत्यापन व्यवस्था शामिल थी। इससे गुटों के बीच विश्वास और भरोसे को बढ़ावा मिला।

विश्व स्वास्थ्य सभा

- सत्तरवीं विश्व स्वास्थ्य सभा 27 मई - 1 जून 2024 को जिनेवा, स्विट्जरलैंड में आयोजित की जा रही है। इस वर्ष की स्वास्थ्य सभा का विषय है: सभी स्वास्थ्य के लिए, स्वास्थ्य के लिए सब।
- विश्व स्वास्थ्य सभा WHO की निर्णय लेने वाली संस्था है।
- इसमें सभी डब्ल्यूएचओ सदस्य राज्यों के प्रतिनिधिमंडल भाग लेते हैं और कार्यकारी बोर्ड द्वारा तैयार किए गए एक विशिष्ट स्वास्थ्य एजेंडे पर ध्यान केंद्रित करते हैं।
- विश्व स्वास्थ्य सभा के मुख्य कार्य संगठन की नीतियों का निर्धारण करना, महानिदेशक की नियुक्ति करना, वित्तीय नीतियों की निगरानी करना और प्रस्तावित कार्यक्रम बजट की समीक्षा और अनुमोदन करना है।

एशियाई विकास बैंक (ADB)

- एशियाई विकास बैंक (ADB) ने विभिन्न परियोजनाओं के लिये वर्ष 2023 में भारत को संप्रभु ऋण देने में 2.6 बिलियन डॉलर (लगभग 21,500 करोड़ रुपए) की प्रतिबद्धता व्यक्त की।
- स्थापना: ADB की स्थापना 19 दिसंबर 1966 को हुई थी।
- मिशन: इसका मुख्य लक्ष्य एशिया-प्रशांत क्षेत्र में आर्थिक विकास और सहयोग को बढ़ावा देना है।
- कार्यों
    - वित्तीय सहायता: सामाजिक और आर्थिक विकास का समर्थन करने के लिए ऋण, तकनीकी सहायता, अनुदान और इक्विटी निवेश प्रदान करता है।
    - निजी क्षेत्र की परियोजनाएं: कुछ निजी क्षेत्र की परियोजनाओं और सार्वजनिक-निजी भागीदारी को वित्तपोषित करती हैं।
    - नीति संवाद: नीतिगत संवाद की सुविधा प्रदान करता है और सदस्य देशों को सलाहकार सेवाएं प्रदान करता है।
    - सह-वित्तपोषण: सह-वित्तपोषण संचालन में संलग्न है, आधिकारिक, वाणिज्यिक और निर्यात क्रेडिट स्रोतों से संसाधनों का संयोजन करता है।
- मुख्यालय: मनीला, फिलीपींस में स्थित है।
- सदस्य: 1966 में 31 सदस्यों के साथ शुरू हुआ और अब इसमें 68 सदस्य हैं, जिनमें एशिया और प्रशांत क्षेत्र से 49 और क्षेत्र के बाहर से 19 शामिल हैं।

बचत

थोक मूल्य सूचकांक

- भारत की थोक मूल्य मुद्रास्फीति अप्रैल में 13 महीने के उच्च स्तर 1.26% पर पहुंच गई, जो मार्च में 0.53% थी।
- मुद्रास्फीति का मापन: थोक मूल्य सूचकांक (WPI) थोक स्तर पर थोक में बेची जाने वाली वस्तुओं की कीमतों में औसत परिवर्तन को मापता है।
- आधार वर्ष: भारत में WPI की गणना 2011-12 को आधार वर्ष मानकर की जाती है।
- वर्गीकृत वस्तु: इसमें तीन प्रमुख समूहों में वर्गीकृत वस्तुओं की एक विस्तृत श्रृंखला शामिल है: प्राथमिक लेख, ईंधन और बिजली, और निर्मित उत्पाद।

- WPI का प्रकाशन आर्थिक सलाहकार कार्यालय, उद्योग संवर्धन और आंतरिक व्यापार विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा किया जाता है।

भारत का अस्थिरता सूचकांक

- इंडिया VIX, जो निकट अवधि में बाजार की अस्थिरता की उम्मीद का संकेतक है, 21 अंक से अधिक हो गया है।
- अस्थिरता सूचकांक, VIX या फियर इंडेक्स, निकट अवधि में बाजार की अस्थिरता की अपेक्षा का एक उपाय है। अस्थिरता को अक्सर 'कीमतों में परिवर्तन की दर और परिमाण' के रूप में वर्णित किया जाता है और वित्त में अक्सर जोखिम के रूप में जाना जाता है।
- जैसे ही अस्थिरता कम होती है, अस्थिरता सूचकांक में गिरावट आती है।
- अस्थिरता सूचकांक उस राशि का एक उपाय है जिसके द्वारा अंतर्निहित सूचकांक विकल्पों की ऑर्डर बुक के आधार पर, निकट अवधि में उतार-चढ़ाव की उम्मीद है।
- भारत VIX निफ्टी विकल्पों की ऑर्डर बुक के आधार पर NSE द्वारा गणना की गई एक अस्थिरता सूचकांक है। इसके लिए, निकट और अगले महीने निफ्टी विकल्प अनुबंधों के सर्वश्रेष्ठ बोली-पूछ उद्धरण जो NSE के एफ एंड ओ सेगमेंट पर कारोबार करते हैं, का उपयोग किया जाता है।

संपत्ति पुनर्निर्माण कम्पनियाँ (ARC)

- अनैतिक गतिविधियों में लिप्त होने के विभिन्न आरोपों के बीच, भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने संपत्ति पुनर्निर्माण कंपनियों (ARC) के शीर्ष अधिकारियों को शासन पर ध्यान केंद्रित करने और नैतिक आचरण का पालन करने के लिए कहा।
- एक संपत्ति पुनर्निर्माण कम्पनियाँ एक विशेष वित्तीय संस्थान है जो बैंकों और वित्तीय संस्थानों से एनपीए या खराब संपत्ति खरीदती है ताकि बाद में अपनी बैलेंस शीट को साफ कर सकें।
- वे RBI के तहत पंजीकृत हैं और वित्तीय परिसंपत्तियों के प्रतिभूतिकरण और पुनर्निर्माण और प्रतिभूति ब्याज अधिनियम, 2002 (SARFAESI अधिनियम, 2002) के प्रवर्तन के तहत विनियमित हैं।

बीमा ज़मानत बांड

- NHAI ने NHAI अनुबंधों के लिए बीमा ज़मानत बांड (ISB) के कार्यान्वयन पर नई दिल्ली में एक कार्यशाला का आयोजन किया।
- परिभाषा: बीमा ज़मानत बांड (ISB) एक प्रकार की बीमा पॉलिसी है जो एक लाभार्थी को प्रिंसिपल द्वारा संविदात्मक दायित्वों की पूर्ति की गारंटी देती है, लाभार्थी को नुकसान से बचाती है यदि प्रिंसिपल अनुबंध की शर्तों को पूरा करने में विफल रहता है।
- उद्देश्य: ISB आमतौर पर निर्माण, सरकारी अनुबंधों और अन्य क्षेत्रों में उपयोग किए जाते हैं जहां संविदात्मक प्रदर्शन महत्वपूर्ण होता है। वे वित्तीय आश्वासन और जोखिम प्रबंधन प्रदान करते हैं।
- घटक: एक ISB में तीन पक्ष शामिल होते हैं: प्रिंसिपल (जो बॉन्ड खरीदता है), ओब्लिगी (जो बॉन्ड की सुरक्षा प्राप्त करता है), और ज़मानत (बॉन्ड प्रदान करने वाला इंश्योरर)।

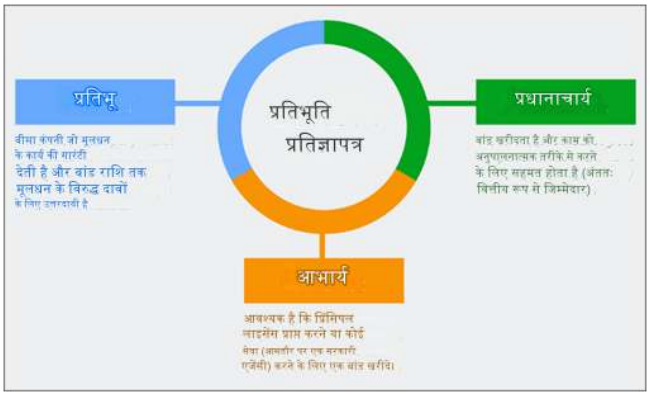

भारतीय मसाला बोर्ड

- भारतीय मसाला बोर्ड यह सुनिश्चित करने के लिए देश में अनेक प्रसंस्करण संयंत्रों का निरीक्षण कर रहा है कि मसाला निर्यात संबंधित निर्यात गंतव्यों की आवश्यकता को पूरा करते हैं।
- मसाला बोर्ड एक सांविधिक निकाय है जिसका गठन पूर्ववर्ती इलायची बोर्ड और मसाला निर्यात संवर्धन परिषद का विलय करके मसाला बोर्ड अधिनियम, 1986 (1986 का 10) के तहत 26-02-1987 से किया गया था।
- यह वाणिज्य विभाग, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में आता है।
- बोर्ड के प्राथमिक कार्यों में छोटी और बड़ी इलायची का विकास, संवर्धन, विकास, मसालों के निर्यात का विनियमन और निर्यात के लिए मसालों की गुणवत्ता पर नियंत्रण शामिल है।

सीमेंट और निर्माण सामग्री के लिए राष्ट्रीय परिषद (NCB)

- नेशनल काउंसिल फॉर सीमेंट एंड बिल्डिंग मैटेरियल्स-इनक्यूबेशन सेंटर (NCB-IC) का हाल ही में उद्घाटन किया गया था।
- नेशनल काउंसिल फॉर सीमेंट एंड बिल्डिंग मैटेरियल्स (NCB), तत्कालीन सीमेंट रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (CRI) की स्थापना 24 दिसंबर 1962 को सीमेंट और निर्माण सामग्री व्यापार और उद्योग से जुड़े अनुसंधान और वैज्ञानिक कार्यों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।
- यह DPIIT, वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण के तहत एक शीर्ष अनुसंधान और विकास संगठन है।
- NCB सीमेंट, संबद्ध निर्माण सामग्री और निर्माण उद्योगों के लिए अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और हस्तांतरण, शिक्षा और औद्योगिक सेवाओं के लिए समर्पित है।

भारतीय मानक ब्यूरो (BIS)

- वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय ने एक अधिसूचना के माध्यम से अपनी स्थिति को दोहराया है कि कुछ इलेक्ट्रॉनिक के आयात को भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) द्वारा निर्धारित मानकों का पालन करना होगा।
- 26 नवंबर 1986 के एक विधायी अधिनियम के माध्यम से, भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) की स्थापना 1 अप्रैल 1987 को की गई थी, जो उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अधीन कार्य कर रहा था।
- BIS माल के मानकीकरण, अंकन और गुणवत्ता प्रमाणन की गतिविधियों के सामंजस्यपूर्ण विकास और उससे जुड़े या आकस्मिक मामलों के लिए जिम्मेदार है।
- बीआईएस का मुख्यालय नई दिल्ली में है। इसके 5 क्षेत्रीय कार्यालय (RO) कोलकाता (पूर्वी), चेन्नई (दक्षिणी), मुंबई (पश्चिमी), चंडीगढ़ (उत्तरी) और दिल्ली (मध्य) में स्थित हैं।

इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (InvIT)

- भारतीय राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण (NHAI) ने 33 सड़क संपत्तियों की एक सांकेतिक सूची जारी की थी, जिसे वह FY25 में NHAI के इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (InvIT) को बिक्री के माध्यम से मोनेटाइज करने की योजना बना रहा है.
- InvITs ऐसे उपकरण हैं जो म्यूचुअल फंड की तरह काम करते हैं। वे कई निवेशकों से छोटी रकम को पूल करने के लिए डिज़ाइन किए गए हैं जो समय की अवधि में नकदी प्रवाह देने वाली परिसंपत्तियों में निवेश करते हैं। इस नकदी प्रवाह का एक हिस्सा निवेशकों को लाभांश के रूप में वितरित किया जाएगा।
- InvITs को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (SEBI) (इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट्स) विनियम, 2014 द्वारा विनियमित किया जाता है।

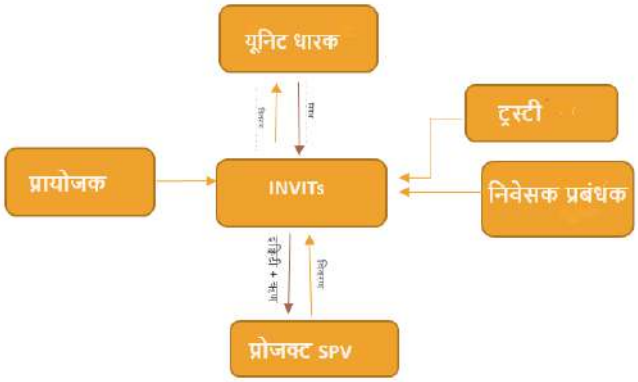

वैकल्पिक निवेश कोष (AIF)

- SEBI ने वैकल्पिक निवेश कोष (AIF) के निवेश पोर्टफोलियो के मूल्यांकन से संबंधित ढांचे पर छूट देने का प्रस्ताव किया है।
- यह किसी भी निजी तौर पर पूल किए गए निवेश फंड को संदर्भित करता है, (चाहे भारतीय या विदेशी स्रोतों से), एक ट्रस्ट या एक कंपनी या एक निकाय कॉर्पोरेट या सीमित देयता भागीदारी (LLP) के रूप में।
- इनमें एंजेल फंड, कमोडिटीज, रियल एस्टेट, वेंचर कैपिटल, प्राइवेट इक्विटी आदि शामिल हैं।
- भारत में, एआईएफ को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (वैकल्पिक निवेश निधि) विनियम, 2012 के विनियमन 2 (1) (बी) में परिभाषित किया गया है।
- AIF की श्रेणियाँ
    - श्रेणी I एआईएफ: स्टार्टअप, शुरुआती उद्यम, सामाजिक उद्यम, एसएमई और सरकार के पसंदीदा क्षेत्रों में निवेश करें। (जैसे, वेंचर कैपिटल फंड, एंजेल फंड, एसएमई फंड)
    - श्रेणी II एआईएफ: सभी एआईएफ को श्रेणी I या III के रूप में वर्गीकृत नहीं किया गया है। (जैसे, रियल एस्टेट फंड, डेट फंड, प्राइवेट इक्विटी फंड); सीमित उत्तोलन की अनुमति है, केवल दिन-प्रतिदिन के संचालन के लिए।
    - श्रेणी III एआईएफ: जटिल व्यापारिक रणनीतियों और उत्तोलन को नियोजित करें। (जैसे, हेज फंड, पाइप फंड); सूचीबद्ध या गैर-सूचीबद्ध डेरिवेटिव में निवेश करें।

इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी)

- ईईपीसी के अनुसार, सुस्त वैश्विक मांग के कारण धातुओं के निर्यात में तेज गिरावट और चीनी इस्पात उत्पादकों से अधिक प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण ने अप्रैल में भारत के इंजीनियरिंग निर्यात को 3.2% नीचे खींच लिया।
- ईईपीसी इंडिया भारत में प्रमुख व्यापार और निवेश संवर्धन संगठन है। यह वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा प्रायोजित है और भारतीय इंजीनियरिंग क्षेत्र को पूरा करता है।
- वर्ष 1955 में स्थापित ईईपीसी इंडिया के सदस्यों की संख्या अब लगभग 8000 है और इसमें मुख्य रूप से 60 प्रतिशत एमएसएमई क्षेत्र से आ रहा है।
- ईईपीसी इंडिया भारत से सोर्सिंग की सुविधा प्रदान करता है और एमएसएमई को अपने मानक को अंतरराष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं के बराबर बढ़ाने के लिए प्रोत्साहित करता है।

गेलेफू स्मार्ट सिटी परियोजना

- भूटान के पीएम ने कहा कि हाल ही में लॉन्च की गई गेलेफू कार्बन नेगेटिव स्मार्ट-सिटी परियोजना भूटान के विकास के लिए जीवन में एक बार मिलने वाला अवसर है।
- यह भारत में असम की सीमा से लगे शहर गेलेफू में एक क्षेत्रीय आर्थिक केंद्र के लिए भूटान की योजना है।
- गेलेफू माइंडफुलनेस सिटी (GMC) भूटान में एक नियोजित कार्बन-तटस्थ शहर है, जो 1,000 वर्ग किलोमीटर में फैला है। यह योजना भूटान के राजा द्वारा दिसंबर 2023 में शुरू की गई थी।
- भूटान का उद्देश्य युवा पलायन जैसी चुनौतियों का समाधान करते हुए पनबिजली और पर्यटन से परे अपनी अर्थव्यवस्था में विविधता लाना है।

पारिस्थितिकी और पर्यावरण

लाल पांडा

- पश्चिम कामेंग जिले के सिंगचुंग उपखंड में ईगलनेस्ट वन्यजीव अभयारण्य (EWS) में लगे एक कैमरा ट्रैप ने हाल ही में एक लाल पांडा को कैद किया।
- लाल पांडा, वैज्ञानिक रूप से ऐलुरस फुलगेंस के रूप में जाना जाता है, मुख्य रूप से शाकाहारी हैं।
- वे फल, जड़ें, घास, एकोर्न, लाइकेन, पक्षियों के अंडे और कीड़े भी खाते हैं।
- लाल पांडा घरेलू बिल्लियों की तुलना में थोड़े बड़े होते हैं और मोटे रसेट फर में ढके भालू जैसा शरीर होता है।
- उनके पास काले पेट और अंग हैं, उनके सिर के किनारों पर और उनकी छोटी आंखों के ऊपर सफेद निशान हैं।
- वे शर्मीले, एकान्त और वृक्षारोपण जानवरों के रूप में जाने जाते हैं, जो अक्सर पेड़ों में रहते पाए जाते हैं।
- वे नेपाल, भारत, भूटान, म्यांमार और चीन में उच्च ऊंचाई वाले जंगलों में निवास करते हैं।
- वे मुख्य रूप से वृक्षारोपण हैं, जल स्रोतों के पास और बांस से घने क्षेत्रों में रहना पसंद करते हैं।
- लाल पांडा का लगभग आधा निवास पूर्वी हिमालय में स्थित है।
- IUCN स्थिति: लुप्तप्राय।

इबेरियन लिंक्स

- स्पेन और पुर्तगाल में जंगली में लुप्तप्राय इबेरियन लिंक्स की संख्या 2020 के बाद से लगभग दोगुनी हो गई है।
- इबेरियन लिंक्स मध्यम आकार के जंगली बिल्ली जीनस लिंक्स के भीतर चार मौजूदा प्रजातियों में से एक है।
- यह दक्षिण-पश्चिमी यूरोप में इबेरियन प्रायद्वीप के लिए स्थानिक है।
- इसे IUCN रेड लिस्ट में लुप्तप्राय के रूप में सूचीबद्ध किया गया है।

ओर्कास

- वैज्ञानिकों ने ओर्कास के व्यवहार में असामान्य बदलाव देखा है जहां वे नावों पर हमला कर रहे हैं, जिससे मनुष्यों के लिए खतरा पैदा हो रहा है।
- ओर्कास दुनिया भर में पाए जाते हैं और उन्हें "किलर व्हेल" के रूप में भी जाना जाता है।
- यह डेल्फिनिडे परिवार, या डॉल्फ़िन का सबसे बड़ा सदस्य है।
- प्रकृति के संरक्षण के लिए अंतर्राष्ट्रीय संघ डेटा की कमी के रूप में ओर्का की संरक्षण स्थिति का आकलन करता है।

लायन-टेल्ड मकाक

- हाल ही में, वालपराई शहर में, लायन टेल्ड मकाक को देखा गया, जो उनके प्राकृतिक आवास से शहरों की लगातार यात्राओं का संकेत देता है।
- लायन टेल्ड मकाक (मकाका सिलेनस) एक पुरानी दुनिया का बंदर है जो दक्षिणी भारत के पश्चिमी घाट का मूल निवासी है।

- वे अपना अधिकांश समय उष्णकटिबंधीय वर्षावन की ऊपरी पहुंच में बिताते हैं।
- इंटरनेशनल यूनिट फॉर कंजर्वेशन ऑफ नेचर (IUCN) के अनुसार यह बताया गया था कि शेर-पूंछ वाले मकाक आबादी के 3000-3500 केरल, तमिलनाडु और कर्नाटक में बिखरे हुए हैं।
- इसकी लाल सूची इसे 'लुप्तप्राय' के रूप में वर्गीकृत करती है।
- खतरे: चाय, नीलगिरी और कॉफी, शिकार, पालतू व्यापार आदि जैसे विदेशी वृक्षारोपण का निर्माण।
- यह वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम, 1972 की अनुसूची I, भाग I के तहत संरक्षित है।

सरिस्का टाइगर रिजर्व

- सुप्रीम कोर्ट ने राजस्थान सरकार को सरिस्का रिजर्व के महत्वपूर्ण बाघ आवास (CTH) की 1 किलोमीटर परिधि के भीतर 68 खानों को बंद करने का आदेश दिया है।
- सरिस्का टाइगर रिजर्व राजस्थान के अलवर जिले का एक हिस्सा है और अरावली पहाड़ियों में स्थित है।
- सरिस्का भारत के प्रोजेक्ट टाइगर का एक हिस्सा बन गया जब इसे 1955 में पहली बार वन्यजीव अभयारण्य के रूप में नामित करने के बाद 1978 में टाइगर रिजर्व के रूप में नामित किया गया था।
- यह बाघों को सफलतापूर्वक स्थानांतरित करने वाला दुनिया का पहला रिजर्व है।
- अजबगढ़, प्रतापगढ़, पांडु पोल, भानगढ़ किला, सिलिसेढ़ झील और जयसमंद झील कुछ ऐतिहासिक मंदिर, महल और झीलें हैं जो सरिस्का में पाई जा सकती हैं।
- सरिस्का की वनस्पति उत्तरी उष्णकटिबंधीय कांटेदार वनों और उत्तरी उष्णकटिबंधीय शुष्क पर्णपाती वनों के समान है।
- बाघ के अलावा, रिजर्व तेंदुए, सांभर, चीतल, नीलगाय आदि सहित अन्य जंगली जीवों की एक विस्तृत श्रृंखला का घर है।

विशालकाय क्लैम

- फिलीपींस ने चीन के तटरक्षक बल द्वारा नियंत्रित विवादित स्कारबोरो शोल में विशाल क्लैम के बड़े पैमाने पर नुकसान के लिए चीनी मछुआरों को दोषी ठहराया।
- क्लैम को नोबल पेन शेल या पिन्ना नोबिलिस के रूप में भी जाना जाता है। विशालकाय क्लैम सबसे बड़े जीवित द्विध्रुवीय मोलस्क हैं।
- दक्षिण प्रशांत और भारतीय महासागरों के उथले प्रवाल भित्तियों के मूल निवासी कई बड़ी क्लैम प्रजातियों में से एक, उनका वजन 200 किलोग्राम से अधिक हो सकता है।
- वे फिलीपींस के तट और दक्षिण चीन सागर में मलेशिया के प्रवाल भित्तियों में भी पाए जाते हैं।
- प्राणी के मेंटल ऊतक सहजीवी एकल-कोशिका वाले डाइनोफ्लैगलेट शैवाल (ज़ोक्सांथेला) के लिए एक निवास स्थान के रूप में कार्य करते हैं, जिससे वयस्क क्लैम को उनका अधिकांश पोषण मिलता है। दिन तक, क्लैम अपना खोल खोलता है और अपने मेंटल ऊतक का विस्तार करता है ताकि शैवाल को प्रकाश संश्लेषण के लिए आवश्यक सूर्य का प्रकाश प्राप्त हो।
- IUCN स्थिति: सुभेद्य

हम्बोल्ट ग्लेशियर

- वेनेजुएला संभवतः अपने सभी ग्लेशियरों को खोने वाला आधुनिक इतिहास का पहला देश बन गया है।
- नाटकीय कमी: वेनेज़ुएला का अंतिम ग्लेशियर, हम्बोल्ट ग्लेशियर सिकुड़कर 2 हेक्टेयर से भी कम हो गया है और अब इसे बर्फ के क्षेत्र के रूप में पुनर्वर्गीकृत किया गया है।
- राष्ट्रव्यापी ग्लेशियर का नुकसान: वेनेजुएला पहला आधुनिक राष्ट्र है जिसने अपने सभी ग्लेशियरों को पूरी तरह से खो दिया है।
- ऐतिहासिक संदर्भ: सिएरा नेवादा डी मेरिडा रेंज में एक बार छह ग्लेशियर थे; हम्बोल्ट ग्लेशियर, जिसे ला कोरोना के नाम से भी जाना जाता है, अंतिम शेष था।
- अप्रत्याशित पिघलना: शुरू में एक और दशक तक चलने की उम्मीद थी, ग्लेशियर प्रत्याशित की तुलना में बहुत तेजी से पिघल गया है।

राजहंस

- मुंबई में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की ओर जा रहे एक विमान की चपेट में आने से 30 से अधिक राजहंस मृत पाए गए।
- राजहंस बड़े लुप्त होते पक्षी हैं जो अपने हड़ताली गुलाबी पंख, लंबे पैरों और गर्दन के लिए जाने जाते हैं। भारत राजहंस की दो मुख्य प्रजातियों का घर है: ग्रेटर फ्लेमिंगो और लेसर फ्लेमिंगो।
- ग्रेटर फ्लेमिंगो (फीनिकोप्टेरस रोसियस)
    - 1.5 मीटर तक की ऊंचाई वाली बड़ी प्रजातियां।
    - चमकीले गुलाबी पंखों के आवरण के साथ गुलाबी-सफेद आलूबुखारा।
    - एक अलग नीचे की ओर वक्र के साथ ब्लैक-इत्तला दे दी गई बिल।
    - "कम से कम चिंता" के रूप में सूचीबद्ध

- लेसर फ्लेमिंगो (फीनिकोनियास माइनर)
  - छोटी प्रजातियां, लगभग 80-90 सेमी लंबी।
  - क्रिमसन पंखों के साथ गहरे गुलाबी आलूबुखारा।
  - गहरे लाल रंग का बिल जो लगभग काला दिखाई देता है।
  - "निकट खतरे" के रूप में सूचीबद्ध

बाई वीकली स्व मूल्यांकन

प्रीलिम्स असाइनमेंट

1. हाल ही में, इसरो प्रमुख ने पुष्टि की कि निसार उपग्रह इस वर्ष के अंत में लॉन्च होने की संभावना है। उपरोक्त कथन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. **NISAR का प्राथमिक कार्य पृथ्वी की सतह की उच्च-रिज़ॉल्यूशन ऑप्टिकल छवियों को कैप्चर करना है।**
2. **मिशन भूमि उप-विभाजन, भूस्खलन और ज्वालामुखी गतिविधि का अध्ययन करने में योगदान देगा।**
3. **NISAR वैश्विक समुद्री बर्फ कवर में परिवर्तन की निगरानी के लिए महत्वपूर्ण डेटा प्रदान करेगा।**
4. **उपग्रह को दो साल से कम के छोटे परिचालन जीवन के लिए डिज़ाइन किया गया है।**

उपर्युक्त कथनों में से कौन-से सही हैं?

A. केवल 1 और 3
B. केवल 1 और 4
C. केवल 2 और 3
D. केवल 2 और 4

2. हाल ही में समाचारों में, "नैरोबी घोषणा" निम्नलिखित में से किस क्षेत्र से संबंधित है?

A. जलवायु परिवर्तन
B. अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
C. सार्वजनिक स्वास्थ्य पहल
D. साइबर सुरक्षा विनियम

3. हाल ही में, भारत का अस्थिरता सूचकांक 21 अंक से अधिक हो गया है। निम्नलिखित में से कौन सा संस्थान इस सूचकांक की रचना करता है?

A. भारतीय रिजर्व बैंक
B. भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड
C. नेशनल स्टॉक एक्सचेंज
D. भारतीय स्टेट बैंक

4. निम्नलिखित में से कौन सा कथन नियामक सैंडबॉक्स शब्द को सही ढंग से परिभाषित करता है, जिसे कभी-कभी समाचारों में देखा जाता है?

A. निर्दिष्ट क्षेत्र जहां नियामक प्राधिकरणों की देखरेख में सुरक्षा मानकों के लिए हवाई जहाजों की जांच की जाती है।
B. आभासी वातावरण जहां वित्तीय संस्थान नियंत्रित वातावरण में नवीन उत्पादों, सेवाओं या व्यवसाय मॉडल का परीक्षण कर सकते हैं।
C. विश्व व्यापार संगठन आधारित अंतर्राष्ट्रीय समझौते जो व्यापार के लिए नियमों को मानकीकृत करते हैं।
D. प्रायोगिक स्थान जहां विभाग देश भर में उन्हें लागू करने से पहले नई योजनाओं का परीक्षण करते हैं।

5. "मारिजुआना" के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

1. **1985 का नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रोपिक सब्सटेंस एक्ट (NDPS Act) मारिजुआना के उत्पादन, कब्जे और उपयोग को नियंत्रित करता है।**
2. **आयुर्वेदिक चिकित्सा पारंपरिक रूप से चिकित्सीय उद्देश्यों के लिए भांग का उपयोग करती है।**

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

6. "ये एक प्रकार की बीमा पॉलिसी है जो एक लाभार्थी को प्रिंसिपल द्वारा संविदात्मक दायित्वों की पूर्ति की गारंटी देती है, यदि प्रिंसिपल अनुबंध की शर्तों को पूरा करने में विफल रहता है तो लाभार्थी को नुकसान से बचाता है।
निम्नलिखित में से कौन सा उपरोक्त अनुच्छेद का सही वर्णन करता है?

A. बीमा रखरखाव बांड
B. बीमा बोली बांड
C. बीमा ज़मानत बांड
D. बीमा भुगतान बांड

7. "यह एक विशेष वित्तीय संस्थान है जो बैंकों और वित्तीय संस्थानों से एनपीए या खराब संपत्ति खरीदता है ताकि बाद में अपनी बैलेंस शीट को साफ कर सकें। उपरोक्त परिभाषा के लिए सही विकल्प का चयन कीजिए।

A. एसेट रिकंस्ट्रक्शन कंपनी
B. निवेश बैंकिंग कंपनी
C. क्रेडिट रेटिंग एजेंसी
D. नॉन-परफॉर्मिंग एसेट रेजोल्यूशन कंपनी

8. हाल ही में खबरों में, 'इबेरियन लिंक्स' निम्नलिखित में से किस क्षेत्र के लिए स्थानिक है?

A. लातिन अमरिका
B. पूर्वोत्तर अफ्रीका
C. दक्षिण-पश्चिमी यूरोप
D. पूर्वी एशिया

9. हाल ही में रूस के साथ डील के बाद भारतीय सेना को रूसी एके-203 असॉल्ट राइफलें मिलनी शुरू हो गई हैं। इस संबंध में, AK-203 राइफलों के संबंध में नीचे दिया गया कौन सा कथन गलत है?

A. एके-203 राइफलों का निर्माण कोरवा आयुध निर्माणी, उत्तर प्रदेश में किया जा रहा है।
B. एके-203 9 एमएम कैलिबर की असॉल्ट राइफल है।
C. एके-203 असॉल्ट राइफलें स्वदेशी इंसास असॉल्ट राइफलों की जगह लेंगी।
D. AK-403 असॉल्ट राइफल्स में 800 मीटर की दृष्टि रेंज है।

10. संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास (एमपीएलएडी) योजना के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. **लोकसभा और राज्यसभा दोनों सांसद एमपीलैड योजना के तहत कार्यों की सिफारिश करने के पात्र हैं।**
2. **ग्रामीण विकास मंत्रालय एमपीलैड योजना के कार्यान्वयन के लिए नोडल मंत्रालय है।**

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. 1 और 2 दोनों
D. न तो 1 और न ही 2

11. साहेल राज्यों के गठबंधन (एईएस) के सदस्यों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. **नाइजर नाइजीरिया के साथ अपनी सीमा साझा करता है।**
2. **माली और नाइजर दोनों अल्जीरिया के साथ अपनी सीमा साझा करते हैं।**
3. **बुर्किना फासो नाइजीरिया के साथ अपनी सीमा साझा करता है।**

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 1 और 2
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2 और 3

12. हाल ही में, भारत 46 वीं अंटार्कटिक संधि सलाहकार बैठक की मेजबानी कर रहा है। इस संबंध में, अंटार्कटिका संधि के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. **यह अंटार्कटिका में सभी सैन्य गतिविधियों को प्रतिबंधित करता है।**
2. **यह महाद्वीप पर मौजूद खनिज संसाधनों के दोहन की अनुमति देता है।**
3. **यह अंटार्कटिका को एक वैज्ञानिक संरक्षण के रूप में नामित करता है।**

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1 और 3
D. 1, 2 और 3

13. विशालकाय क्लैम, सबसे बड़े जीवित बाइवाल्व, ज़ोक्सांथेला के साथ अपने सहजीवी संबंधों के लिए जाने जाते हैं। विशाल क्लैम किस संघ से संबंधित हैं?

A. कॉर्डेटा
B. निडारिया
C. मोलस्का
D. इकाइनोडर्मेटा

14. निम्नलिखित में से कौन सा देश आधुनिक इतिहास में अपने सभी ग्लेशियरों को खोने वाला पहला देश बन गया है, इसके अंतिम ग्लेशियर "हम्बोल्ट ग्लेशियर" को बर्फ ढाल के रूप में वर्गीकृत किया गया है?

A. चिली
B. अर्जेंटीना
C. वेनेज़ुएला
D. बोलीविया

15. स्पाइस बोर्ड हाल ही में संबंधित उद्योगों पर अपने राष्ट्रव्यापी निरीक्षण के कारण चर्चा में था। इस संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये:

1. **भारतीय मसाला बोर्ड एक वैधानिक निकाय है।**
2. **यह उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय के अंतर्गत आता है।**
3. **इलायची बोर्ड, मसाला बोर्ड से अलग निकाय है जो इलायची के संवर्धन की देख-रेख करता है।**

उपर्युक्त कथनों में से कितने सही हैं?

A. केवल 1
B. केवल 2
C. सभी सही हैं।
D. सभी गलत हैं।

16. नेशनल काउंसिल फॉर सीमेंट एंड बिल्डिंग मैटेरियल्स-इनक्यूबेशन सेंटर (एनसीबी-आईसी) का हाल ही में उद्घाटन किया गया। NCB निम्नलिखित में से किस मंत्रालय के प्रशासनिक नियंत्रण में है?

A. उपभोक् ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण मंत्रालय
B. वाणिज्य और उद्योग मंत्रालय
C. भारी उद्योग और सार्वजनिक उद्यम मंत्रालय
D. रसायन और उर्वरक मंत्रालय

17. ग्रेटर और लेसर फ्लेमिंगो के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: ग्रेटर राजहंस सबसे छोटी राजहंस प्रजाति हैं और इनका बिल गहरा लाल होता है।

कथन 2: लेसर फ्लेमिंगो मुख्य रूप से पूर्वी अफ्रीका में पाए जाते हैं और इनकी नोक काली नोक वाली गुलाबी चोंच होती है।

उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. कथन 1 और कथन 2 दोनों सही हैं।
B. कथन 1 और कथन 2 दोनों गलत हैं।
C. कथन 1 केवल सही है।
D. केवल कथन 2 सही है।

18. भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) भारतीय अर्थव्यवस्था में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। निम्नलिखित में से कौन सा BIS का प्राथमिक कार्य नहीं है?

A. उत्पाद मानकों को तैयार करना और लागू करना
B. बीआईएस हॉलमार्क का उपयोग करने के लिए निर्माताओं को लाइसेंस प्रदान करना
C. उपभोक्ताओं को असुरक्षित और घटिया वस्तुओं से बचाना
D. माल के आयात और निर्यात को विनियमित करना

19. कोपरनिकस कार्यक्रम के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिए:

कथन 1: यह यूरोपीय संघ (EU) के नेतृत्व में एक पृथ्वी अवलोकन कार्यक्रम है जो पर्यावरण और सुरक्षा खतरों की निगरानी के लिए उपग्रह डेटा और सेवाएं प्रदान करता है।

कथन 2: यह सतत विकास लक्ष्यों को बढ़ावा देने के लिए यूरोपीय संघ और संयुक्त राष्ट्र के बीच एक सहयोगी पहल है।

निम्नलिखित में से कौन-सा/से सही है/हैं?

A. केवल कथन 1
B. केवल कथन 2
C. कथन 1 और कथन 2 दोनों
D. न तो कथन 1 और न ही कथन 2

20. संयुक्त राष्ट्र विश्व खाद्य कार्यक्रम (यूएनडब्ल्यूएफपी) के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

1. **UNWFP की स्थापना 1961 में हुई थी।**
2. **UNWFP का प्राथमिक लक्ष्य वैश्विक भूख का मुकाबला करना और खाद्य सुरक्षा को बढ़ावा देना है।**
3. **UNWFP को वर्ष 2020 में नोबेल शांति पुरस्कार मिला।**
4. **UNWFP का मुख्यालय न्यूयॉर्क, USA में है।**

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही उत्तर का चयन कीजिए:

A. केवल 1 और 2
B. केवल 2 और 3
C. केवल 1, 2, और 3
D. 1, 2, 3 और 4

21. इन्फ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट (InvITs) भारत में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के वित्तपोषण के लिए उपयोग किए जाने वाले उपकरण हैं। InvITs के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन गलत है?

A. इनविट म्यूचुअल फंडों के समान हैं, जो बुनियादी ढांचा परिसंपत्तियों के पोर्टफोलियो में निवेश करने के लिए निवेशकों से धन एकत्र करते हैं।
B. InvITs को अपनी शुद्ध आय का न्यूनतम प्रतिशत निवेशकों को लाभांश के रूप में वितरित करने की आवश्यकता होती है।
C. InvITs को आम तौर पर क्लोज-एंडेड इन्वेस्टमेंट वाहनों के रूप में संरचित किया जाता है, जिसमें निवेशकों के लिए InvIT की परिपक्वता से पहले अपनी इकाइयों को भुनाने के लिए सीमित विकल्प होते हैं.
D. InvITs को अपनी आय पर कॉर्पोरेट आयकर का भुगतान करने से छूट दी गई है, जिससे वे कर-आश्रय रिटर्न चाहने वाले निवेशकों के लिए आकर्षक बन जाते हैं।

22. इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (EEPC) के बारे में निम्नलिखित में से कौन सा कथन सही है?

A. EEPC विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्रालय द्वारा इंजीनियरिंग क्षेत्रों में अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देने के लिए स्थापित सलाहकार निकाय है।
B. EEPC मुख्य रूप से भारत के इंजीनियरिंग सामान, परियोजनाओं और सेवाओं के निर्यात को बढ़ावा देने पर केंद्रित है।
C. EEPC एक वैधानिक निकाय है जो इंजीनियरिंग गुड्स रेगुलेशन एक्ट के तहत इंजीनियरिंग निर्यात क्षेत्र को नियंत्रित करता है।
D. EEPC वित्त मंत्रालय के तहत काम करती है और इंजीनियरिंग निर्यातकों को वित्तीय सहायता प्रदान करने पर केंद्रित है।

23. निम्नलिखित में से कौन सा कथन कामाख्या मंदिर का सटीक वर्णन करता है?

1. **यह देवी कामाख्या को समर्पित है, जो हिंदू देवी पार्वती का एक रूप है।**
2. **यह मंदिर भारत के बिहार राज्य में स्थित है।**
3. **यह जटिल नक्काशी और मूर्तियों की विशेषता वाली अपनी अनूठी वास्तुकला के लिए प्रसिद्ध है।**
4. **मंदिर मुख्य रूप से अपने वार्षिक अंबुबाची मेले के लिए जाना जाता है, जो जून में मनाया जाने वाला एक प्रजनन उत्सव है।**

नीचे दिए गए कूट का प्रयोग करके सही विकल्प का चयन कीजिए:

A. केवल 1 और 3
B. केवल 2 और 4
C. केवल 1, 3, और 4
D. 1, 2, 3 और 4

24. केरेम शालोम, जिसका उल्लेख अक्सर मध्य पूर्वी भू-राजनीति के संदर्भ में किया जाता है, मुख्य रूप से संदर्भित करता है:

A. इज़राइल में एक महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थल जो अपने प्राचीन खंडहरों के लिए जाना जाता है।
B. वेस्ट बैंक में एक प्रमुख इजरायली बस्ती।
C. इजरायल, गाजा पट्टी और मिस्र के बीच एक प्रमुख सीमा पार बिंदु।
D. इजरायल और फिलिस्तीन के बीच एक प्रसिद्ध शांति संधि पर हस्ताक्षर किए गए।

25. कभी-कभी समाचारों में उल्लेख किया जाता है, 'गेलेफू स्मार्ट सिटी परियोजना' निम्नलिखित में से किस देश से संबंधित है?

A. चीन
B. भूटान
C. नेपाल
D. जापान

मुख्य परीक्षा असाइनमेंट

1. "साइबर अपराध भारत में आंतरिक सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण खतरा है, जिसमें साइबर धोखाधड़ी का एक बड़ा हिस्सा दक्षिण पूर्व एशिया से उत्पन्न होता है। साइबर अपराध से निपटने के लिए मौजूदा कानूनी और संस्थागत ढांचे का मूल्यांकन करें और उनकी प्रभावशीलता बढ़ाने के उपायों का सुझाव दें।

2. "मई 2024 में बिम्सटेक चार्टर पर हाल ही में हस्ताक्षर दक्षिण और दक्षिण पूर्व एशिया में क्षेत्रीय सहयोग और एकीकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। दक्षिण एशिया और बंगाल की खाड़ी क्षेत्र में क्षेत्रीय सहयोग और सुरक्षा को बढ़ावा देने के लिए बिम्सटेक की क्षमता का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। इसके सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा करें और इसकी प्रभावशीलता बढ़ाने के उपाय सुझाएं।

3. अंतरिक्ष अन्वेषण में उभरते रुझान अक्सर जटिल नैतिक, कानूनी और आर्थिक मुद्दों को उठाते हैं। अंतरिक्ष पर्यटन के संभावित लाभों और कमियों पर चर्चा करें, और अंतरिक्ष अन्वेषण के भविष्य पर इसके प्रभाव का गंभीर मूल्यांकन करें।

4. हाल ही में सुप्रीम कोर्ट के फैसले के आलोक में, भारत में 'संपत्ति के अधिकार' के संवैधानिक और कानूनी आयामों पर चर्चा करें, जिसमें भूमि अधिग्रहण के लिए सात संवैधानिक परीक्षण निर्धारित किए गए हैं। यह निर्णय सार्वजनिक हित और निजी संपत्ति के अधिकारों के बीच संतुलन को कैसे प्रभावित करता है?

5. ला नीना घटना की हालिया भविष्यवाणी ने आगामी भारतीय मानसून के मौसम पर इसके संभावित प्रभाव में रुचि पैदा की है। भारत में ला नीना प्रभावित मानसून के सामाजिक-आर्थिक प्रभावों पर चर्चा करें और संभावित जोखिमों को कम करने और कृषि उत्पादकता सुनिश्चित करने के लिए रणनीतियों का सुझाव दें।

बाई वीकली केस स्टडी

आपको अभी-अभी केंद्रीय लोक निर्माण विभाग का अतिरिक्त महानिदेशक नियुक्त किया गया है। आपके डिवीजन के मुख्य वास्तुकार, जो छह महीने में सेवानिवृत्त होने वाले हैं, जुनून से एक बहुत ही महत्वपूर्ण परियोजना पर काम कर रहे हैं, जिसके सफल समापन से उन्हें जीवन भर के लिए स्थायी प्रतिष्ठा मिलेगी।

मैनचेस्टर स्कूल ऑफ आर्किटेक्चर, यूके में प्रशिक्षित एक नई महिला वास्तुकार, सीमा ने आपके डिवीजन में वरिष्ठ वास्तुकार के रूप में कार्यभार संभाला। परियोजना के बारे में ब्रीफिंग के दौरान, सीमा ने कुछ सुझाव दिए जो न केवल परियोजना के मूल्य को बढ़ाएंगे, बल्कि पूरा होने के समय को भी कम करेंगे। इसने मुख्य वास्तुकार को असुरक्षित बना दिया है और वह लगातार चिंतित है कि सारा श्रेय उसके पास जाएगा। इसके बाद, उसने उसके प्रति एक निष्क्रिय और आक्रामक व्यवहार अपनाया और उसके प्रति अपमानजनक हो गया। सीमा को यह शर्मनाक लगा क्योंकि चीफ आर्किटेक्ट ने उसे अपमानित करने का कोई मौका नहीं छोड़ा। वह अक्सर अन्य सहयोगियों के सामने उसे सही करता था और उससे बात करते समय अपनी आवाज उठाता था। इस निरंतर उत्पीड़न के परिणामस्वरूप उसका आत्मविश्वास और आत्म-सम्मान कम हो गया है। वह हमेशा तनावग्रस्त, चिंतित और तनावग्रस्त महसूस करती थी। वह उनसे खौफ में दिखाई देती थीं क्योंकि उनका कार्यालय में लंबा कार्यकाल रहा है और उन्हें अपने काम के क्षेत्र में व्यापक अनुभव है।

आप उनके पिछले संगठनों में उनकी उत्कृष्ट शैक्षणिक साख और करियर रिकॉर्ड से अवगत हैं। हालांकि, आपको डर है कि इस उत्पीड़न के परिणामस्वरूप इस महत्वपूर्ण परियोजना में उसके बहुत आवश्यक योगदान से समझौता हो सकता है और उसकी भावनात्मक भलाई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। आपको उनके साथियों से भी पता चला है कि वह अपना इस्तीफा देने पर विचार कर रही हैं।

A. उपरोक्त मामले में शामिल नैतिक मुद्दे क्या हैं?

B. परियोजना को पूरा करने के साथ-साथ सीमा को संगठन में बनाए रखने के लिए आपके पास क्या विकल्प उपलब्ध हैं?

C. सीमा की दुर्दशा पर आपकी क्या प्रतिक्रिया होगी? आपके संगठन में ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए आप क्या उपाय करेंगे?

यह मामला लोक सेवकों के बीच क्रेडिट से निपटने की प्रवृत्ति की अंधी दौड़ के कारण सार्वजनिक कार्यालय में खराब कार्य संस्कृति को उजागर करता है।

मामले में शामिल नैतिक मुद्दे

- **कार्यस्थल उत्पीड़न:** सीमा के प्रति मुख्य वास्तुकार का व्यवहार कार्यस्थल उत्पीड़न का गठन करता है। इसमें सार्वजनिक अपमान, अनादर और उसके योगदान को कमजोर करने का प्रयास शामिल है।
- **पक्षपात और भेदभाव:** वरिष्ठता के आधार पर एक अधिक योग्य व्यक्ति पर एक सेवानिवृत्त वास्तुकार के काम को बढ़ावा देना अनुचित और पक्षपाती के रूप में देखा जा सकता है।
- **शक्ति का दुरुपयोग:** मुख्य वास्तुकार एक अधीनस्थ को डराने और नीचा दिखाने के लिए अपने पद का उपयोग करता है, जिससे एक अस्वास्थ्यकर कार्य वातावरण बनता है।
- **विश्वास का क्षरण:** इस तरह का व्यवहार विभाग के भीतर विश्वास को कम करता है और खुले संचार और सहयोग को हतोत्साहित करता है।
- **व्यावसायिक अखंडता:** मुख्य वास्तुकार की असुरक्षा और कार्य पेशेवर वातावरण से समझौता करते हैं और परियोजना की सफलता को खतरे में डाल सकते हैं।
- **कर्मचारी कल्याण:** लगातार उत्पीड़न के कारण सीमा की भावनात्मक और मानसिक भलाई खतरे में है, जिसकी रक्षा करना संगठन का नैतिक कर्तव्य है।

विकल्प उपलब्ध हैं

- **प्रत्यक्ष हस्तक्षेप:** मुख्य वास्तुकार के साथ सीधे मुद्दे को संबोधित करें, उसे अपनी पेशेवर जिम्मेदारियों और एक सम्मानजनक कार्यस्थल के महत्व की याद दिलाएं।
- **संघर्ष मध्यस्थता:** मुद्दों को संबोधित करने और सहयोगात्मक रूप से काम करने का एक तरीका खोजने के लिए मुख्य वास्तुकार और सीमा के बीच मध्यस्थता सत्र की व्यवस्था करें।
- **भूमिकाओं को फिर से सौंपना:** परियोजना के भीतर विशिष्ट जिम्मेदारियों को फिर से सौंपें ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि सीमा मुख्य वास्तुकार की

भागीदारी सुनिश्चित करते हुए हस्तक्षेप के बिना योगदान कर सकती है।

- **औपचारिक शिकायत:** सीमा को एक औपचारिक शिकायत दर्ज करने के लिए प्रोत्साहित करें, जिसे बाद में संगठन के अनुशासनात्मक तंत्र के माध्यम से संबोधित किया जा सकता है।

सीमा की दुर्दशा पर मेरा जवाब-

जैसे ही मुझे उनकी स्थिति का पता चलेगा, मैं संगठन की ओर से उनसे माफी मांगूंगा, फिर मैं मुख्य वास्तुकार से कहूंगा कि सीमा की गरिमा को बहाल करने के लिए उनसे माफी मांगो और फिर मैं उसे भविष्य में ऐसा न दोहराने की चेतावनी दूंगा। मैं सीमा के योगदान को स्वीकार करूंगा और उन्हें परियोजना और संगठन के लिए लाए गए मूल्य के बारे में आश्वस्त करके उनका समर्थन करूंगा। मैं सीमा के साथ उनकी चिंताओं को सुनने, उनकी भावनाओं को मान्य करने और उनके काम के माहौल को बेहतर बनाने के संभावित समाधानों पर चर्चा करने के लिए एक निजी बैठक भी करूंगा।

ऐसी घटनाओं को रोकने के उपाय:

- ऑफिस में शी बॉक्स आइडिया को लागू करें ताकि कोई भी महिला निडर होकर शिकायत कर सके।
- दूसरों को चेतावनी देने के लिए ऐसे लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करना।
- कर्मचारियों का नैतिक प्रशिक्षण।
- कर्मचारियों के लिए कभी-कभार मिलनसार पार्टियों की व्यवस्था करना ताकि वे खुद को खुलकर व्यक्त कर सकें।

इस प्रकार, यह कहा जा सकता है कि सार्वजनिक कार्यालयों में कार्य संस्कृति में नैतिकता को शामिल करने की आवश्यकता है ताकि व्यक्तियों की गरिमा और अधिकतम संख्या में भलाई सुनिश्चित हो सके।

UPSC Mentorship
A Unit of Mentorship India

Skill India
कौशल भारत-कुशल भारत

Digital India
Power To Empower

Azadi Ka Amrit Mahotsav

स्वच्छ भारत
एक कदम स्वच्छता की ओर

GET IN TOUCH

+919999057869

www.upscmentorship.com

@mentorship.india

C – 103, Second Floor, Sector-2
Noida – 201301

contact@mentorshipindia.com